वे मौत से खेले थे

ए० एस० नील लिखित अंग्रेजी पुस्तक के
आचार्य श्री गिजुभाई कृत गुजराती
अनुवाद से रूपांतरित

रूपांतरकार—
श्रीकाशिनाथ त्रिवेदी बी० ए०



इलाहाबाद

प्रकाशक—
प्रफुल्लचंद्र ओझा
ओझाबंधु आश्रम
इलाहाबाद

मूल्य एक रुपया

पहली बार ११००

अक्टूबर '३४

मुद्रक—
पं० बद्रीप्रसाद पांडेय
नारायण प्रेस, प्रयाग

वे मौत से खेले थे



चि० कमलेश चन्द्र

ONKAR PRESS ALLAHABAD

उपहार

कम्मू,

तू बड़ा होकर ऐसा ही साहसी, बहादुर और निर्भीक बने, जैसे वे बच्चे थे जो 'मौत से खेले थे' इसी आशा से यह पुस्तक तेरे नन्हे हाथों में प्यार सहित देता हूँ।

आशीर्वाद—
प्रफुल्लचन्द्र ओझा

पुस्तक में क्या है ?

एक आलोचनात्मक दृष्टि

[लेखिका—श्रीमती तारा बहन]

यह पुस्तक उन किशोरों और कुमारों के लिए प्रकाशित हो रही है, जो देश विदेश के जगलों और रेगिस्तानों में, समुद्र पर और हवा में, भीषण और रम्य प्रकृति की गोद में घूम घामकर भटक-भटककर साहसपूर्ण कार्य करने के सपने देखा करते हैं, या जो खुद साहसी बनकर यों सैर सपाटे को निकल नहीं सकते तो सच्चे या काल्पनिक साहस के किस्सों को पढकर ही अपने उस हौसले को तृप्त करना चाहते हैं। नौ-दस बरस के बालकों से लेकर चालीस पचास बरस के प्रौढ पाठकों को, एक बैठक में, बड़ी दिलचस्पी के साथ इस पुस्तक को पढते हमने प्रत्यक्ष देखा है। इससे यह विचार स्पष्ट हुआ कि यह पुस्तक बालकों और नौजवानों की तरह बडों के लिए भी चाव से पढने की चीज है। जब कि बालक इससे प्रत्यक्ष आनन्द लूटते हैं, बडा को इसमे बाल मानस के बहुत ही सूक्ष्म और नवीनतम दृष्टि से किये गये अभ्यास का लाभ मिलता है। 'यह सच है' कहकर निगल जाने जैसी बात तो नील कभी लिखता ही नहीं। उसकी समस्त पुस्तकों की विशेषता विचार जाग्रत करने की उसकी शक्ति में है। वह पाठकों के मन को कभी शिथिल रहने ही नहीं देता। प्रस्तुत

पुस्तक 'प्राञ्नेम चाइल्ड' की तरह प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण प
मानस शास्त्र की पुस्तक नहीं कही जा सकती, तथापि आलो
को यह शिक्षा-विषयक एक बहुमूल्य ग्रंथ प्रतीत होगा। न
और ट्रेनिंग स्कूलों मे—अध्यापन मन्दिरों में—पाठ्य पुस्तक
की योग्यता रखनेवाली यह पुस्तक है। इसका एकमात्र दु
कहिये या गुण कहिये, वह यह है कि यह खुल्लमखुल्ला शि
शास्त्र का उपदेश नहीं करती। फिर भी इसमें शिक्षा के सि
बड़ी सुन्दरता के साथ गूँथे गये हैं। समस्त पुस्तक की
आलोचना का यह स्थल नहीं है। इसकी कुछ मुख्य
विशेषताओं को देखिये।

पढना शुरू करते ही शिक्षकों का यह विचार जागता है
"ओहहो, इसमें तो भूगाल शिक्षण की एक युक्ति है। भू
बालकों के लिए एक नीरस विषय है। फिर भी शिक्षकों
अनिवार्य रूप से भूगोल सिखाना पडता है, अतएव सरस
कर बालकों को पिला देने की अनेक कल्पनायें अनेक शिक्षक
अब तक की हैं। उनमें यह एक नई ही कल्पना है। वैसे
तो नई नहीं भी है। क्योंकि दर्जे के छात्रों को काल्पनिक यात्र
लिए ले जाकर अफ्रिका, अमेरिका जैसे अपरिचित देशों
भूगोल सिखा देने की युक्ति तो कई शिक्षकों को सूझ चुकी है

तो फिर इसमें विशेषता क्या है? भूगोल शिक्षण की
से इसमें विशेषता भी है और नवीनता भी है, और अवश्य
शिक्षकों को भली भाँति ध्यान मे रखने-जैसी विशेषता है। प

विशेषता बालकों के लिए भूगोल की बातों के चुनाव में है। इसमें काल्पनिक यात्रा के लिए रवाना होने पर भी केवल स्थल विभाग, और उनकी राजधानियाँ, पहाड़ों और नदियों के नाम मात्र गिना देने का ही काम नहीं किया गया है। बल्कि आफ्रिका की वे ही बातें विवेकपूर्वक चुनी गई हैं जो बालकों को स्वभावत दिलचस्प मालूम होती हैं और जो भूगोल शिक्षण के वातावरण के रूप में आवश्यक हैं। सभी विशेषता भूगोल के अन्दर से बालप्रिय बातों के चुन लेने में है। हमारी दृष्टि में आफ्रिका की बातें यानी पिरामिड की बातें, नाइल की बातें। लेकिन नील ने आफ्रिका की कैसी कैसी हक़ीक़तें हँसते खेलते सुना दी हैं, और बालकों ने उन्हें ग्रहण कर लिया है, सो कहने की बात नहीं। पिरामिड का क़िस्सा तो बालकों ने बड़ी मुश्किल से सुना। पिरामिड की चर्चा करते हुए लेखक भूगोल शिक्षण का दृष्टिकोण और बालरस की दृष्टि हमारे सम्मुख उपस्थित कर देता है।

"उनका भूगोल का अज्ञान भयकर था" यों कहकर लेखक स्वय ही उस अज्ञान का समर्थन करता है और अप्रत्यक्ष रीति से कहता है कि ऐसा अज्ञान हो तो हर्ज क्या? उसके विद्यार्थी भूगोल और भूगोल-सम्बन्धी अन्वेषण कार्य में उपयोगी साधनों का प्रत्यक्ष उपयोग इतनी अच्छी तरह करना जानते हैं कि अगर उन्हें पिरामिड से दिलचस्पी न हो, और वे उसके सम्बन्ध में कुछ न जानने के कारण 'अज्ञानी' कहे जायँ तो आपत्ति क्या है? लेखक तो इस स्थान पर अपनी मर्मस्पर्शिनी शैली से

आज कल की भूगोल-शिक्षण पद्धति की खिल्ली उडाता है
लिक यात्रा व्यक्तिगत दृष्टि से कितनी अभ्यसनीय है, म
लिये वार्तालाप से स्पष्ट हो जाता है।

"पिरामिड्स का प्रभाव मण्डली के प्रत्येक सदस्य प
भिन्न पडा।"

पिक्रैफ्ट ने सोचा कि अपने पेट्रोलियम पेटएट का
चिपकाने के लिए जगह बहुत अच्छी है। नील ने सोचा
पत्थरों से स्नानगृह के साथ एक सुन्दर पाठशाला ब
सकती है।

और लडकों पर जो प्रभाव पडा सो शिक्षकों के लि
रूप से माननीय है।

गिल्बर्ट ने मन में कहा—"कुछ पत्थर लेजाकर सिने
आइस्क्रीम सलून बनाया जा सकता है।"

डेरिक बोला—"इसे देखकर मुझे अपनी ज्यामिति क
याद आती है।"

हेल्गा ने यह जानना चाहा कि पिरामिड के अन्दर क
डोनल्ड के मन में सवाल उठा कि इन लोगों ने इसमें
क्यों नहीं लगवाईं ?

जेफ्रे ने तो "उँह इसमें क्या रक्खा है," कहकर
की बात पर ध्यान ही नहीं दिया।

यही जेफ्रे जगली लोगों के जीवन की बारीक-से बा
जानता है। बाघ और शेर का शिकार कैसे किया जाता है

मे रात बितानी हो तो कैसे बिताई जाती है, वगैरह बातें उसे अच्छी तरह मालूम हैं।

लेखक कहना चाहता है कि बचपन में बालकों को भूगोल की कौन सी बातों में मजा आता है, सो उनसे जानकर, वे बातें विस्तार के साथ उन्हें बताई जायँ तो बालकों को जो दूसरी बातें याद रखने में कठिनाई होती है और शिक्षकों को भूगोल की जो बातें याद कराने में व्यर्थ की परेशानी उठानी पड़ती है, सो दूर हो जाय।

मनुष्य को जीवन की आवश्यकताओं की चर्चा मे सच्चा आनन्द आता है। बालकों को यह प्रतीत हो जाता है कि वे सच-मुच ही यात्रा कर रहे हैं और इसलिए सीधे यात्रा के सिलसिले मे आनेवाली बातों मे उन्हें मजा आता है।

इस पुस्तक के भूगोल शिक्षण में दूसरी ध्यान देने योग्य बात यह है कि इसमें नील ने भूगोल के साथ विज्ञान आदि अनेक विषय जोड दिये हैं। विज्ञान की चर्चा विज्ञान के समय में और भूगोल की भूगोल के समय में, दोनों के शिक्षक अलग, दोनों की बातें अलग, यह परिस्थिति यहाँ नहीं है। विज्ञान और भूगोल को इस प्रकार ओतप्रोत कर दिया है कि कभी यह खयाल आता है कि नहीं, नहीं, यह पुस्तक भूगोल की नहीं है, यह तो बालकों के अन्दर वैज्ञानिक बुद्धि जगाने को लिखी गई है। यह पुस्तक प्रत्यक्ष विज्ञान की नहीं है, फिर भी बालकों को वैज्ञानिक ढङ्ग से विचार करना सिखाती है। यात्रियों की हवा

में उडनेवाली उडनगाडी की तरह ही नील ने वैज्ञानिक कल्पना को स्वैर विहार कराया है, जिसमे किस्सा परियों की कथा की तरह रसपूर्ण होते हुए भी वैसा हवाई तो कभी नही है। हर एक कल्पना के साथ वास्तविक शक्यता-अशक्यता का विचार आकर खडा हो जाता है। जिसे सचमुच वैज्ञानिक कल्पना (Scientific Imagination) कह सकते हैं, इस कथा में वैसी ही कल्पना है।

आरम्भ ही में बालकों के सामने व्यावहारिक कठिनाइयाँ खडी हो जाती हैं। मान लीजिये कि कोई एक वैज्ञानिक नये आविष्कार करता है, लेकिन वर्तमान ससार में केवल कल्पना-विहार से उसका काम नहीं चलता। पाउ शिलिंग पेन्स के व्यावहारिक वास्तविक जगत् में उसे आना ही पडता है और किसी पिकैफेट के मिलने पर ही वह आगे बढ सकता है। इस कथा में पग-पग पर वैज्ञानिक कठिनाइयाँ खडी होती हैं और उन्हें वह वैज्ञानिक ढग से हल करता है।

कभी कभी शायद बालकों की वैज्ञानिक बुद्धि को झकझोरने के लिए नील वैज्ञानिक गप्पें भी हाँकता है, लेकिन बालक तुरन्त उसकी भूल को ताड जाते हैं।

गिल्बर्ट ने कहा—"डेरिक, तेरा क्या खयाल है? तू मानता है कि नील जो कहता है, बना सकता है?"

डेरिक ने कुछ सोचकर कहा—"उड सकनेवाली कार? हाँ, बन सकती है। लेकिन पानी बनाने की मशीन की बात मूर्खता-पूर्ण लगती है। मैंने अपने विज्ञान के शिक्षक मि० मिफर्ट से इस

सम्बन्ध में पूछा था। वह कहते हैं कि हवा में हाइड्रोजन बहुत कम है। बूढ़े नील, हवा मे पानी बनाने की मशीन तू कैसे बना सकेगा ?"

नील को अपनी भूल सुधारनी पड़ी। पर विज्ञान की सहायता से ही उसने स्पष्टीकरण किया—

"मि० मिफर्ट स्वीकार करते हैं कि सूर्य में हाइड्रोजन है। लेकिन यह जानते भी हैं कि रेडियम लोह चुम्बक की तरह हाइड्रोजन को नीचे खीचता है ?"

ऐसी वैज्ञानिक सूक्ष्मता तो सारी पुस्तक में पग-पग पर पाई जाती है। यही कारण है कि पुस्तक को निश्चयरूप से भौगोलिक या वैज्ञानिक कहने में कठिनाई पड़ती है। फिर भी यह बिलकुल सच है कि पुस्तक मे दोनों विषयों में सजीव रस उत्पन्न करके बालकों के सम्मुख रखने की विशेषता है।

कभी ऐसा प्रतीत होता है कि यह पुस्तक न तो मुख्यत भूगोल की है, और न विज्ञान की। ये दोनों विषय सहायक मात्र हैं। पुस्तक तो साहसिक कथाओं की है। और साहस की तादृश्यता खड़ी करने के लिए भूगोल और विज्ञान को पुस्तक में कुशल हाथों से गूँथ दिया गया है।

साहसिक नौजवान तो यही कहेंगे, फिर भले अनुभवी वृद्ध शिक्षक इसे पढकर यह सोचने लग जायँ कि बालकों को भूगोल कैसे सिखाया जाय या वैज्ञानिक बातें उनके सम्मुख कैसे कही जायँ ? पर नौजवान तो इस पुस्तक को साहस कथा की श्रेणी

मे अवश्य ही रस देंगे। पुस्तक की सजीवता उसके साहस वर्णन में है।

बालकों के लिए एक ही उदाहरण बस होगा। हवा से भी हलकी धातु के पतरे को डेरिक ने छू लिया, जिसमे वह हवा में उड गया और उसे विज्ञान की मदद से नीचे लाना पडा। यह घटना सम्पूर्ण रूप से वैज्ञानिक होते हुए भी डेरिक का जीवन संकट मे होने के कारण इस पर साहस का रंग चढ गया है। हर एक बालक ने इस घटना को धड़कते दिल से सुना होगा और सुनेगा। और हरएक बालक इसे डेरिक के साहस की घटना के नाम से ही पहचानेगा।

बडो के लिए यह किस्सा विज्ञान या भूगोल का है, जब कि बालको या नौजवानों के लिए अद्भुत साहस का। आरम्भ ही में बालको की उन्नीयमान साहसिक वृत्ति का लेखक ने बड़ी सुन्दरता के साथ पृथकरण किया है। जहाँ बालक बिना नोल क अकेले ही यात्रा के लिए रवाना होते हैं, वहाँ पढनेवाले बालको की आँखें चमकने लगेगी। हरएक बालक सोचेगा कि मैं भी अकेला गाडी पर सवार होकर निकलूँ तो? ऐसा करना बिलकुल आसान नहीं है, फिर भी एकदम कठिन, शक्ति से परे, भी नहीं है। और इसी कारण बालक साहस का आनन्द लूट सकते हैं। बडों का आधार हरएक बालक को कुछ कुछ अन्दर-अन्दर तो खटकता ही है। यद्यपि इस कहानी के बालक साफ ही नील को साथ लेने से इनकार कर देते हैं, फिर भी बालकों की एकाएक

अकेले चल पड़ने की हिम्मत नहीं होती, लेकिन जब उनके आस-पास स्वरक्षण के और जीवन की आवश्यकता के सब साधन बराबर जुट जाते हैं, तो वे साहस का रस चखने को निकल पड़ते हैं। मोटर में मशीनगनें और रिवाल्वर और न जाने क्या क्या था। हमारे बालक भी लकड़ी या छोटी बन्दूक या तलवार लेकर घूमने निकलना पसन्द करते हैं। इसका कारण यही है कि वे अपने नन्हें नन्हे हाथ-पैरों को और उनकी वैसी ही शक्ति को जानते हैं। लकड़ी हाथ में लेते ही उन्हें अपनी शक्ति की पूर्णता का खयाल होने लगता है। इन नये साहसिकों का नील ने भी खासा उपहास किया है। वे साहस करने चले थे, लेकिन आरम्भ में तो बहुत ही डरते थे और पहली ही बार एक गधे को सिंह समझकर उन्होंने मशीनगन चला दी। एक क्षण में तो वे अपने सब साधनों का उपयोग करने को तैयार हो गये, लेकिन आखिर बचों का असली साधन ही उनके काम आया और वे भाग खड़े हुए। नन्हे नये बाल साहसिकों का यह कैसा स्वाभानिक चित्रण है। आगे चलकर धीरे धीरे वे साधनों के व्यवहार का विवेक सीखते जाते हैं। टोरिग्जों के साथ की लड़ाई में या गिलबर्ट को क़िले से छुड़ाते वक्त उन्होंने बुद्धि का अच्छा उपयोग किया है। फिर भी बिलकुल नये होने से उन्हें जल्दी सूझ नहीं पड़ती। हर बार विचारणा और मत्रणा करनी पड़ती है और फिर भी वे अधिकाधिक कठिनाई में फँसते जाते हैं। अन्त में वे नील और पिक्रैफ्ट को साथ लेते हैं, पर यह भी उनके आने का विरोध करके।

हम बडे-बूढे जब बच्चों को अपने साथ यात्रा को ले जाते तो उन्हे गठरियों की तरह निर्जीव वस्तु समझकर ही सर्व घुमाते हैं। हम सुरक्षितता के पीछे इतने पागल रहते हैं कि उस कारण हम नालायक बन गये हैं और बालकों को तो पीढी द पीढी के लिए साहस-हीन बनाते जा रहे हैं। ऐसा न करके ह बालकों को अपने साथ एक जिम्मेदार व्यक्ति की तरह ले जा और सामान सम्हालने, पानी लाने वगैरह का कार्य उन्हें सौंपते र तो वे यात्रा का अधिक आनन्द लूट सकते हैं। इसी तरह हमार यह एक सिद्धान्त बन गया है कि बालक अकेला नही छोडा ज सकता, इसके स्थान पर उसे अकेले घूमने फिरने की स्वतन्त्र देना आवश्यक है।

बालकों के लिए यदि यह पुस्तक साहस की कथा है, तो बडो के लिए बाल मनोविज्ञान का एक सुन्दर अभ्यास है। इसके पन्ने पन्ने में और वाक्य वाक्य में मानस शास्त्र भरा पडा है पाँचों बालक पाँच प्रकार के हैं। अन्त तक उनके स्वभाव का आलेखन उनके स्वभाव के अनुसार ही किया गया है। उनका प्रत्येक कार्य, उनकी प्रत्येक उक्ति उनके लिए सहज और स्वाभाविक ही है।

इस पुस्तक का बाल-अभ्यास शिक्षकों या माता पिताओं के लिए बहुत ही उपयोगी हो सकता है। स्वतंत्र वातावरण में होने के कारण बालक बिलकुल नग्न हैं। अपने बालकों की मनोवृत्ति हम कचित ही जान पाते हैं, क्योंकि हमने बालकों को कम

इतनी स्वतन्त्रता ही नहीं दी कि वे अपने मन में घुलनेवाली बातें साहस के साथ हमसे कह सकें। हम सदा यही चाहते रहे हैं कि बालक जब कभी बोले, तमीज और तहज़ीब के साथ बोले। फलत बालक का मन सदा के लिए रहस्यमय ही रहा है। हरएक नई पुरानी परिस्थिति का बालक के मन पर आन्तरिक प्रभाव क्या पडता है, और उसकी रुचि अरुचि क्या होती है, वगैरह बातों का हमें बिलकुल पता नहीं रहता। इन बाल पात्रों के रूप में नील ने हमारे सम्मुख बाल मानस के पाँच प्रकार उपस्थित किये हैं।

हम लोग अतिशय सभ्य वातावरण मे पाले पोसे गये हैं, अत हमारे सामने जब कोई वस्त्रहीन नग्न बालक आ जाता है, तो हमारी आँखों को वह रुचता नहीं। सभव है, ठीक यही दशा इन पात्रों के स्वभाव चित्रण की भी हो, क्योंकि बालकों के स्वभाव का नील हमे बिलकुल निर्वस्त्र नग्न स्थिति मे बताता है। इसमे हमें वे जरा विचित्र, गँवार, उद्धत और विवेक शून्य तो लगेंगे, परन्तु अभ्यास के लिए तो जैसे पोशाक पहना हुआ शरीर उपयोगी नहीं होता, वैसे ही पोशाकवाला मन भी नहीं।

मनोविज्ञान के अभ्यास के उदाहरण यदि दिये जायँ, तब तो प्राय सारी पुस्तक ही उद्धृत कर लेनी पडे, पर यहाँ कुछ थोड़े अवतरण बस होंगे।

गिल्बर्ट ने अभिमान के साथ कहा—"मैं डरती नहीं। मैं जाऊँगी और दरी ले आऊँगी।" फिर धीरे से कहा—"हैरिक,

जरा मशीनगन पर हाथ रखे रहना।"

साहस और भय का मिश्रण।

गिल्बर्ट अपने शिक्षक नील को लक्ष्य करके कहती है—

"मूर्ख को रेतीले तूफानों का तो विचार करना था।" कितना निष्कपट और स्वाभाविक वचपन!

जगलियो और बालकों की पहली सलामी जीभ निकालने और थूकने से होती है, इसमे बालको और प्राथमिक दशा के मनुष्यो की समान कक्षा का परिचय मिलता है।

जगलियों की बस्ती में पहुँच जाने के बाद का सारा वर्णन एक प्रामाणिक मानव-शास्त्री का सभ्य समार पर किया गया एक कठोर व्यग्य है, चुभता हुआ कटाक्ष है।

हृदय में डरते हुए भी वे बाहर रौब के साथ घूमते हैं। वह सारा वर्णन बडा मार्मिक है।

डेरिक का धर्मोपदेशक का कार्य वैसे ही यूरोपीय क्रिश्चियन Exploiters पर एक तीखा कटाक्ष है।

उस जंगली पुजारी के प्रश्न रहस्यपूर्ण हैं—

"तुम्हारे देश में लडाइयाँ होती हैं?" "आदमी चोरी करते हैं?" "आदमी एक दूसरे की हत्या करते हैं? धोखा देते हैं?" "परस्पर मारकाट करते हैं?" "झूठ बोलते हैं?"

साथ ही नील एक सिद्धहस्त कहानी लेखक भी है, बाल-मनोविज्ञान का उसका अभ्यास इतना गहरा और मँजा हुआ है कि वह भूगोल और विज्ञान के तत्त्वों को को हथेली पर खेलाते-

खेलाते ऐसी सुन्दर कहानी की रचना कर सकता है । नील के पास केवल अभ्यास और तथ्य (facts) ही होते तो कहानी न बनती। पर तथ्यों को उपस्थित करने की शैली और अपूर्व कुशलता के कारण ही नील एक निपुण कहानी लेखक है। कहानी के रूप में इतिहास, भूगोल, आरोग्य, विज्ञान-आदि का वर्णन करने के प्रयत्न अनेक शिक्षकों ने किये हैं। पर भूगोल तो भूगोल ही रहता है। पानी में जिस तरह ककर घुलते नहीं, कहानी की चौखट में वैसे ही वे न घुलनेवाले facts पडे रहते हैं, जब कि इस पुस्तक का प्रत्येक प्रसग कथा के रूप मे घुल चुका है, कथामय हो चुका है। इसी मे वार्ता कथन की शैली की शक्ति है।

इस पुस्तक में बीच बीच मे बातचीत का भाग मौलिक और रसपूर्ण है। बाल कथा या कहानी लिखनेवालों के लिए यह एक सुन्दर अभ्यास है। कहानी के शुरू होते ही बीच की बात-चीत से फौरन पता चल जाता है कि बालकों को कौन सी बात प्रिय है, कहाँ वे ऊब उठते हैं, किस जगह जमुहाई लेने लगते हैं, इत्यादि। मानों नील ने कहानी लेखकों के लिए यह सब नोट कर रक्खा है। इसके आधार पर नियम बनाकर यदि कहानी लेखक तदनुसार कहानियाँ लिखें तो (शैली और भाषा भिन्न की होने पर) बाल रस की दृष्टि से कभी भूल न करें। इस कहानी मे तो उसने सुननेवाले पात्रों को ही कहानी के पात्र बना लिये हैं, इसलिए उसका मार्ग सरल हो गया है। लेकिन प्रत्येक कहानी में बालक किसी एक पात्र के साथ तद्रूप होकर कहानी सुनते हैं

और जब वे यह अनुभव करते हैं कि उस पात्र पर जो-जो बीतती है, सो उन्हीं पर बीत रही है। इसलिए कहानी लेखक के ध्यान में सदा यह बात रहनी चाहिए कि सामान्यतया जिस पात्र के साथ बालक तद्रूपता का अनुभव करनेवाला है, उस पात्र को क्या हो तो बालक प्रसन्न हो और क्या होने से बालक के लिए वह असह्य हो जाय। इस कहानी में नील बहुधा मजाक के लिए ऐसी बातें कह देता है जो पात्र को नहीं रुचतीं और फौरन ही पात्र बीच की बातचीत में उसका विरोध करता है।

बालक जिस चीज को किसी भी तरह सुनना नहीं चाहते, उसे सुनाने का भी वह आग्रह रख सकता है और इस ढंग से सुना सकता है कि वे खुश हो जायँ। वह जानता है कि इस समय साहसपूर्ण कार्यों के कारण बालकों के मन उत्तेजित हो उठे हैं, और वे कुछ सुनना नहीं चाहते, अन्यथा गॉर्डन का किस्सा तो वैसे ही दिलचस्प है। अतएव यहाँ वह बालकों के पीछे नहीं चलता। अपने मन की करता है। लेकिन किस तरह? नाराज होकर नहीं, 'तुम्हें सुनना ही पड़ेगा' कहकर नहीं, और न इस भाव से कि बालक सुनें या न सुनें, जो कुछ कहना है, कह दिया जाय, बल्कि बालकों को वास्तव में मन पूर्वक सुनने को तैयार करके।

गिल्बर्ट ने कहा—"अगर तू किस्से के साथ इतिहास पढाना चाहता हो, तो हम ऐसी वाहियात बात नहीं सुनेंगे।"

डेरिक—"नील इतिहास जाने ही क्या ?"

जेफ्री—"मुझे इतिहास नहीं सीखना।"

हेल्गा—"मैं तो साहस के किस्से पसन्द करती हूँ।"

डोनल्ड—"मुझे तो सिंह और मगर की कहानी पसन्द है।"

सबके सब बालक विरुद्ध हैं। उनमें एक दो को इतिहास से विरोध है, (बेचारों को पाठशाला में इतिहास रटना पड़ा होगा) तो दूसरे साहस की कथायें चाहते थे, इसलिए विरोधी थे।

नील ने उन्हें रास्ते पर लाने की अजब तरकीब सोची। वह बे सिर पैर की बातें सुनाने लगा। आखिर बालक गार्डन का किस्सा सुनने को तैयार होते हैं। इसमें नील ने वार्ता कथन की एक दूसरी विशेषता बताई है, कि केवल सुननेवाले की मर्जी पर चलने की आवश्यकता नहीं। चाहे तो कहानीकार अपनी चाही बात सुना सकता है, पर तभी, जब उसके पास बालकों का मन मनाने की शक्ति और युक्ति हो।

नील के विनोद—उसके हास्य—के विषय में क्या लिखा जाय? पुस्तक हाथ में लेने के बाद से नीचे रखने तक आदमी ज़ोर से या धीमे से—मुसकुराते हुए—हँसता ही रहता है। उसके हास्य में बौद्धिक चमत्कार पग पग पर है, लेकिन इसके कारण साधारण बालक के लिए यह हास्य अछूत नहीं बन जाता। बालकों की साधारण क्रीडाओं से भी लेखक परिचित है। जीभ निकालना, और किसी को मूर्ख और गधा कहना बालकों के साधारण खेल हैं। अपने 'पॉलिश्ड' समाज में हम बालकों को ऐसा बोलने नहीं देते। इसलिए उनका यह अंग दबा रहता है।

लेकिन इसमें उनकी एक प्रकार की प्राथमिक दशा का विनोद है। और वह विनोद शुद्ध है। विदूपकता उसमें तनिक भी नहीं।

ऐसा मालूम पड़ता है कि मानसशास्त्र के अभ्यास ने उसके विनोद में सहायता की है या उसीने मानसशास्त्र को विनोद की दृष्टि दी है। उसका विनोद अधिकतर मनो निरीक्षण का फल होता है।

इस पुस्तक से हमें एक और विचार मिलता है, कि कोई नितान्त स्वतन्त्र शाला हो, तो उसका क्या परिणाम होगा। इस पुस्तक से हम सहशिक्षण और केवल स्वतन्त्र शिक्षण के अनेक सुपरिणामों को साररूप में ग्रहण कर सकते हैं और यह जान सकते हैं कि परीक्षा और पाठ्यक्रम का बन्धन न रहते हुए भी छात्रों की जानकारी का भाण्डार कितना बढ़ा-चढ़ा है, विशेषत उनकी विचार शक्ति कितनी विकसित है, उनकी भावनाये कैसी है, और उनकी बाहरी असभ्यता के अन्दर सची सस्कारिता और सभ्यता कितनी है। बहुतेरों को नील के साथ बालकों का व्यवहार असभ्य और असह्य लगेगा। लेकिन नील न केवल उसे सहन ही करता है, बल्कि सिद्धान्तत उसे निवाहता जाता है और इसी कारण वह उन सब का जिगरी दोस्त है, उनके निकट से निकट है। और हम ? हम सब अपने निज के अगभूत हमारे अपने बालकों से और विद्यार्थियों से कितने दूर हैं। उनके लिये कितने पराये हैं। अगर हम इन बालकों के माता पिता होते तो बालकों और शिक्षक का सम्बन्ध देखकर हम नील से ईर्ष्या

करने लगते, इतना सुन्दर सम्बन्ध उनका है। जिस प्रकार स्थूल दुनिया में हम बिना किसी प्रकार का साहस किये केवल सुरक्षितता में ही जीना चाहते हैं, उसी प्रकार शिक्षण, सामाजिक व्यवहार वगैरह समस्त क्षेत्रों मे हम सिर्फ सुरक्षित रहना चाहते हैं। ऐसी दशा मे इन स्वतन्त्र प्रयोगों को हम हजम न कर सकें तो आश्चर्य नहीं। फिर भी यदि हम इन्हें समझने का प्रयत्न करें तो हमारे सम्मुख अनेक नई दृष्टियाँ खुल जायँगी। हम नवीन मानसशास्त्र के ज्ञाता भले हों, तथापि हमारी हिम्मत नहीं कि हम उसे पुस्तक के बाहर निकालें जब कि नील ने उसका व्यवहार करके अपनी पाठशाला मे तदनुसार तत्काल सुधार कर दिये हैं। यही कारण है कि वह बालकों को heart to heart पहचान सकता है। दिल से दिल को जान सकता है। बालक जिस प्रकार अपनी माता के सामने नगे होने मे शरमाते नहीं, उसी प्रकार नील के बालक उसके सामने निरी नग्न स्थिति में खेलते-कूदते हैं, और फलत मानसिक आरोग्य का सुख लूटते हैं।

पुस्तक कई दृष्टियो से इतनी सुन्दर है, कि ऐसे लेखों से उसके साथ न्याय की अपेक्षा अन्याय ही होने का डर है। इसलिए पाठकों से यही अनुरोध करके बस करती हूँ कि वे इसकी विशेषताओं को स्वयं खोजें और खोज खोजकर आनन्द और उपदेश लाभ करें।

डेरिक ने अधीर होकर कहा—"अरे भाई, चुप रहो न! नील! कहानी कहो।"

कहानी

वह मशहूर आविष्कारक बीअर का प्याला गटगटा गया और बोला—"हाँ, मोटरकार तैयार है। लेकिन "

आतुर होकर डेरिक ने पूछा—"हम कल रवाना हो सकेंगे?"

आविष्कारक ने खेद के साथ सिर धुना। वह बोला—"क्या करें? दुनिया में कुछ ऐसा ही होता आया है। अक्ल तो बहुतेरी है, लेकिन बिना धन के क्या हो सकता है?"

पास की मेज पर एक आदमी खाना खा रहा था। यह बातचीत सुनकर वह उठा और शिक्षक तथा इन पाँचों बच्चों के पास आया।

उसने कहा—'माफ कीजियेगा महाशय! बेशक, मैं आपकी गुफ़्तगू में दखल देना नहीं चाहता, लेकिन आप इन बच्चों के साथ जो बातचीत कर रहे थे, वह मैंने सुन ली है। अच्छा सुनिए, मेरा नाम-धाम इस प्रकार है—"सिलास के पिक्रैफ्ट, न्यूयार्क-निवासी।" अगर मैंने आपकी बातचीत को सही-सही समझा है, तो मेरा खयाल है कि आप इन सब को यात्रा के लिए ले जाना चाहते हैं। क्यों, यही बात है न?"

नील हँसा। वह बोला—"बात यह है कि "

लेकिन इतने में जेम्स बीच ही में बोल उठा—"मिस्टर नील ने एक आश्चर्यजनक मोटरकार का आविष्कार किया है। इनकी

बहुत इच्छा है कि हमें दुनिया की यात्रा कराने को ले जायँ, लेकिन, बेचारे के पास रैडिश खरीदने को रुपये नहीं हैं।"

साश्चर्य पिक्रैफ्ट ने कहा—"रैडिश ? यह क्या चीज है ?"

जेक्से की ओर तिरस्कार न देखकर हेल्गा ने कहा—"यह तो रेडियस कहना चाहता था।"

डेरिक बोला—"बेवकूफ हो ! रेडियएट कहो, रेडियएट !

पिक्रैफ्ट उनकी ओर विस्मय के साथ देखता रहा।

आखिर उस मोटर के आविष्कारक ने तनिक हँसकर कहा—"मेरा खयाल है, कि ये लोग रेडियम कहना चाहते हैं। मैं अभी अभी इन्हें समझा रहा था कि मैंने एक ऐसे मोटर-एंजिन का आविष्कार किया है, जो पेट्रोल और रेडियम से चल सकता है। सूर्य किरणों के कारण रेडियम बहुत ही तेजी के साथ सिकुड़ता और फैलता है।"

इतना कहकर और निश्वास फेंककर आविष्कारक ने आगे कहा—"लेकिन केवल बातों से क्या हो सकता है ? सिर्फ एक एंजिन तैयार करने के लिए कुछ नहीं तो एक लाख पौण्ड की आवश्यकता है।"

पिक्रैफ्ट ने दाढ़ी पर हाथ फेरा।

बातचीत

हेल्गा ने ताली बजाकर कहा—"अवश्य ही ! मेरा खयाल है कि यह कोई लखपती है।"

जेक्से ने कहा—"लखपती न हो, तो जो कहो हारूँ !"

कहानी

पिक्रैफ्ट दाढ़ी पर हाथ फेरते-फेरते बड़बड़ाया—"एक लाख की बात है।"

एक क्षण विचार करके वह बोला—"अच्छा भाइयो, मेरे पास कुछ अधिक डॉलर्स हैं, वे नाहक बैंक में सड़ रहे हैं। मुझे बालकों से प्रेम है। और, मैं आपको कुछ उपयोगी • "

बातचीत

डेरिक ने सीटी बजाई—"स् स् स् "

गिल्बर्ट ने फड़ककर कहा—"बेवकूफ डेरिक! यह तो केवल कहानी है! निरर्थक कहानी! ऊँह ऐसा लखपती भी क्या, कि लोगों को पहले से जाने पहचाने बिना ही इतनी मदद करने को दौड़ पड़े?"

हेल्गा बोली—" नहीं, नहीं, लखपती है तो भला आदमी।"

जेफ़ ने रोषपूर्वक कहा—"ये मूर्ख लोग हर बार इस तरह कहानी बिगाड़ा करते हों, तो इन्हें कहानी से अलग कर दो! सिर्फ़ मुझे, डेरिक और डोनल्ड को रहने दो।"

गिल्बर्ट बोली—"वाह, बड़े होशियार हैं आप! नोल, आगे कहो।"

कहानी

ऊपर की बातचीत का नतीजा यह हुआ कि दूसरे दिन सवेरे उस आविष्कारक के कारखाने में मि० पिक्रैफ्ट आया। जब उसने मोटरकार देखी तो वह आश्चर्य से लगभग मूच्छित-सा

होगया। वास्तव में वह कार अद्भुत थी। यह काँच की थी। ऐसे मोटे काँच की कि बन्दूक की गोली भी आरपार न जा सकती थी। कार में तीन खण्ड थे—रसोईघर, सोने का कमरा और ड्राइवर की बैठक। खाटें ऐसी बनाई थीं कि समेट लेने पर दीवार का काम देतीं; इससे सोने का कमरा दिन में दीवानखाना बन सकता था।

पिक्रैफ्ट ने कहा—"कैसे अजब पहिये हैं!"

नील बोला—"जी, यह भी एक नया ही आविष्कार है। इस आविष्कार के पीछे मैंने बरसों बिता दिये हैं, कि फौलाद भी रबर की तरह लचीला—निबर को मोड़ें मुड़नेवाला—बनाया जा सकता है। ये मामूली रबर के टायर के समान ही हैं। इनमें हवा भी उसी तरह भरी जा सकती है। लेकिन, इनमें पञ्चर कभी होगा ही नहीं। अलबत्ता खराब रास्ते में इन्हें निकाल लेंगे और इनके बदल कैटरपिलर के पहिये चढ़ा देंगे। ये पहिये कार के नीचे रक्खे गये हैं।

बातचीत

डेरिक ने जेफ़्री के कान में कहा—"इसमे अगर मशीनगन न हो, तो एक लाख पौण्ड हारूँ!"

कहानी

पिक्रैफ्ट ने पूछा—"वायरलेस के बम खम्भे के पास वह क्या चीज़ है?"

आविष्कारक ने कहा—"वह तो मशीनगन है। आप देखिये,

कार में तीन मशीनगनें हैं, एक उस जगह, दूसरी ड्राइवर के पास, और तीसरी रसोईघर के पीछे।"

पिक्रैफ्ट हाँकनेवाले की जगह पर गया और पूछा—"यह चक्का कैसे चलाया जाता है?"

नील बोला—"बिलकुल सरल तरीक़ा है। थोड़ा विचार करें, तो सब चल सकता है। आप इस हैंडल को पकड़िये, बस, बाकी सब काम दिमाग अपने आप कर लेगा। मान लीजिये कि आप सामने से मोटर को आते देख रहे हैं। खुद ब-खुद आप अपने से कहते हैं—मुझे मोटर बाईं ओर ले जानी चाहिये। विचार आने के साथ ही वह हाथ में क्रिया पैदा करता है और चक्के को चलाने लगता है। इस प्रकार चक्का अपने आप चलता है।"

पिक्रैफ्ट ने कहा—"अजीब बात है! गजब का आविष्कार है! यह बटन किस लिए है?"

पिक्रैफ्ट बटन को हाथ लगाने ही वाला था, कि छलाँग मारकर नील आगे बढ़ा और उसका हाथ पकड़ लिया—"ईश्वर के लिए, बटन को हाथ न लगाइये। यह बिजली के तारों का बटन है। बटन घूमने से फ़ौरन ही काँच के आसपास जो बल्ब हैं, उनमें बिजली पैदा हो जाती है।"

पिक्रैफ्ट पीछे हटा।

डेरिक हँसा। वह बोला—"इसमें अभी डरने की कोई बात नहीं है। बिजली पैदा करने के लिए एंजिन में अभी रेडियम कहाँ है?"

सब हँस पड़े।

हँसकर पिक्रैफ्ट ने कहा—"ठीक है ठीक। मेरा खयाल है कि कल सबेरा होने से पहले यह बटन खतरनाक बन जायगा। आज दोपहर को रेडियम आ जायगा।"

बातचीत

मैंने कहा—"भोजन की घण्टी बज चुकी। ये साहसी किस तरह यात्रा के लिए रवाना हुए, सो कल कहूँगा।"

गिल्बर्ट बोली—"मैं चाहती हूँ कि आप हमारे साथ न आयें।"

डेरिक और जेफ़ गिल्बर्ट से सहमत थे। लेकिन, डोनल्ड और हेलगा की राय नील को साथ ले चलने की थी।

हेलगा बोली—"कहीं रास्ते में जङ्गली लोग मिल गये तो?"

डोनल्ड ने कहा—"और नील ने तो मोटर का आविष्कार किया है न? हमें मोटर चलाने नहीं आई, तो? नील, आप तो साथ ही चलिये।"

मैंने पूछा—"पिक्रैफ्ट को लोगे क्या?"

जेफ़ सोचने लगा। उसने कहा—"सच पूछा जाय तो हमें उसकी जरूरत नहीं। लेकिन वह आना चाहे, और हम साथ न ले चलें, तो बुरा मालूम पड़ेगा। उसने धन से हमारी मदद की है।"

मैंने ज़ोर देकर पूछा—"और कार का आविष्कार किसने किया है?"

गिल्बर्ट ने निश्चयपूर्वक कहा—"आपको न आना होगा, न पिक्रैफ्ट को ही।"

मैंने कहा—"हाँ, अभी कहानी का कुछ हिस्सा कहना बाकी है, सुनो।"

कहानी

रेडियम चार बजे आ पहुँचा और शाम को छ: बजे एञ्जिन तैयार होगया। इसके बाद एक भयकर घटना होगई। नील चक्के को ठीक कर रहा था, कि इतने में गलती से गिल्बर्ट का हाथ बिजली के बटन से छू गया। एक दर्दभरी चीख सुनाई पडी और गिल्बर्ट बिजली के तार पर मुर्दा-सी गिर पडी। बेचारी गिल्बर्ट!

हेल्गा बोल उठी—"वाह वाह!"

डोनल्ड चिढाता हुआ बोला—"ले, तू नील और पिक्रैफ्ट को साथ ले चलने से मना करती है, तो ले नतीजा!"

गिल्बर्ट ने लापरवाही के साथ कहा—"यहाँ किसे परवा है? ईर्ष्या के मारे वह जला जाता है। नील कहता है, यह स्वतन्त्र शाला है, लेकिन जब हम उसकी पसन्द का काम नहीं करते, हमें मार डालता है।"

जेफ्रे बोला—"गिल्बर्ट चुप! तू तो अब गई!"

गिल्बर्ट ने मुँह चिढ़ाकर प्रत्युत्तर दिया—"तो तू सात बार गया!"

प्रकरण—२

शनिवार को सवेरे यात्रा शुरू होने वाली थी। उस दिन गुरुवार था। खाना खाने से पहले बहुत-सी तैयारी करनी थी। खाने पीने का सामान खरीदना था। ठहरा यह था कि यात्रा के पहले हरएक यात्री को अपनी आवश्यकता की चीजों की एक सूची बनाकर देनी चाहिये।

पहली यात्रा अफ्रिका की थी। नील को नीचे लिखी सूचियाँ मिली थीं—

डेरिक की सूची—हरएक आदमी के लिए दो कारतूसवाला रिवाल्वर, हाथी को मारने की तीन राइफलें, आठ बन्दूकें, हर-एक के लिए २००० कारतूस की पट्टियाँ, छ संगीनदार फौजी बन्दूकें और तीन गार्म लेड की बोतलें।

जेफ्रे की सूची—दो अधिक मशीनगन्स, रिवाल्वर, राइफल, मछली पकड़ने की सलाखें, कम्पास, टेलिस्कोप, पेन्सिल, क़ागज, नक़शे।

डोनल्ड की सूची—चाकलेट, मिठाई, बन्दूकें, नील का ग्रामोफोन, स्कूटर और आइसक्रीम।

हेल्गा की सूची—मेरी गुड़ियाएँ, सीने का सामान, कपड़ा, बूटों की मरम्मत के लिए चमड़ा, सुन्दर सुन्दर कहानियों की किताबें।

गिल्बर्ट की सूची—एक बड़ी छुरी और

बातचीत

गिल्बर्ट बोली—"अरे, मैं तो मर चुकी हूँ। मैं सूची कैसे भेजने लगी ?"

कुछ विचार करते हुए मैं सिर खुजलाने लगा।

डोनल्ड बोला—"इसे जिलाओ।"

मैंने धीमे से कहा—"वास्तव में गिल्बर्ट मरी नहीं थी। सौभाग्य से बिजली का प्रवाह इतना तेज न था, लेकिन वह लगभग मृतवत् तो हो ही गई थी।"

गिल्बर्ट ने दाँत निकाले और मैंने अपनी कहानी आगे चलाई।

कहानी

गिल्बर्ट की सूची—"एक बड़ी छुरी और दवाई की पेटी, असंख्य बम, नील के लिए थोड़ी बीअर   नहीं, नहीं, वह तो आवेगा ही नहीं। अच्छा हुआ।"

यह तय पाया कि पिकेट्ट और नील सब यात्रियों की इच्छा को ध्यान में रखकर एक नई सूची बना डालें। आखीरी सूची इस प्रकार बनी थी—

हरएक यात्री के लिए दो आटोमैटिक पिस्तौलें, एक फौजी राइफल, दो शिकारी बन्दूकें, एक खंजर, एक तलवार, एक जेबी छुरी, एक कैंची, एक जोड़ी अधिक बूट, एक जोड़ी कपड़े, सारी मण्डली के लिए कम्पास, तीन टेलिस्कोप, दो-दो बायनोक्यूलर्स, तरह-तरह के कपड़े सीने के सामान, एक छोटी सी सीने की

मशीन, तरह-तरह के हथियार, तैयार खुराक से भरे हुए डब्बे, राँधने के बरतन, पाकशास्त्र सम्बन्धी पुस्तकें, जंगली जानवरों और जहरीले साँपों के वर्णनवाली पुस्तकें, अफ्रिका के नक्शे, ग्रामोफोन, बिगुल।

ठीक रवाना होते समय क्लिफर्ड एक बड़ी-सी गठरी लेकर आ पहुँचा।

उसने कहा—मैंने अफ्रिकन भाषाओं का एक-एक शब्द-कोश खरीद लिया है।" उसने डेरिक को गठरी सौंपते हुए कहा—"तू भाषा का अच्छा जानकार है।"

इससे झगड़ा पैदा होगया। गिलबर्ट चिढ़ गई। वह बोली—"मैं फ्रेंच, इटालियन, अंग्रेजी और जर्मन जानती हूँ। डेरिक तो सिर्फ अंग्रेजी और जर्मन जानता है। उसकी अपेक्षा मैं होशियार हूँ।"

दोनों एक दूसरे को देखकर घूरने लगे, आखिर क्लिफर्ड ने कहा—"भाषा बोलने में तुम दोनों की कुशलता अद्भुत है। तुम दोनों के हाथ में अनेक भाषाएं सौंपना जोखम का काम है, इसलिए पुस्तकें जनरल पुस्तकालय में रक्खी जायेंगी।"

आश्चर्य की बात है कि गिलबर्ट और डेरिक दोनों इस प्रस्ताव से खूब खुश हुए। दोनों एक दूसरे को यह कहकर चिढ़ाने लगे, कि—"ले, लेता जा! ले, लेती जा!"

जून महीने का सुहावना प्रात काल था। ठीक दस बजकर ७ मिनट पर मोटरकार मोटरखाने से बाहर निकल आई।

नील चक्के के पास था। उसके पास पिक्रैफ्ट बैठा। नील को बड़ी अड़चन रही, क्योंकि पिक्रैफ्ट बहुत ही मोटा आदमी था। जब वह नाटकघर में जाता तो हमेशा दो सीटें रिज़र्व कराता। एक बार उसने टेलीफोन से 'हिपोड्रोम थियेटर' में दो सीटें रिज़र्व कराई। शाम को जब वह वहाँ गया तो उसे मालूम हुआ कि सभ्य लोगों की पाँचवीं क़तार में न० १२ और न० २४ की जगहें उसके लिए रोक रक्खी गई थीं!

कुछ ही देर में वे पोर्टस्मथ के रास्ते पर सरपट दौड़े जा रहे थे।

बातचीत

डेरिक बोला—"कार और भी अधिक तेज़ी से न जा सके, तो जो कहो हारूँ!"

कहानी

जैसे ही वे लम्बे, सीधे और समतल रास्ते पर पहुँचे कि पिक्रैफ्ट ने कहा—"जाने दो बराबर!"

नील ने 'एक्सलरेटर' को हाथ लगाया। 'स्पीडोमीटर' देखकर जेफ़े चिल्ला उठा—"एक घण्टे में तीन सौ पचास मील!"

पिक्रैफ्ट तो मारे डर के प्राय बेहोश हो गया! हेल्गा चीख उठी। हरएक एक दूसरे को पकड़ रखने लगा। हाँकनेवाला हँसा और रफ़्तार धीमी करके फ़ी घण्टा पैंतीस मील पर चलाने लगा।

पिक्रैफ्ट हाँफते हाँफते बोला—"यह तो अजीब मोटर है!

मुझे बहुत खुशी है, कि इसमें पोर्टस्मथ से आगे नहीं जाना है।

पहले ही से इस बात का बन्दोबस्त कर लिया गया था, कि पोर्टस्मथ में उनकी स्टीम-बोट हाजिर रहे। ग्यारह बजकर मिनट पर मोटरकार बोट पर पहुँच गई और दसवें मिनट पर तो महली समुद्र-यात्रा करने लगी।

मोरक्को तक की यात्रा के सम्बन्ध मे कुछ भी कहने की आवश्यकता नही। इस यात्रा में कोई खास घटना नहीं हुई। कोई खास जानने योग्य बात भी न थी। अलबत्ता डोनल्ड ने पो शार्क (मछली) और एक ह्वेल देखी थी।

हेल्गा ने ब्राजिल का किनारा बताया। जेफ्रे न टेलिस्कोप की सहायता से नीचे देखा तो निस्के की खाडी के गर्भ में सोने से भरा हुआ एक जहाज देखा। डेरिक ने अपने साथियों से कहा कि इस वक्त हम भूमध्य रेखा के ऊपर से गुजर रहे हैं।

बातचीत

जोर से डेरिक ने कहा—"यह तो गिल्बर्ट ने कहा था, कि मैं बहुत भूगोल जानती हूँ। कहानी में ऐसी गप्पे लडायी जाती है तो मैं कहानी में नहीं रहा चाहता। मैं यह चला !"

कहानी

लेकिन, इसमें बडी गप्प तो यह थी कि नील ने जमीन का कोई किनारा बताया और कहा कि यह तुर्किस्तान का किनारा है। सच बात तो यह थी कि केवल विक्रैफ्ट ही थोडी भूगोल जानता था।

काम ही न चलेगा।"

मैंने कहा—"रेगिस्तान में पहुँचने तक सब्र करो। फिर कहोगी कि मैं साथ में होता, तो अच्छा था।"

गिल्बर्ट तिरस्कार के साथ हँसकर बोली—"आपसे में होशियार हूँ। हमें आपकी मदद की बिलकुल जरूरत नहीं। डेरिक, देख तो, महाशयजी समझते हैं कि इन्हीं को सब आता है।"

जेफ़ ने कहा—"अरे गिल्बर्ट, मैं जानता हूँ कि यह बुद्धू हैं। लेकिन कुछ ही क्यों न हो, मोटर-गाडी का आविष्कार तो इन्हीं ने किया है न?"

मैंने अपना पाइप सुलगा लिया।

मैंने कहा—"मुझे भय है कि कहीं ऐसा न हो, गिल्बर्ट अफ्रिका से वापस ही न लौटे।"

डोनल्ड ने कहा—"वह बडी सयानी है।"

मैं बोला—"डोनल्ड, यह तो मैं अफ्रिका के कैनीबाल्स, साँप, और 'स्लीपिङ्ग सिकनेस' का विचार कर रहा था। लेकिन अब कहानी ही आगे कहूँ।

कहानी

मोरक्को रमणीक प्रदेश था। प्रचण्ड सूर्य झुलसी हुई जमीन पर तप रहा था। टैञ्जियर से फेज तक के सँकरे रास्ते पर से गुजरते हुए उन्होंने वहाँ के निवासियों के पहने हुए सुन्दर, भाँत-भाँति के लाल पीले और जामुनी रंग के कपडों की खूब

प्रशंसा की। आगे जाते हुए वे लम्बे बालोंवाले बन्दरों की टोली के पास से, जुते हुए बैलोंवाली वज़नदार गाडियों के पास से और शहर की ओर छुहारे ले जानेवाले देहातियों की भीड के पास से होकर गुज़रे। रास्ता सँकरा और ऊबड खाबड था, इसलिए हाँकने का काम गिल्बर्ट के बदले डेरिक कर रहा था। गरमी असह्य थी।

डोनल्ड चीख उठा—"पानी, पानी।" दूसरे भी चिल्ला उठे—"पानी, पानी।" डेरिक ने मोटर खड़ी की और सब पानी का विचार करने लगे।

गिल्बर्ट ने कहा—"नील कैसा मूर्ख है! यह देश दुनिया का सब से गरम देश है, फिर भी गधा पानी का इन्तज़ाम करना बिलकुल भूल गया है।"

डेरिक ने सुझाया—"चलो, हम उसे वायरलेस करें।"

गिल्बर्ट कूदकर वायरलेस के यत्र के पास गई। दो मिनट में नील के साथ बातचीत शुरू हुई।

गिल्बर्ट ने वायरलेस में कहा—"गधे, हमें पानी की ज़रूरत है।"

"तू पानी तो रोज ही माँगा करती है। मैंने तुझे कई बार सिखाया, लेकिन तू कभी सीखी ही नहीं, कि पानी धोने के लिए है।"

गिल्बर्ट ने कहा—"अरे, पीने का पानी चाहिए।"

"हाँ रे! मैं सोचता हूँ कि तू शायद भूल से अमेरिका तो

काम ही न चलेगा।"

मैंने कहा—"रेगिस्तान में पहुँचने तक सब्र करो। फिर कहोगी कि मैं साथ में होता, तो अच्छा था।"

गिल्बर्ट तिरस्कार के साथ हँसकर बोली—"आपसे मैं होशियार हूँ। हमें आपकी मदद की बिलकुल जरूरत नहीं। डेरिक, देख तो, महाशयजी समझते हैं कि इन्हीं को सब आता है।"

जेफ़े ने कहा—"अरे गिल्बर्ट, मैं जानता हूँ कि यह बुद्धू है। लेकिन कुछ ही क्यों न हो, मोटर गाडी का आविष्कार तो इन्हीं ने किया है न?"

मैंने अपना पाइप सुलगा लिया।

मैंने कहा—"मुझे भय है कि कहीं ऐसा न हो, गिल्बर्ट अफ्रिका से वापस ही न लौटे!"

डोनल्ड ने कहा—"वह बडी सयानी है!"

मैं बोला—"डोनल्ड, यह तो मैं अफ्रिका के कैनीबाल्स, साँप, और 'स्लीपिङ्ग सिकनेस' का विचार कर रहा था। लेकिन अब कहानी ही आगे कहे।

कहानी

मोरक्को रमणीक प्रदेश था। प्रचण्ड सूर्य झुलसी हुई जमीन पर तप रहा था। ट्रैञ्जियर से फेज तक के सँकरे रास्ते पर से गुजरते हुए उन्होंने वहाँ के निवासियों के पहने हुए सुन्दर, भाँति-भाँति के लाल पीले और जामुनी रंग के कपडो की खूब

प्रशंसा की। आगे जाते हुए वे लम्बे बालोंवाले बन्दरों की टोली के पास से, जुते हुए बैलोंवाली वजनदार गाड़ियों के पास से और शहर की ओर छुहारे ले जानेवाले देहातियों की भीड़ के पास से होकर गुजरे। रास्ता सँकरा और ऊबड़-खाबड़ था, इसलिए हाँकने का काम गिल्बर्ट के बदले डेरिक कर रहा था। गरमी असह्य थी।

डोनल्ड चीख उठा—"पानी, पानी।" दूसरे भी चिल्ला उठे—"पानी, पानी।" डेरिक ने मोटर खड़ी की और सब पानी का विचार करने लगे।

गिल्बर्ट ने कहा—"नील कैसा मूर्ख है! यह देश दुनिया का सब से गरम देश है, फिर भी गधा पानी का इन्तजाम करना बिलकुल भूल गया है।"

डेरिक ने सुझाया—"चलो, हम उसे वायरलेस करें।"

गिल्बर्ट कूदकर वायरलेस के यन्त्र के पास गई। दो मिनट में नील के साथ बातचीत शुरू हुई।

गिल्बर्ट ने वायरलेस में कहा—"गधे, हमें पानी की जरूरत है।"

"तू पानी तो रोज ही माँगा करती है। मैंने तुझे कई बार सिखाया, लेकिन तू कभी सीखी ही नहीं, कि पानी धोने के लिए है।"

गिल्बर्ट ने कहा—"अरे, पीने का पानी चाहिए।"

"हाँ रे! मैं सोचता हूँ कि तू शायद भूल से अमेरिका तो

सिंह बिना हिले-डुले पड़ा रहा।

एकाएक झाड़ी के पीछे से एक आदमी दिखाई पड़ा। वह गुस्सा हो रहा था, उसने कार के सामने एक मोटी सी लकड़ी तानी। यह मालूम होता था कि वह गालियाँ दे रहा है, लेकिन वह क्या कहता था, कुछ समझा नहीं जा सका।

हेल्गा ने कहा—"गिलबर्ट, पूछ तो सही, कि यह फ्रेंच भाषा जानता है?"

गिल्बर्ट ने उससे पूछा।

सचमुच ही वह फ्रेंच जानता था। बिना रुके वह दस मिनट तक बोलता रहा फिर गिलबर्ट ने उसका उल्था किया। उसकी शिकायत यह थी कि—"तुम सब परदेशी मेरे गधे को मारकर क्या समझ रहे हो? उसका कहना था कि उन्हें नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। गिलबर्ट ने आपत्ति करते हुए कहा—"गधा अभी जिन्दा है, उसे कोई चोट नहीं पहुँची है।" लेकिन इससे तो मालिक ने अपना और भी अपमान समझा। उसने कार पर ईंट का वार किया। हेल्गा ने चाहा कि बिजली का बटन दबा दे। जेफ्रे ने सोचा कि मशीनगन से इसका काम तमाम कर दिया जाय। धीरे-धीरे लोगों की भीड़ इकट्ठी होने लगी। डेरिक हाँकने के चक्के के पास जा बैठा और कार आगे चली।

इसके बाद फेज के रास्ते में कोई खास घटना नहीं हुई। वहाँ पहुँचने से पहले रात हो गई थी। लेकिन उन्होंने सर्च लाइट का

ठन दबाया और रास्ते पर दिन की-सी रोशनी हो गई।

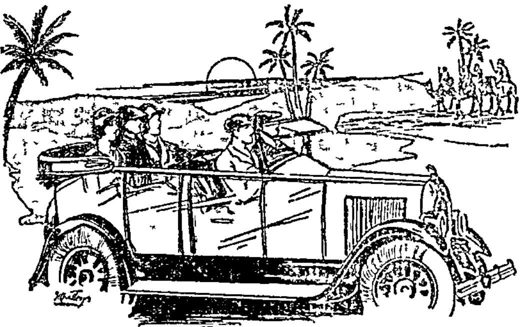
फ्रेंच सुधरे हुए ढग का शहर था। मोटरें और होटल बहुतेरे थे।

वे सारी रात मोटर में पडे रहे और सुबह शहर की तंग गलियों में घूमने निकले। उन्होंने बहुत सी खूबसूरत चीजें खरीदीं। थैलों जैसी चमडे की चीजें और डायरियाँ खरीदीं। डोनल्ड ने लगभग दस शिलिंग के फल खरीदे। 'एप्रीकोटस,' छुहारे, नींबू और अनीर की सडनेवाली बू से कार महक उठी।

सभ्यता के इस गढ से निकल भागने को हरएक यात्री अधीर हो रहा था। दोपहर को वे रवाना हुए। त्रिपोली के रास्ते उन्होंने कायरो जाना तय किया था। लेकिन डेरिक ने कहा—"दक्षिण की ओर चाँड-सरोवर के रास्ते जायें तो ठीक। इस रास्ते में टोरेग्स रहते हैं—सहारा के जंगली आदमी, उत्तम योद्धा।" दूसरों को भी यह योजना पसन्द आई। उनकी शर्त केवल इतनी थी कि कोई कार से नीचे न उतरे।

वे धधकते हुए रेगिस्तान के ईशान कोण की तरफ रवाना हुए। सड़क नहीं थी, इसलिए उन्हें कैटरपिलर के पहिये चढ़ाने पड़े थे। उनके सामने रेत, रेत और रेत के सिवा कुछ भी न था। गर्मी असह्य थी। हेल्गा यंत्र के पास बैठी-बैठी सारा समय बर्फ ही बनाया करती थी।

एकाएक गिल्बर्ट क्षितिज पर दिखाई पड़नेवाले धूल के बादल की तरफ इशारा करके चिल्ला उठी—"काफ़िला!"



थोड़ी ही देर में उनकी ओर धीरे धीरे आनेवाली ऊँटों की एक कतार दिखाई पड़ी।

थोडी ही देर में उनकी ओर धीरे-धीरे आनेवाली ऊँटों की एक कतार दिखाई पडी।

डेरिक, जेफ्रे और डोनल्ड मशीनगन सँभालने लगे। गिल्बर्ट बिजली का बटन दबाने को तैयार होगई। हेल्गा बम की पेटी के पास गई।

जेफ्रे ने कहा—"देखो, जब मैं 'चलाओ' कहूँ, तब सब के-सब वार शुरू कर देना।"

डेरिक ने कहा—"लेकिन अगर वे भले अरब हुए तो?"

गिल्बर्ट ने कहा—"अगर नील होता, तो हमे बता सकता।"

बातचीत

गिल्बर्ट बोली—"वाह, देख तो, क्या बकता है? समझता है, मुझे इसकी गरज पडी है! तू मुझसे ज्यादा अरबों के बारे में क्या जानता है? हमने तुझे साथ न लिया, इसी से तू जलता है, क्यों?"

हेल्गा ने पूछा—"क्या वे सचमुच जंगली अरब थे?"

डेरिक ने कहा—"अगर वे छिपे हुए लुटेरे न हों, तो जो कहो, हार जाऊँ। मैंने इनके बारे में पढा है। ये लोग मित्र होने का ढोंग करते हैं, और जब आप-हम बेखबर होते हैं, हम पर छुरी चलाते हैं, और धन माल छीन लेते हैं।"

हेल्गा ने कहा—"कुछ ही क्यों न हो, हम तो कार में बैठे रहेंगे।"

कर लेने का इरादा किया। उसने कहा—"हम ऊँट को आसानी से रसोई-घर मे रखकर ले जायँगे, सिर्फ उसके पैर दरवाजे के बाहर रहेंगे।" दूसरों ने ऐसा करने से इनकार किया और डोनल्ड को रुकना पडा।

अरबों को आखीरी सलाम करते वक्त डेरिक ने गिल्बर्ट स पूछा—"टोरेग्स कहाँ होंगे ?"

शेख ने कहा—"अजी, मैं आपको चेताये देता हूँ, कि इस रास्ते में होशियार रहियेगा। यहाँ से ठीक एक दिन के रास्ते पर वे लोग हैं। अगर आप सफेद घोडो पर बैठे हुए लोगों को देखें, तो जान लेकर भागियेगा।"

डेरिक ने मुस्कराते हुए कहा—"एहसानमन्द हैं।" और वे चल पडे।

एक घण्टा चले होंगे कि एकाएक अँधेरा हो गया।

डेरिक ने कहा—"मैं सोचता हूँ, यह अन्धड का आरम्भ है।"

कुछ देर मे तो हवा कार के चारो तरफ सन्नाटे लेने लगी।

डोनल्ड चिल्ला उठा—"अरे हाँ, यह तो रेतीला तूफान है।"

यही बात थी। गाडी जरा भी आगे नहीं बढी। बडी सनसनाहट के साथ रेत कार के दोनों तरफ उड रही थी। थोडी देर मे कार आधी रेत मे गड गई। हेल्गा ने कहा—"बिजली का बटन दबाओ।"

लेकिन वे इतने ज्यादा डर गये थे, कि उनमे से कोई हँस न सका।

कुछ देर बाद गिल्बर्ट ने कहा—"अब हवा का जोरा कुछ ठण्ढा हुआ है।"

डेरिक ने कहा—"नहीं, हम बिलकुल गड गये हैं, और इसी लिए ठीक ठीक सुन नहीं सकते।"

लेकिन, उस रात किसी को नींद नहीं आई। सबेरा हुआ। घडी की मदद से उन्होंने जाना कि सबेरा है, वैसे तो चारों ओर अँधेरा ही था।

जेफ़ ने कहा—"शायद हम क़रीब एक मील गहरे गड गये होंगे।" बिजली की रोशनी में उसका चेहरा फीका दिखाई पडता था।

डेरिक ने कहा—"हमें सब खोदकर बाहर निकलना होगा।"

उस समय उन्हें याद आया, कि गाडी में फावडे नहीं हैं। गिल्बर्ट को मूर्ख आविष्कारक पर बडा गुस्सा आया।

वह बाली—"मूर्ख को रेतीले तूफान का तो विचार करना था।"

हेल्गा ने कहा—"प्यालों से और दूसरे बरतनों से काम चलावें।"

बस, सब काम पर जुट गये। दरवाज़े साफ करने में ही दो घण्टे बीत गये और आसमान के तारों को वे लोग देख सकें, इसके पेश्तर तो रात हो आयी। बडी रात तक सब ने काम किया और फिर सबेरे तक खर्राटे की नींद सोये।

गिल्बर्ट ने नील के सम्बन्ध की अपनी राय नील को बताने

का विचार किया। उसने वायरलेस किया। नील लन्दन मे था। उनकी बातचीत शुरू हुई।

"ऐ बेवकूफ! इसमे फावडे वावडे क्यों नही रक्खे?"

"यह क्या पूछती हे? पागल हो गई है? क्या मैंने सहारा में तुम्हे नहर खोदने भेजा है? शायद तुम नन्हें नन्हें बालकों का तरह उसे समुद्रतट समझकर रेत से खेलना चाहते होगे। अच्छा है, खेलो। दुबारा जाओगे, तब मैं तुम्हे बालटियाँ, लकडी के फावडे, गुडियाएँ, बँगले वगैरह दूँगा। अभी गडबड न करो। बस करो।"

उन्होंने रेगिस्तान में मोटर आगे बढाई।

डेरिक ने कहा—"अरे वह धूल का बादल दिखता है! काफिला होगा या फिर टोरेग्स होगे।"

सचमुच काफिला था।

नजदीक आने पर उन्हे मालूम हुआ कि काफिले में सौ ऊँट थे, फिर भी साथ मे सिर्फ छ आदमी थे। ऊँटों पर किसी तरह का बोझ न लदा था। डेरिक ने कार खडी रक्खी और उनसे पूछा। उन्होंने सिर हिलाया। मालूम हुआ, वे अँगरेजी नहीं जानते थे। डेरिक ने जर्मन मे समझाया, गिल्बर्ट ने फ्रेंच में, लेकिन उन्होंने फिर भी सिर हिलाया। इसके बाद गिलबर्ट इटालियन में बोली और छ में से एक आदमी आगे बढा। वह टूटी-फूटी इटालियन बोल लेता था।

उसने एक दर्द भरा क़िस्सा सुनाया—"फेज से हम सो लोगों

ा काफ़िला रवाना हुआ था। उस पिछले 'ओसिस' के नजदीक रिग्सो ने हम पर हमला किया। उन्होंने मन को काट डाला और माल लूट लिया। सिर्फ हम छ: जने बचे हैं।" वह और भी कहने लगा—"लुटेरे का नाम रफ़िया था। वह सहारा का एक भयकर आदमी है।" बेचारा रोने लगा—"मेरे इकलौते लड़के को वह उठा ले गया है। हाय, हाय! वह दुष्ट या तो उसे काट डालेगा, या गुलाम बनाकर बेच डालेगा, ऐ मेरे प्यारे अजीज़!"

डेरिक ने शान्त भाव से कहा—"हम तुम्हारे बेटे का बदला लेंगे।"

गिल्बर्ट ने उल्था किया—"चलो, हमारे साथ कार में बैठो, हमें रफ़िया के पास ले चलो। फिर देखते हैं, क्या होता है।"

अरब ने बड़ी खुशी के साथ क़बूल किया। उन्होंने उसे कार में बैठाया और जिस दिशा की तरफ रफ़िया गया था, उसी ओर चले। डेरिक ने कार सरपट छोड़ दी। लेकिन, पहिये कैटर पिलर के थे, इसलिए स्पीड सिर्फ़ फी घण्टा ६४ मील की ही रही। आधे घण्टे बाद देखने की बुर्ज पर से जेफ़ ने पुकार कर कहा—"ये दुश्मन दिखाई पड़ते हैं।"

टोरेग्स मरुद्वीप में—ओसिस में—डेरा डाले पड़े थे। जैसे ही उन्होंने कार को नज़दीक आते देखा, सब फौरन ही बन्दूकें लेकर खीमों से निकल पड़े, और लड़ने के ढंग से क़तार में रुककर खड़े हो गये। एक साथ बीस गोलियाँ मोटर के काँच

पर दगीं, लेकिन काँच बुलेटप्रूफ था, टूटा नहीं।

इन लोगों ने अरब के हाथ बोलने की नली दी, जिसमे उसने कार में बैठे-बैठे अपनी भाषा मे कहा—"हम रफ़िया के साथ बातचीत करना चाहते हैं।"

टोरेग्सों ने सलाह की। फिर एक क़द्दावर आदमी आगे बढ़ा। वह बडी डरावनी सूरत का था। बालक तो उसे देखकर पीले पड गये। उसने जर्मन में पूछा—"तुम कौन हो और क्या चाहते हो?" उसकी आवाज खुरखुरी और भारी थी।

डेरिक ने कहा—"तुमने काफिला लूटा है। इसलिए काफ़िले का जो माल तुमने लूट लिया है वह, और जिन आदमियों को क़ैद कर रक्खा है उन सब को लौटा दो।"

रफ़िया तिरस्कार क साथ हँसा। उसने अरबी में अपने साथियों से कुछ कहा। वे आगे बढ़े और कार पकड ली।

गिल्बर्ट ने बिजली के बटन पर हाथ रक्खा, लेकिन डेरिक ने कहा—"एक बार इसे हमें इसके कैम्प में तो चलने दो।"

अरब लोग कार को अपने डेरे की तरफ ढकेल ले चले।

डेरिक ने कहा—"अब लगाने दे।" उसने बटन घुमाया और कार को ढकेलनेवाले सोलहों आदमी शान्त भाव से तनकर खडे रह गये।

रफिया चिल्लाया और उनकी ओर चाबुक लेकर झपटा—"चलाओ!" लेकिन, वे लोग आगे नहीं बढे।

डेरिक ने बिजली का प्रवाह बन्द किया और सोलह लाशें

धीमे से रेत में लुढ़क पड़ीं।

डेरिक गरज उठा—"नापाक कुत्ते, तूने जो माल चुराया है, वह सब लौटाता है या नहीं ?" रफिया अपने मरे हुए सोलह साथियों की ओर देख रहा था।

उदास भाव से उसने कहा—"मैं हारा। तुम्हारे हथियार हमसे अच्छे हैं। कैदी और लूट का माल मैं लौटा दूँगा, लेकिन याद रखना, रफिया आज तक कभी हारा नहीं है। उसका गुस्सा कभी ठण्ढा नहीं होता। वह मौके की ताक में रहता है। याद रखना गोरे छोकरो, रफिया बदला लेकर छोड़ेगा।"

उसने अपने आदमियों की ओर देखकर कहा—"क़ैदियों को छोड़ दो, लूट का माल ले आओ।"

आदमियों ने हुक्म की तामील की। इसके बाद रफिया ने इशारा किया। उसके साथी घोड़ों पर सवार होगये और उसके साथ भाग निकले।

हाथ की मुट्ठी बनाकर और जोर से चिल्ला कर उसने कहा—"खैर ! मेरी प्रतिज्ञा है !" इस क़ैदियों में एक उस अरब का लड़का भी था। पिता-पुत्र खूब भेंटे और फफक-फफककर रोये। इसके बाद उन्होंने हेल्गा के पैर चूम लिये।

हेल्गा ने लजाकर कहा—"पागल पन मतकर, पागल !"

अलबत्ता, दूसरों को यह पसन्द न पड़ा। डेरिक और गिल्बर्ट ने ख्याल किया कि बचाने वाले तो हम थे। फिर उन्होंने हेल्गा के पैर क्यों चूमे ?

जेफ्रे ने कहा—"तो तू अपने मोजे तो उतार। हालाँ कि मेरी समझ मे यह नहीं आता, कि पैर चुमवाने में क्या मज़ा है। मुझे तो इसमें मूर्खता मालूम होती है।"

गिल्बर्ट की ओर देखकर डोनल्ड ने कहा—"यह काम गन्दा भी है।"

गिल्बर्ट ने डोनल्ड के मुँह पर मारा और

बाक़ी फिर कभी दूसरे समय।

बातचीत

सकपकाते हुए जेफ्रे ने कहा—"रफिया को क्यों जाने दिया? न जाने कब वह लौट आवेगा। मैं कहता हूँ कि वह ज़रूर आवेगा। हट नील, तू मूर्ख है।"

मैंने कहा—"पगले लड़को, पहले यह तो बताओ, कि कहानी कौन कहता है, तुम या मै? तुम ध्यान न रक्खोगे, तो जब तुम डेजिज फूल लेने जाओगे, तब रफिया तुम्हें सतावेगा।"

जेफ्रे ने कहा—"पर्वा नहीं। यह सच है, उसे जाने देने में तो मूर्खता ही हुई है। वे लोग घोड़ों पर सवार होकर भागे जा रहे थे, उसी वक्त हम उन्हें मशीनगन से ढेर कर सकते थे। तुम मशीनगन का हमें कभी उपयोग ही नहीं करने देना चाहते।"

डेरिक ने कहा—"लेकिन जेफ्रे, यह ठीक हुआ। अब हमें हमेशा चौकन्ना रहना पड़ेगा। हमेशा बिजली का बटन चालू रखकर हमें सोना पड़ेगा। कैसी मजे की बात है?"

गिल्बर्ट बोली—"रहो भी, यह तो कहानी है।"

डेरिक ने कहा—"और तू मूर्ख बेवकूफ है।"

डोनल्ड चिढ़कर बोला—"नील, रफिया से इस गिल्बर्ट को ठगा लो न ? गिल्बर्ट सदा के लिए एक कण्टक है।"

गिल्बर्ट ने कहा—"रहने भी दो, मेरे बगैर तुम्हारा काम ही नहीं चल सकता। मुझे छोड़कर इटालियन और फ्रेंच किसे आती हैं ? बस, हो चुका।"

प्रकरण—३

इन साहसी बालकों ने लौटकर आये हुए क़ैदियों को गाड़ी में बैठा लिया और उनके काफिले की तरफ रवाना होने की तैयारी कर रहे थे, कि इतने मे डोनल्ड ने कहा—"लेकिन रफिया लौटकर आया और तमाम चीजें और दरियाँ उठाकर ले गया, तो ?"

गिल्बर्ट ने कहा—"हम यहाँ चौकीदार रखते जायँ। मैं प्रस्ताव करती हूँ कि जेफ़े और डेरिक माल की हिफाज़त के लिए यहाँ बैठें। हम उन्हे वापस लेने आवेंगे।"

डेरिक और जेफ़े को छोड़कर हरएक को यह प्रस्ताव पसन्द आया। गिल्बर्ट ने कहा—"दरियों के ढेर पर मशीनगन रख लो, फिर डर क्या है ?"

दोनों बहादुर जवानों के चेहरों पर सुर्खी छा गई। डेरिक

ने कहा—"बहुत ठीक। हम सामान की रक्षा करेंगे।"

कार में से मशीनगन निकालकर दरियों की ढेर पर खड़ी की गई। पास ही दो हजार कारतूस रक्खे गये। डेरिक और जेफ्रे ने अरबों को सलाम किया और कार चल पडी।

बातचीत

"अरे डेरिक, हम तो अकेले रह गये! अगर वह आ गया तो?"

"और जेफ्रे! कारतूसों का पट्टा काम न दे, या ऐसी ही कोई गड़बड हो गई, तो?"

दोनों लडके क्षितिज की तरफ देखते हुए बैठे रहे। एकाएक जेफ्रे ने डेरिक का हाथ पकडा। डरकर उसने धीमे से कहा—"धूल!"

डेरिक बोला—"अब समय आ पहुँचा है।"

उसने कारतूस के पट्टों का एक सिरा उठाया। एकदम उसका चेहरा पीला पड गया। मुँह से मारे डर के करुण चीख निकल पडी—"जेफ्रे, मार डाला! हमने झूठे कारतूस लिये हैं। यह पट्टा तो दूसरी मशीनगन का है।"

उस वक्त दोनों एक दूसरे का मुँह ताकने लगे।

इसके बाद उन्होंने टोरेगों के नजदीक आनेवाले सफेद घोडों की तरफ अपनी निगाह दौड़ाई।

हरएक ने पिस्तौल तान ली। दोनो क पास सिर्फ चालीस कारतूस थे।

टोरेग्स अर्धचन्द्राकार में सरपट उनकी तरफ बढ़े आ रहे थे। इन दो बहादुर वीरों ने हाथ से हाथ मिला लिया।

रुँधी हुई आवाज़ से डेरिक ने कहा—"इस काफ़िले से अगर हम बच न सके, तो ......"

काँपते हुए कण्ठ से जेर्क बोला—"शायद गिल्बर्ट ठीक मौक़े पर कार लेकर आ पहुँचे!"

डेरिक ने निराश भाव से कहा—"लेकिन गिल्बर्ट कम्पास नहीं पढ़ सकती।"

डेरिक की बात सच थी। कार अरबों को काफ़िले की ओर नैऋत्य कोण में ले जाने के बदले वायव्य की ओर ले जा रही थी। गिल्बर्ट कम्पास पढ़ न सकी।

इस बीच दोनों लड़कों ने दरियों की दीवार बनाई और यह विचार करते हुए बैठे, कि अब क्या होगा?

जेर्क ने कहा—"हमने कार छोड़कर बड़ी गलती की! कितनी बड़ी मूर्खता!" उसकी आँखों से टप् टप् आँसू गिरने लगे।

रफ़िया स्वयं घोड़े पर आगे बढ़ा। उसने कहा—"अब तुम हमारे क़ैदी हो। शरण आओगे, तो सही सलामत समझो। सामना करोगे, तो याद रक्खो, बुरी तरह मारे जाओगे। शायद तुम मेरे कुछ आदमियों को मार सकोगे, लेकिन दो सौ आदमियों को मारने की ताक़त तुम में नहीं है।"

लड़कों को शक हुआ कि शायद रफ़िया झूठ बोलता है।

हमारे दो बहादुर बालक इतना तो समझ गये कि टोरान लोगों में इस सवाल को लेकर मतभेद हो गया था, कि उन्हे किस तरह सता-सताकर मारा जाय। हाँ, वे लोग क्या कहते थे, समझ मे नहीं आता था, लेकिन एक आदमी दो बड़े जगली घोड़ों की तरफ इशारा कर रहा था। मालूम होता था, वे शरारत पर कमर कस चुके थे, क्योंकि वे रस्सियाँ खीचने लगे थे।

डेरिक ने भय से जेफ्रे के कान में कहा—"तूने 'मशिया' का किस्सा सुना है? वह जङ्गली घोडे की पीठ से बाँधा गया था और बाद मे घोडा छोड दिया गया। उसके बाद उसका कभी पता न चला।"

जेफ्रे ने कुछ आशा से कहा—"अगर हमें घोडे पर बाँध कर छोड़ दें, तो छूटने की कुछ आशा जरूर है।"

लेकिन रफिया के सामने देखते ही उनकी आशा विलीन हो गई।

साफ़ दिखाई पडता था, कि रफ़िया उक्त योजना का विरोधी था। उसने फुर्ती से कुछ हुक्म जारी किये और कुछ मजबूत हाथ इन लडकों को ताड के पेड के झुण्ड की तरफ़ उठाकर ले चले। हरएक लडके को पेड़ के साथ बाँध दिया गया और अन्य लोग सूखे पत्ते और डालियाँ इकट्ठा करने लगे।

डेरिक ने सिसकियाँ लेते हुए कहा—"अरे, ये तो हमें जिन्दा जला डालेंगे।" जेफ्रे तो कुछ बोल ही न सका।

ऊँची ऊँची चिताएँ रची गईं। लड़के उनपर सुला दिये गये। सिर्फ उनके सिर चिता पर दिखाई देते थे। रफ़िया एक ओर था। धिक्कार के साथ उसने कहा—"हा हा, हा, मूर्खो, तुम रफ़िया के साथ लड़ने आये थे, क्यों? सूअरो!"

डेरिक ने प्रत्युत्तर में कहा—"सूअर तू है।"

रफ़िया उसके पास बढ़ आया और जोरों से डेरिक के गाल पर एक चाबुक जमा दी—"ठीक है, चाबुक का यह निशान जिन्दगी भर रहेगा।"

बातचीत

डेरिक ने अपना गाल देखा। उसे पता भी न था कि उसने अपने गाल पर कब हाथ फेरा था।

कहानी

दुष्ट रफ़िया ने हुक्म दिया—"लगाओ आग!"

दो आदमी चिता सुलगाने आगे बढ़े।

काँपती हुई आवाज से जेफ्रे ने कहा—"डेरिक, तू प्रार्थना करना जानता है?"

डेरिक ने ग्लानि पूर्वक कहा—"मुझे तो सिर्फ इतना ही याद है कि 'तू अपने पड़ोसी के बैल या गधे का मोह न कर'।"

जेफ्रे बोला—"चलो, यही सही। हालाँ कि इस समय के लिए यह प्रार्थना समुचित नहीं है। तुम्हारी क्या राय है?"

आग सुलगी। लड़कों के पैर गरमाने लगे। धुँए के मारे उन्हें खाँसी आगई।

डेरिक ने कहा—"धुँए से हम तत्काल ही बेहोश हो जायेंगे। अच्छा तो है, अधिक दुःख देखने से बचेंगे।"

एकाएक उन्होंने अरबों को उत्तेजित होते देखा। वे अपनी बन्दूकें उठाकर इधर-उधर भागने लगे। इतने में तो मशीनगन की गडगडाहट सुनाई पड़ी।

दोनों लडके एक साथ चिल्ला पडे—"धत्तेरे की, बचे तो।"

मानों किसी ने कहा—"पूरे नहीं।"

उन्होंने ऊपर को देखा। उनकी बन्दूकें रफ़िया के हाथ में दिखाई पडीं। ये बन्दूकें सेफ्टी बन्दूकें थीं।

रफ़िया ने घोडा दबाया, लेकिन आवाज़ नहीं हुई। उसने दुबारा बन्दूक की जाँच की। फिर से घोडा दबाया और लडकों के सामने पिस्तौल का निशाना किया।

डेरिक और जेफ़ ने अपनी आँखें बन्द कर लीं, लेकिन मौत को आने में बहुत देर होते देखी। उन्होंने दुबारा आँख खोली और

बातचीत

"अब बाक़ी का किस्सा हम कल ख़तम करेंगे।"

एक साथ पाँच आवाजें आईं—"बेवकूफ, आगे कह।"

मैंने आगे कहना शुरू किया।

कहानी

उन्होंने जब दूसरी बार आँखें खोलीं, तो रफ़िया की लाश को ज़मीन पर पडा पाया। उसके पास डोनल्ड हाथ में पिस्तौल



इतने में तो मशीनगन की गड़गड़ाहट सुनाई पड़ी।
दोनों लड़के चिल्ला पड़े—"धत्तेरे की, बचे तो!"

लिए खड़ा था। इतने में तो वे न्नो बहादुर वीर बेहोश हो गये।

जब उन्हें होश आया, वे कार में बिछौने पर पड़े थे। हेल्गा ठण्डे पानी से उनके मुँह पोछ रही थी। कमजोर स्वर में जेफ्री ने पूछा—"तुमने किस तरह हमारा पता लगाया ?"

हेल्गा ने कहा—"गिल्बर्ट कहती थी, हमें बाँयी ओर जाना चाहिये। मैंने और डोनल्ड ने कहा, दाहिनी ओर जाना चाहिये। उसने हमारी नही मानी। वह कहने लगी, मैं तुमसे बड़ी हूँ।"

डोनल्ड ने कहा—"यह सच है। लेकिन गिल्बर्ट को दाय बाये का ख्याल ही कहाँ रहता है ? वह हमें दाहिनी ओर ले गयी और समझती रही कि बाँयी ओर ले जा रही है।"

डेरिक ने पूछा—"फिर क्या हुआ ?"

गिल्बर्ट ने कहा—"हमने अरबों को और जलती हुई आग को देखा। तुरन्त ही मशीनगन दागी और उनका कचूमर निकाल डाला। पटापट वे जमीन पर गिरने लगे, बड़े मजे का दृश्य था वह !"

डोनल्ड ने कहा—"रफिया को मैंने उड़ाया था।"

इसके बाद डेरिक ने कहा—"यहाँ से रवाना होने के पहले हम अपनी मशीनगन और पिस्तौलें ले लें।"

बाहर जाकर गिल्बर्ट मशीनगन और पिस्तौल अन्दर ले आई। लेकिन दरियाँ और दूसरी चीजें वहीं रहने दीं।

डोनल्ड ने चाहा कि रफिया की झोपड़ी साथ लेती जाय, और हेल्गा ने भी उनके इस विचार का समर्थन किया, लेकिन

खोपड़ी निकालने की किसी को हिम्मत न पड़ी।

बातचीत

डेरिक ने कहा—"सहारा में आप खोपड़ी उतारियेगा नहीं?"

मैंने पूछा—"क्यों नहीं?"

"सिर्फ लाल जंगली ही खोपड़ी उतारा करते हैं। और डोनल्ड इतना छोटा है, कि किसी को मार नहीं सकता।"

मैंने चिढ़कर कहा—"बेवकूफ, सूअर! तुम्हें बचाया किसने?"

उसने खीभकर कहा—"डोनल्ड ने। आप यही कहा चाहते हैं न? एकाध रेतीला तूफान आया होता, तब भी बच जाते।"

गिल्बर्ट ने कहा—"हाँ, डेरिक, डोनल्ड अभी बालक है।"

डोनल्ड ने दृढ़ता से कहा—"रफिया को तो मैंने ही मारा है। नहीं मारा, नील?"

मैंने कहा—"डोनल्ड, सचमुच तूने दो नालायक लड़कों को बचाया। मेरा खयाल है कि जब ये लोग दुबारा किसी खतरे में पड़ें, तब तू बिल्कुल नया व्यवहार करना। अच्छा चलो, अब कहानी सुनो।"

कहानी

इसके बाद उन्होंने ईशान कोण में त्रिपोली पहुँचने के लिए सहारा पार करने का निश्चय किया। एक बार गिल्बर्ट के पिता त्रिपोली में अफसर रह चुके थे। इस हक़ीकत के आधार पर गिल्बर्ट ने दावा किया कि वह सारी मण्डली के लिए त्रिपोली के रहनुमा का काम कर सकेगी।

इसके बाद बडे उकतानेवाले दिन आये—रेत, रेत, रेत ! कभी कभी वे 'ओसिस' के नजदीक ताड़ या खजूर के ऊँचे पेडों के नीचे आराम करते, कभी रास्ते में मिलनेवाले मायालु व्यापारियों के साथ वार्तालाप हो जाता। ये व्यापारी रफिया की मृत्यु का समाचार सुनकर बहुत खुश हुआ करते।

आखिर वे त्रिपोली की सरहद पर पहुँचे। यहाँ उन्होंने एक हरे मैदान पर डेरा डाला। जगह ठण्डी थी। पानी और नारियल के पेड थे। उन्हें नहाने की इच्छा हुई। लेकिन वे डरे कि कहीं मगर खा न जायें। डेरिक ने कह रक्खा था कि चलने का समय होने पर वह बिगुल बजावेगा।

दो बजे बिगुल बजा।

सब दौडते हुए कार के पास आये।

नहीं, सब नहीं, एक व्यक्ति कम था। गिल्बर्ट कहती थी, कि मैं यहाँ अमर-बेल के फूल खोज रही हूँ।

डेरिक ने दुबारा बिगुल फूँका। जवाब नहीं मिला।

जेफ्रे ने कहा—"चलो, हम कार को तालाब के चारों ओर घुमा लावें।"

वे तालाब के चारों ओर घूमे, लेकिन गिल्बर्ट का कहीं पता न चला।

एकाएक डोनल्ड चिल्लाया और अँगुली से इशारा करके सब का ध्यान एक ओर को खींचा—"देखो तो, यहाँ घोडे की टापों के निशान हैं।"

डेरिक तेजी से नीचे उतरा और उसने अपने काँच से उन शानों को देखा। उसने कहा—"हमें इन चिह्नों के आधार र चलना चाहिये।"

वे आगे बढ़े।

आश्चर्य हेल्गा ने कहा—"अरे देखो तो, यहाँ एक कागज ा टुकड़ा पड़ा है।"

पहले तो दूसरों को उसका कोई महत्व नहीं मालूम पड़ा। किन जेम्स ने सोचा, ऐसे जङ्गली मुल्क में कागज का टुकड़ा असम्भव वस्तु है।

उसने कहा—"चलो, जरा पीछे लौटकर उसे उठा लें।"

उन्होंने वैसा ही किया। वह कागज 'टाइम्स' का टुकड़ा था। उसपर जल्दी में लिखा था—'मुझे जङ्गली लोग उठाकर ले जा हे हैं। बचाओ। गिल्बर्ट।"

बहादुरों का दल पुकार उठा—"चलो मदद को!"

कार बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ी। फ़ौरन ही धूल के बवण्डर-सा कुछ दिखाई पड़ा। डेरिक ने मोटर को 'फुल स्पीड' में छोड़ दिया। कुछ ही देर में वे इतने नजदीक जा पहुँचे कि दूर से तोप चला सकें।

हेल्गा ने कहा—"हम तोप न दागेंगे। कदाचित् गिल्बर्ट घायल हो जाय।"

डेरिक ने कहा—"तब तो बिजली के तार का उपयोग करें।"

सामने धूल के बादल के सिवा कुछ नजर ही न आता था।

डेरिक ने कार अन्दर बढाई। तुरन्त कुछ घन पदार्थ सा दिखाई पडा। डेरिक ने मोटर आगे बढाई। एक बडी दीवार के साथ मोटर का अगला भाग टकराया।

उसने निराश होकर कहा—'लुटेरे किले के अन्दर घुस गये हैं।'

कार पर गोलियो की बारिश होने लगी। डेरिक ने कार को किले के इर्द-गिर्द घुमाकर देखा। भारी मजबूत फाटकों को देखा। सोचा कि तोडकर हौले-हौले अन्दर घुस सकेंगे या नहीं। तब ने देखा कि काम असम्भव है।

जेफ्रे ने कहा—"देखो, उस खिडकी मे किसी का सिर दिखाई पडता है।"

चेहरा किसी आदमी का था। वह भयकर और दुष्टता पूर्ण था।

आदमी ने कहा—"क्यो, जर्मन समझते हो?"

डेरिक ने कहा—"हाँ, समझता हूँ।"

तब उस आदमी ने कहा—"मैं वर्वर लोगो का सरदार हूँ। मेरा नाम चर्वरीको है। मैं गोरी लडकी को चाहता हूँ। मैं उसे अपनी बडी बेगम बनाऊँगा। तुम चले जाओ! वह कहती है कि तुम्हारे साथ वह आना नहीं चाहती। वह मुझे प्यार करती है।"

डोनल्ड ने जर्मन में कहा—"तू झूठ कहता है।" लेकिन सरदार ने मजाक की हँसी हँसते हुए कहा—"चले जाओ।

नहीं तो तुम गिद्धों का मीठा भोजन बनोगे।" इतना कहकर वह अदृश्य हो गया।

जेफ्रे ने पछताते हुए कहा—"हमें उसे बन्दूक का निशाना बनाना चाहिये था।"

युद्धमन्त्री सलाह करने बैठे। यह तय पाया कि अँधेरा होने तक ठहरा जाय। फिर बड़े फाटक को बम से उड़ा दिया जाय।

रात हुई और उन्होंने बटन दबाया। सारी रात किसी को नींद नहीं आई। बार बार जेफ्रे सर्च लाइट फेंकता था। आधी रात के समय डोनल्ड ने कार के पास कोई सफेद वस्तु देखी। उसने दूसरों से कहा और तीन पिस्तौलें तन गईं। लेकिन उस सफेद मूर्ति ने अपने हाथ ऊँचे किये। डेरिक ने दरवाजा खोल दिया।

उसने अंग्रेजी में कहा—"मैं बहन का संदेश लाई हूँ।"

उसने एक चिट्ठी दी। डेरिक ने आतुरता के साथ चिट्ठी खोली। उसमें लिखा था—"डेरिक, मुझे बचाना। मुखिया पशु है। यह स्त्री मित्र है। यह तुम्हें मेरे पास पहुँचा देगी।"

जेफ्रे ने कहा—"भैया, कुछ दगा है।"

डेरिक ने कहा—"असम्भव! दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति है, जो ऐसी भाषा लिख सकती है।" उसने स्त्री की ओर मुड़कर पूछा—"तुम कौन हो?"

स्त्री ने कहा—"साहब, मैं मुखिया की बड़ी बेगम हूँ। लेकिन बरसों पहले जब बहन के बाप इटली की फौज में अफ

सर का काम करते थे, तब मैं उनके पास नौकर थी। मैं बर्बरीको को धिक्कारती हूँ। यह दुष्ट राक्षस है। चलो, मैं तुम्हें रास्ता बताऊँगी। साथ में हथियार ले लो। लेकिन देखो, हथियार ऐसा लो, कि ज़रा भी खड़खड़ाहट न करे।"

उन्होंने सलाह कर ली और आखिर यह ठहराया कि—

बातचीत

हेल्गा ने डरकर कहा—"मुझे न भेजना।"

जेफ़ ने मसखरी की—"तू है,ही निकम्मी। तुझे कार ही में रक्खेंगे।"

डोनल्ड ने बहादुरी के साथ कहा—"लेकिन मैं जाऊँगा।"

जेफ़ ने थरथराते हुए कहा—"अरे! यह तो हमें क़िले के अन्दर ले जाने की तरकीब है। मैं जाना नहीं चाहता।"

मैंने पूछा—"डेरिक, तुम्हारी क्या राय है?"

डेरिक ने मेरा प्रश्न नहीं सुना। उसकी आँखें बड़ी बड़ी और चमकीली थीं। मानो वह क़िले के अन्दर पहुँच चुका था।

कहानी

आखिर यह ठहरा कि डेरिक और डोनल्ड जायँ। उन्होंने अपने साथ एक एक छुरी और एक-एक पिस्तौल ले ली। डेरिक ने आवश्यकता पड़ने पर उपयोग के ख़याल से अपनी जेब में दो बम डाल लिये। जेफ़ और हेल्गा को कार में रक्खा और कहा कि कुछ भी क्यों न हो जाय, वे कार न छोड़ें।

हैल्गा ने कहा—"भाई, मैं तो कभी कार न छोड़ूँगी।"

अँधेरे में लड़खड़ाते दोनों भाई चले। वह स्त्री उन्हें किले की एक छोटी सी खिड़की के पास ले गई। उसने ताली लगाकर खिड़की खोली। सामने अँधेरी गली थी। डेरिक की इच्छा हुई कि बिजली की बत्ती जला ले, लेकिन स्त्री ने कहा—"काम बहुत खतरनाक है।" वे अँधेरे में आगे बढ़े। आखिर, दूर पर एक चिराग दिखाई दिया।

स्त्री ने कान में कहा—"वह चौकीदार है, लेकिन, बन्दूक से मारोगे, तो खेल बिगड़ जायगा। उसे चुपचाप मारना चाहिये।"

डेरिक ने सोचा, यह उसके जीवन की एक कीमती घड़ी है। उसने अपने मन से कहा, मुझे लुक छिपकर आगे बढ़ना होगा और पहरेवाले को कायर की तरह पीठ-पीछे घायल करना पड़ेगा।

उसके मन में एक नई तरकीब पैदा हुई—"यद्यपि यह कार्य प्रतिष्ठायुक्त तो नहीं है, फिर भी यह तो युद्ध है।" यह कहकर उसने डोनल्ड से हाथ मिलाया। फिर दाँत पीसकर हाथ में छुरी लिये, वह लुकता छिपता आगे बढ़ा, लेकिन दैव प्रतिकूल था। चलते समय पैर के नीचे का एक पत्थर खिसक गया। पहरेदार मारे डर के चीख उठा। डेरिक ने पिस्तौल दाग दी—धाँय, धुडुम। गोली पहरेदार की छाती को चीरकर उस पार निकल गई। लाश आवाज के साथ नीचे गिर पड़ी। हथियार-बन्द आदमी निकल आये और दो बन्दूकों से मौत का मजा

चखने लगे। लेकिन दुश्मन संख्या में अधिक थे। ऐसा मालूम होता था कि लड़कों को पीछे हटना पड़ेगा।

डोनल्ड ने चिल्लाकर कहा—"बम फेंको।"



गिल्बर्ट एक कुर्सी से बँधी थी, सरदार उसके सामने रिवाल्वर ताने खड़ा था।

डेरिक ने बम फेंका। डोनल्ड, वह स्त्री और डेरिक, तीनों जमीन पर चित्त लेट गये। धड़ाका कानों को बहरा बनानेवाला था। जब धुँआ कम हुआ, तो पता चला कि वहाँ केवल लाश-ही लाश पड़ी थी। बाकी कुछ आदमी डरकर भाग गये थे।

डेरिक ने कहा—"आगे चलो।"

स्त्री उन्हें आगे ले चली। एक भी सिपाही न मिला। विजली की बत्तियाँ जलाकर आगे बढ़े। लडको ने तौल फिर से भर ली थी। एक दरवाजे के सामने वह स्त्री की। वह धीरे से बोली—"यह सरदार का कमरा है।"

डेरिक ने धीमे से दरवाजा खोला। अन्दर का दृश्य देखकर पीछे हट गया। गिल्बर्ट एक कुर्सी मे बँधी थी, सरदार उसके मन रिवाल्वर ताने खड़ा था।

सरदार ने खीझकर कहा—"अच्छा, ठीक मौक़े से आया ! देख, अब तेरी सखी की मौत तेरी आँखों के सामने ही होगी। गर तूने जरा भी अपना हथियार चलाया, तो उसी क्षण वाल्वर की गोली इस लडकी को छेद डालेगी।"

बातचीत

मैंने जरा मौज में आकर कहा—"लडको, अब मैं जरा थक या हूँ। कल तक गिलबर्ट को वहीं बन्द रहने दे।"

गिल्बर्ट ने कहा—"तू यह समझता होगा, कि मैं डरती हूँ। किन उस सरदार से मैं तनिक भी नहीं डरती।"

हेल्गा बोली—"भई, जल्दी करो और कहो कि फिर क्या आ!"

मैंन कहा—"डेरिक से पूछ, यह वहाँ था।"

डरिक ने कहा—"कैसे ही क्यों न हो, हमने उसे मार ला।"

जेक्रे बोला—"यह तो जानते हैं, कि उसे मार डाला, लकिन

प्रकरण—४

गिल्बर्ट को होश आया। डेरिक ने आतुरता मे कहा—"हमें जितनी जल्दी हो सके, यहाँ से निकल भागना चाहिए। सरदार मर चुका है, लेकिन उसके आदमी अभी जिन्दा हैं।"

दरवाजे के पास से डोनल्ड डरकर पुकार उठा—"अरे, हम तो घिर गये हैं।"

घबराकर वे एक दूसरे का मुँह ताकने लगे।

डेरिक ने कहा—"जाल में फँस गये।"

सचमुच वे बड़ी खराब हालत में थे। दरवाजा खुलने पर भी रास्ता ढूँढना मुश्किल था, क्योंकि किले में असंख्य रास्ते थे।

बातचीत

जेफ्रे ने गिल्बर्ट से कहा—"तूने मोटर छोड़कर बड़ी भारी भूल की।"

हेल्गा बोली—"हमें फिर कार छोड़नी ही न चाहिए।"

कहानी

उधर हेल्गा और जेफ्रे खूब ही भयभीत होकर कार में बैठे थे। उन्होंने धमाके की आवाज सुनी थी। बाद में शान्ति छा गई और वे थर-थर काँपने लगे।

हेल्गा ने झिझकते हुए कहा—"अबकी वे जरूर मारे गये। हम क्या करेंगे?"

कम्पित स्वर मे जेफ्रे बोला—"कुछ सूझ नहीं पड़ता।"

एकाएक हेल्गा बोली—"हम नील को वायरलेस करें।"

नेपल्स के बन्दरगाह में नील को सदेशा मिला। वह पिकैप्ट की बोट में बैठकर ईजिप्ट जा रहा था।

जेफ़े ने सदेशा सुनाया—"गिल्बर्ट, डेरिक और डोनल्ड क़िले के अन्दर घिर गये हैं। हमारा ख़याल है कि वे सब मारे गये हैं।"

जेफ़े वायरलेस की चिह्नांकित भाषा अच्छी तरह जानता न था। नील के जवाब से वह अधिक उलझन म पडा।

नील ने कहा—' और सब किस चीज़ से भर गये हैं, छुहारों से या नारियलों से ?"

जेफ़े बोला—"यह मज़ाक करने का वक्त नहीं है।"

नील ने जवाब दिया—"तो गिल्बर्ट, डेरिक और डोनल्ड किले में घिर गये हैं, या भर गये हैं, इसका मतलब क्या ? क़िस्सा ख़तम हो चुका है, या बालक अघा गये हैं ? कुछ समझ में नहीं आता।"

जेफ़े ने कहा—"मारे गये हैं, भरे नहीं हैं।"

नील बोला—"क़िस्से का मारे गये से क्या लेना देना है ? वहाँ त्रिपोली पहुँचकर कौन सा किस्सा छेड़ा है ?"

हेल्गा ने कहा—"मुझे कहने दे।"

हेल्गा ने धक्का देकर जेफ़े को दूर हटाया। वह बोली—"लुटेरों ने उन्हें पकड़ा है। शायद वे मार डाले गये हैं।"

नील का जवाब मिला—"तुम्हारे रेखाश अक्षाश क्या हैं ? जल्दी करो।

जेफ्रे और हेल्गा घबड़ाहट में एक दूसरे का मुँह ताकने लगे। वे समझ न सके कि नील क्या कहता है।

नील ने पूछा—"तुम कहाँ हो ?"

जेफ्रे ने जवाब दिया—"हमारा ख्याल है कि हम अफ्रिका में हैं।"

इसका जवाब कहा नहीं जा सकता। नील की गन्दी भाषा से यन्त्र काँपने लगा।

नील ने कहा—"कार के बाहर निकलकर देखो, और जो देख पाओ उसका वर्णन करो। दूर पर कोई पहाड़ दिखता है ?"

जेफ्रे ने कहा—"हाँ, एक पर्वत श्रेणी दिखाई पड़ती है। शाल की सूरत की एक पहाड़ी नजर आ रही है।"

नील की भाषा सुनने योग्य न थी। उसने कहा—"शाल, फिर से कहो।"

जेफ्रे बोला—"ज्वालामुखी के मुँह सी मालूम पड़ती है।"

जेफ्रे ने दूसरा वर्णन दिया, लेकिन जवाब न मिला।

एक घण्टा, दो घण्टे, तीन घण्टे, चार घण्टे बीत गये। एका एक हेल्गा पुकार उठी—"वह देखो, आकाश में कुछ दिखाई पड़ता है।"

जेफ्रे ने कहा—"पक्षी !"

हेल्गा बोली—"हवाई जहाज !"

यह चीज जरा बड़ी दिखाई देने लगी।

बड़े उत्साह से जेफ़ ने कहा—"है तो हवाई जहाज ही।"

लेकिन यह हवाई जहाज न था, यह तो काँच की कार थी, ऊपर गोल चक्कर काट रही थी।

हेलगा बोली—"सन्देशा भेजो।"

जेफ़ ने खाली फायर किया। निशाना लगा। कार नीचे उतरी और इन लोगों से बीस गज की दूरी पर ठहरी।

नील और पिन्कैस्ट बाहर कूद पड़े। दो मिनट में उन्हें असली बात मालूम हो गई।

किले से प्रति क्षण बन्दूक छूटने की आवाज सुन पड़ रही थी।

नील बोला—"पिन्कैस्ट, एक क्षण भी व्यर्थ नहीं खोना चाहिए। हमलोगों को किले के अन्दर चलना होगा। कार चलाओ।"

वे हवाई कार की तरफ़ बढ़े, अन्दर बैठे, आसमान में ऊँचे उड़े, किले पर मँडराये और अन्दर उतरे। अन्दर से गोलियों की बौछार बरसी।

पिन्कैस्ट हँसा और बोला—"अपना भी वही हाल होगा।"

इन्होंने नीचे बम फेंका और जिस तरह तूफान में चिथड़े उड़ जाते हैं, उसी तरह लुटेरे उड़ गये। तुरन्त ही उड़ता हुआ जहाज नीचे उतरा। खिड़कियों और दरवाजों में से गोलियाँ बरसने लगीं।

नील ने काँपते हुए कहा—"इस आग में हम बाहर नहीं

निकल सकते। उन तीनों को मरने ही देना होगा।"

एकाएक खिडकी की राह आवाज आई—"यह कार हमारी नहीं है, यह तो हमारी कार से बडी है।"

नील ने कहा—"यह तो गिल्बर्ट बोल रही है।"

उसने दो मञ्जिल ऊपर की खिडकी से गिल्बर्ट की आवाज को आते सुना था।

पिफ़ैफ्ट ने कहा—"चलो, वहाँ चले।"

उसने चक्का थामा। धीमे धीमे वह कार को खिडकी के नज दीक ले गया, लेकिन मालूम पडा कि उसमें तो मोटे लोहे की सलाखें जडी हुई ह।

बहादुर डेरिक ने कहा—"धातु काटने की रेती फेंको।"

नील ने कहा—खडी पुरानी बाते न करो। देखो, इस नली का सिरा पकडो और ये दियासलाइयाँ लो। हमारे पास आक्सीजन और हाइड्रोजन हैं, और यह आक्सीजन हाइड्रोजन फूँकने की नली है।"

डेरिक ने कहा—"बहुत ठीक।"

तीन मिनट मे सफेद आग ने सीखचों को गला डाला।

फिर नई कठिनाई खडी हुई। कार खिडकी से चार फीट दूर थी। आगे को निकला हुआ छज्जा कार को अन्दर जाने से रोकता था।

डेरिक ने कहा—"मैं कूद पडूँ ?"

लेकिन डोनल्ड और गिल्बर्ट ने कहा—'भैया, ऐसा बिलकुल

न करना। एक क्षण के लिए भी अगर तुम दिखाई पड़े, तो नीचे वाले गोलियाँ बरसानी शुरू कर देंगे।"

नील ने कहा—"तटने पर चलकर आ सकोगे?" उसने कमरे में कुल्हाड़ी फेंकी और बोला—"लकड़ी की फर्श में से तख्ता काट लो।"

गिल्बर्ट बोली—"अरे, यहाँ तो पत्थर जड़े हुए हैं।"

डेरिक बोला—'हाँ, मुझे याद आया। अपनी कार के कैटर पिलर के पहियों में से टुकड़ा काट ले।"

नील ने कहा—"बाप दादों के जमाने की बात! इस मशीन में कहीं ऐसी चीजें भी होती हैं?"

गिल्बर्ट ने पुकारकर कहा—'दूसरी कार में से उठा लाओ न!"

नील ने कहा—"ठीक कहती हो।"

फोग्न ही कार तेजी के साथ किले पर से उड़ी। लेकिन जब वे कैटरपिलर के पहिए लेकर लौटे तो तीनों बालक भयंकर स्थिति में थे।

उन्होंने फर्नीचर आड़े रखकर दरवाजे बन्द कर दिए थे। फिर भी दुश्मन आँगन में से वार कर रहे थे। दो निसैनियाँ लगाई गई थीं। आदमी निसैनियों पर चढ़ रहे थे। नील और पिनैपट ने देखा, घमासान लड़ाई छिड़ी हुई है। बालक दिखते न थे, लेकिन निसैनी के रास्ते हर एक आदमी खिड़की के सामने पहुँचता था कि तत्काल ही उसके हथियार छूट पड़ते थे और वह

जेफ्रे, हैल्गा और डोनल्ड ने पक्ष में मत दिया।

मैंने कहा—"चलो, तो फिर मैं चलता हूँ। लेकिन अलबत्ता, दोनों कार 'अपटूडेट' होनी चाहिएँ।"

डेरिक बोला—"कायरो (cairo) पहुँचने के बाद तू हमारी कार को भी उड़नवाली बना देना।"

गिल्बर्ट ने कहा—"ऊँह्, यह कहता है, कि यह खुद आविष्कार कर सकता है, लेकिन सुनो तो, यह सब ढोंग है। बूढ़े नील तुझसे तो मेरा कुत्ता होशियार है। घर पर अनेक सुन्दर चीजों का आविष्कार कर लेता है।"

डोनल्ड ने पूछा—"कार और दूसरी चीजों का? उड़ने वाली कार का भी?"

गिल्बर्ट ने अनसुनी करके पूछा—"डेरिक, तेरी क्या राय है? क्या तू मानता है कि नील जो कहता है, खुद बना सकता है?"

डेरिक ने जरा सोचकर कहा—"उड़ने वाली कार? हाँ, बन सकती है! लेकिन पानी बनाने की मशीन की बात मूर्खता पूर्ण मालूम होती है। मैंने अपने साइन्स मास्टर मि० सिफर्ट से इस बारे में पूछा था। वह कहते थे, हवा में हाइड्रोजन बहुत कम है। बूढ़े नील, हाथ से पानी बनाने की मशीन तू कैसे बना सकता था?"

गिल्बर्ट ने मुँह चिढ़ाकर कहा—"देख, देख तो सही, कैसा मूर्ख है!"

मैं जोर से हँसा।

मैंने कहा—"एक बड़े आविष्कारक को तुम यह सिखाने की हिमाकत करते हो, कि हाइड्रोजन कैसे प्राप्त किया जाय ? मि० सिफ्ट कबूल करते हैं कि सूर्य में हाइड्रोजन है, लेकिन क्या वह जानते हैं कि रेडियम लौहचुम्बक की तरह हाइड्रोजन को नीचे की ओर खींचता है ? उन्हें पता है, कि गिलबर्टीयम की सहायता से और बादलों से हाइड्रोजन खींचा जा सकता है ?"

गिलबर्ट ने सशंक होकर पूछा—"यह गिलबर्टीयम क्या बला है ?"

"यह एक मेरा आविष्कृत पदार्थ है। इससे काम लेना बहुत खतरनाक है, इसलिए इसका नाम "

गिल्बर्ट ने जोरों स मेरे बाल खींच लिए।

कहानी

बड़ी सभा जुड़ी थी।

बालक एक के बाद एक आविष्कारक से उड़नवाली कार के सम्बन्ध में प्रश्न पूछने लगे। उसने कहा—"बिल्कुल सादी चीज है। अच्छा बताओ, हलकी से हलकी धातु कौन सी है ?"

डानल्ड ने कहा—"कागज।"

हेलगा बोली—'जा-जा, कागज से तो पर हलके हैं।"

डेरिक ने कहा—"एल्यूमीनियम।"

नील बोला—"ठीक है। लेकिन एल्यूमीनियम हवा से भारी है न ? अब यह कार रडियलम की बनी है अर्थात् एल्य-

और आइस्क्रीम-सलून बनाये जा सकते हैं।"

डेरिक बोला—"इन्हें देखकर मुझे अपनी भूमिति की किताब याद आती है "

हेल्गा की इच्छा हुई कि अन्दर जाकर देखा जाय, कि क्या है।

डोनल्ड के मन में यह सवाल उठा कि इन लोगों ने इसमें खिड़कियाँ क्यों नहीं रक्खी ?

जेके ने तो "उँह इसमे धरा क्या है ?" कहकर पिरामिड की ओर ध्यान ही न दिया।

इसके बाद एक मार्ग दर्शक को लेकर सब महान् पिरामिड में घुसे। पहले तो वे एक लम्बी अँधेरी गली में से गुजरे, जो किसी को बिलकुल ही पसन्द न आया। चारो ओर ठण्डक और ठण्डक थी। आखिर वे बीच में पहुँचे। एक बड़ा कमरा, छोटी छोटी खिड़कियाँ और खुली हवा तक की सीढ़ियाँ थीं। मार्ग दर्शक वहाँ गाड़े हुए राजाओं और उनके स्थान के विषय में कुछ गिटपिट सिटपिट बोल रहा था। उसने यह भी बताया कि अपनी कमाई पर वह किस प्रकार १६ बच्चों और एक स्त्री का भरण-पोषण करता है, लेकिन किसीने उसकी बात सुनी नहीं। हर एक मन में सोच रहा था—'ऐसी भयंकर जगह से कब निकल भागें।"

इसके बाद नील एक गाइड-बुक ले आया और पिरामिड्स का लम्बा वर्णन पढ़ने बैठा। दूसरे श्रोता सुनकर आश्चर्य चकित

हुए, लेकिन आखिर नील को पता चला कि वह कोई दूसरा ही वर्णन पढ रहा था। गलती से वह 'आसुन टैम' की बनावट का वर्णन पढ रहा था।

उसने सही पृष्ठ ढूँढ निकाला और पढकर कहा कि किसी को पता नही कि ये पिरामिड किसलिए बनाये गये थे। इन महान् पिरामिड्स के पत्थरों की लिवरपुल से न्यूयार्क तक एक उम्दा सडक बन सकती है।

जेफ़ ने कहा—"पत्थर पानी में डूब जाते हैं? यह किताब ही नहीं मालूम पडती।"

डेरिक ने कहा—"अटलांटिक केबल की तरह समुद्र के नीचे रास्ता बनाया जा सकता है।"

डोनल्ड ने पूछा—"वे लोग समुद्र में सडक क्यो बनाते हैं?"

नील ने दिलचस्प बातें पढनी छोड दीं। समुद्र की बातें करते करते वे शार्क की बातें करने लगे, और शार्क को छोडकर 'क्रैचेस' की बात छिड गई।

डेरिक की एक आदमी से जान पहचान थी। वह आदमी एक दूसरे मनुष्य को जानता था। उस मनुष्य ने एक मल्लाह से बातें की थीं। मल्लाह एक ऐसे आदमी को जानता था, जिसे एक दूसरे मनुष्य ने देखा था कि उसके पैर को शार्क मछली ने खा डाला है। इसी तरह की खूब लम्बी चौडी गप्पें हुईं।

वे वापस कायरो आये। तब हेल्गा ने कहा—"मैं तूतान खां की कब्र देखना चाहती हूँ।"

वे बाहर गये। डोनल्ड ने आकाश में एक नन्हे-से बिन्दु की ओर इशारा किया। लेकिन इतने में तो वह बिन्दु भी अदृश्य हो गया।

नील ने कहा—"अरे भगवान्! अच्छा हुआ, जो समय पर पता चल गया! चलो, कूद पड़ो सब के सब। नहीं, आप नहीं, मि० पिकॅफ्ट, आप बहुत भारी हैं।"

हवाई कार कुछ फीट तो धीमे धीमे ऊपर चढ़ी। इसके बाद नील ने एंजिन को फुल स्पीड में छोड़ दिया। और वे गोल चक्कर काटते हुए ऊपर चढ़ने लगे।

नील ने कहा—"हम इस समय फी घण्टा ३०० मील की स्पीड से जा रहे हैं, जबकि डेरिक सिर्फ कोई ६० मील की गति से जा रहा है, बशर्ते कि वह नीचे न गिर पड़ा हो।"

डोनल्ड ने उसे अपने टेलिस्कोप से देखा। वह मौत के मुँह में लटक रहा था। उसका चेहरा भयभीत था। ये लोग क्रम से उसके नजदीक पहुँचते जा रहे थे।

नील ने एंजिन बन्द किया, और जिस दिशा में डेरिक चढ़ रहा था, कार को उसी दिशा में बढ़ाया। एक रस्सी फेंकी गई, डेरिक ने बाँयें हाथ से उसे पकड़ लिया।

जेफ ने चिल्लाकर कहा—"रस्सी को अपने हाथ से बाँध ले।"

डेरिक ने जैसे तैसे बाँध ली।

नील ने पुकारकर कहा—"कूद पड़।"

डेरिक ने पत्तर छोड़ दिया। पत्तर हवा में उड़ता हुआ ऊपर

ढ गया। बेचारा डेरिक एकाएक गिरा और कार के नीचे हवा में इधर उधर झूलता हुआ लटकने लगा। कार में बैठे हुओं ने उसे अन्दर लेने के लिए रस्सी खींची। लेकिन वे डरे, कि शायद खींचने से रस्सी टूट न जाय।

नील ने नली के अन्दर से कहा—"घबराना मत। हम नीचे उतर रहे हैं, तेरे पैर जमीन में टिकने के पहले हम रुक जायँगे।"

डेरिक का जवाब अच्छी तरह सुनाई न पड़ा। कार नीचे उतरने लगी। जमीन तक पहुँचने में एक घण्टा लग गया। इस समय डेरिक बेहोश था। उसका चेहरा स्याह पड़ गया था, क्योंकि रस्सी से उसकी छाती घिस रही थी। वह घबराहट के मारे मौत के निकट था। डाक्टर बुलाया गया। डाक्टर ने कहा—"तीन सप्ताह तक बिछौने पर रहना पड़ेगा, और शायद यह शेर का शिकार करने को न जा सकेंगे।"

बातचीत

गिल्वर्ट बोली—"देखना भई, यह क्या कहता है! कहता है, शाला में सजा नहीं दी जाती और फिर भी डेरिक को सिंह का शिकार करने जाने से मना करता है, क्योंकि डेरिक ने धातु को छू लिया था! ऊँह, फिर इसमें और दूसरे शिक्षक में भेद क्या है?"

डेरिक ने दृढ़ता से कहा—"मैं पीछे रहनेवाला नहीं हूँ।"

मैंने कहा—"डाक्टर का हुक्म टाला नहीं जा सकता।"

डेरिक बोला—"कौन परवा करता है ? मैं तो साथ चल चलूँगा ।"

जेफ्रे ने कहा—"अरे नील, सुअर मत बन सुअर। उस इरादा धातु चुराने का न था ।"

कहानी

दो दिन बाद कार तयार बन गई। दोनों कारों का ना करण संस्कार करने का विचार हुआ। हेल्गा पर यह भार सौं गया। उसने कार का नाम 'चींची' रक्खा।

एकदम सब बोल उठे—"यह नाम क्यों ?"

हेल्गा बोली—"जब कबूतर का बच्चा उड़ने लायक होता हम उसे चींची कहते हैं।"

सब कहने लगे—"हेल्गा नाम रखना भी जानती है।"

इसके बाद दूसरी कार का नाम रखने के लिए डोनल्ड कहा गया।

उसने उसका नाम 'बड़ा कबूतर' रक्खा। सब कहने लगे—"ठीक नहीं, झूठा नाम है।"

जेफ्रे ने कहा—"ले चलो या 'घर की तरफ' रक्खो।"

गिल्बर्ट बोली—"हाँ, हाँ, 'घर की तरफ' ठीक है। नील इसमें बैठकर घर की तरफ जायगा और हम यहाँ रहेंगे।"

दूसरी कार का नाम 'घर की तरफ' पड़ा। कूच का दि आया। यह ठहरा कि नील और पिकैफ्ट 'चींची' मे और बाक 'घर की तरफ' में बैठे ।

कार पर सवार होते होते नील ने कहा—"बेचारे डेरिक को यहाँ छोड़कर जा रहे हैं, यह बहुत बुरा हो रहा है।"

इतने में तो 'घर की तरफ़' में से खिलखिलाकर हँसने की आवाज़ आई और हाँकनेवाले की जगह के नीचे से डेरिक बाहर निकला।

उसने कहा—"मैं आज सुबह अस्पताल से सटक आया हूँ।"

सब उसे देखकर खुश हो गये। खारटुम तक वे नाइल नदी के साथ साथ गये। नील ने चाहा कि नीचे उतरकर जनरल गॉर्डन की कब्र देखे, लेकिन दूसरों ने कहा—"हम सिह देखेंगे, कब्रें नहीं।"

एक कारवाले दूसरी कारवालों से मजे में बातचीत कर सकते थे, क्योंकि कारों में हर एक में वायरलेस टेलीफोन लगा लिए गये थे।

वे बहुत ऊपर उड़ रहे थे। वे 'फेशोडा' के निकट से गुजरे। फेशोडा के लिए ब्रिटेन और फ्रांस में जो लड़ाई छिड़ते-छिड़ते रह गई, पिन्क्रैफ्ट ने उसका किस्सा सुनाया।

जेम्स बोला—"ओटो, नीचे बहुत अधिक आदमी काम करते दिखाई पड रहे हैं।"

पिन्क्रैफ्ट बोला—"मालूम होता है, रेल की नई सड़क बना रहे हैं। नीचे चलकर देखें, कि वे लोग कैसे काम करते हैं।"

कारें नीचे उतरीं। सड़क बनानेवालों का बड़ा-सा कैम्प पड़ा हुआ था। मजदूरों के सरदार का नाम बैंक्स था। उसने

दी जा चुकी थीं।

मि० बैंक्स ने कहा—'झाडी में जरा भी आहट सुनें, तो एकदम बटन दबाइयेगा। याद रखिये, हमारी जानें आपके हाथ में हैं।" फिर शान्ति छा गई।

शिकारी मचान पर अँधेरे मे निशाना ताककर जा बैठे, यह पहरा खतरे से खाली न था।

नील के दाँत कटकटा रहे थे और टाँगें काँप रही थीं। जेफ्रे के हाथ में राइफल मुश्किल से थम रही थी, उसके हाथ बहुत ज्यादा काँप रहे थे। हरएक आदमी भयभीत था। अगर वे आपस में बात कर सकते, तो उनका डर कुछ कम हो जाता। लेकिन वे जानते थे कि बात करेंगे तो सिंह को मारने का मौका जरूर हाथ से खो बैठेंगे।

दूर पर गम्भीर गर्जना सुनाई पडी, उसके बाद एक धीमी गर्जना। सिंह और सिंहिनी दोनों थे। शिकारियों ने मजबूती के साथ राइफलें थामीं और कटकटाते हुए दाँतों को दबा रखने की कोशिश करने लगे। एक घण्टा बीता, दूसरा बीता। इसके बाद एकाएक उन्होंने झाड़ी के अन्दर आहट सुनी।

शिकारी आस्ते से बोले—"सर्च लाइट।"

लेकिन कार में बैठी हुई लडकियों ने आहट सुनी न थी। बाँईं ओर एक भयंकर गुर्राहट सुनाई दी और कोई चीख उठा। लड़कियों ने उसी क्षण प्रकाश फेंका, किन्तु उन्होंने कौन सा दृश्य देखा? देखा कि एक बबर शेर डोनल्ड को जमीन पर

घसीट रहा था। सिंह ने उसका दाहिना हाथ पकड़ा था। दर्द के मारे डोनल्ड त्राहि-त्राहि पुकार रहा था।



'एक बबर शेर डोनल्ड को ज़मीन पर घसीट रहा था।'

उसे बचाने के लिए दूसरे छलाँग मारकर नीचे कूदे। डेरिक सब से आगे था।

निराशा से वह चिल्लाया—"मेरा भाई!" और वह झाड़ी में घुसा। हर एक के पास एक एक बिजली की बत्ती थी। नील पीछे खड़ा खड़ा यह सब देख रहा था। ज़बर्दस्त जानवर शिकार को उठाकर लिये जा रहा था। पीछे डेरिक दौड़ रहा था। दौड़ते दौड़ते पिस्तौल से निशाना साफ रहा था। गोली दागने म डरता था, कहीं उसके भाई के गोली लग गई तो? एकाएक एक

बातचीत

गिल्बर्ट ने कड़ुई हँसी हँसकर कहा—"मैं ? मैं तेरे सा चलूँगी, तू सोचता है ?"

मैं हँसा। मैंने कहा—"मुझे तो अफ्रीका की यात्रा का स वर्णन करना ही चाहिए।"

उसने दृढ़ता के साथ कहा—"मैं तेरे साथ आना न चाहती।"

"तुझे आना ही पड़ेगा।"

"क्यों ?"

"क्योंकि तू आना चाहती है, छछूँदर !"

"गिल्बर्ट हंसकर बोली—"अच्छा तो फिर मोटर मैं हाँकूँगी

कहानी

जेम्स कायरो की ओर उड़ा और रात से पहले डॉक्टर साथ आ पहुँचा। डॉक्टर ने रोगी की परीक्षा की, घाव दे और सिर हिलाया।

उसने धीमे से कहा—"आशा है, बहुत थोड़ी।"

हेल्गा की ओर देखकर फिर कहा—"सारा दारोम तुम्हारी सेवा पर है।"

डोनल्ड ने नम्रतापूर्वक सिर झुकाया।

लड़के अभी तक सन्निपात की ही हालत में थे। डॉ अधिष्वर तो 'हेनेरो' की पाठशाला के सम्बन्ध मे बड़बड़

था, एक बार तो यह चिल्लाकर पुकार उठा—"चला जा सिह ! यह स्वतन्त्र शाला है।"

डोनल्ड 'हैरोगेट' वाले अपने घर को याद करके कलपता था। उसके दिल में कुछ यह खयाल था कि कोई फाउण्टेनपेन बनाने के लिए उसके पिता की मोटरकार चुरा ले गया है।

इस बीच गिल्बर्ट और नील सहारा पर से उड़ते हुए जा रहे थे, और सारा वक्त बात-चीत में कट रहा था।

नील ने कहा—"वह नीचे टिम्बकटू है।"

गिल्बर्ट ने जवाब दिया—"नहीं, झूठी बात। तुझसे अधिक मैं जानती हूँ।"

"तो वह कौन सी जगह है ?"

"मैं नहीं जानती। लेकिन मैं यह बखूबी जानती हूँ कि जब तू कहता है कि वहाँ फलाँ जगह है, तब वहाँ कोई जगह होती ही नहीं।"

वे ट्यूनिस से जिनेवा तक भूमध्य रेखा पर से होकर गुजरे। इसके बाद वे बहुत ऊँचाई पर आल्प्स पर्वत पार करके आगे बढ़ गये। कैम्प छोड़ने के ठीक सत्रह घण्टे बाद वे हैरोगेट के पास उतरे।

उन्हें यह जानकर निराशा हुई कि डॉक्टर बॉइड छुट्टियों में कहीं बाहर गये हैं और अपना पता ठिकाना किसी को नहीं बता गये। लौटने के सिवा दूसरा उपाय न था। लेकिन नील की इच्छा हुई कि जरा घर—स्कॉटलैण्ड—तक चला जाऊँ, बस एक

घण्टे के अन्दर वे 'फोरार' पहुचे। उसने अपने परिवारवालों के साथ गिल्बर्ट का परिचय कराया और गिल्बर्ट को वहाँ बडा मजा आया।

बातचीत

गिल्बर्ट ने कहा—'छि, तेरा घर तो बहुत ही खराब है! गरीब आदमी!"

मैंने कहा—"गरीब, लेकिन ईमानदार।"

गिल्बर्ट बोली—"मैं तेरा घर देखना ही नहीं चाहती थी। फिर जेफ की ओर देखकर वह कहने लगी—"यह खुद जब छोटा और आवारा लडका था, तब जहाँ-जहाँ खेला था, वह सब इसने मुझे बताया, मानो मुझे उन बातों से बडी दिलचस्पी हो! और देख तो सही, अपनी शाला की इसे कितनी चिन्ता है? जब यहाँ डेरिक और डोनल्ड अन्तिम घडियाँ गिन रहे हैं, आप इस तरह घर जाते हैं मानो छुट्टियों में जा रहे हों! देख तो सही, कैसे शिक्षक हैं! वाह री स्वतत्र शाला, वाह!"

डोनल्ड ने कहा—"गिल्बर्ट, चुप, मैं नीरोग हुआ या नहीं?"

कहानी

जब वे चार दिन के बाद वापस आये तब—

बातचीत

गिल्बर्ट ने कहा—'देखा, महाशय जी सारा समय मौज करते हुए घर पर पडे रहे!"

कहानी

चार दिन के बाद जब वे वापस आये—

लेकिन, यहाँ यह बताना जरूरी है कि इतनी देर क्यों लगी? कॉटलैण्ड में तो सिर्फ दो ही घण्टे रहे । बाद में वहाँ से उड़े। न्होंने हॉलैण्ड, साजबर्ग, रोम और त्रिपोली के रास्ते कायरो हुँचने का निश्चय किया था।

गिल्बर्ट ने कहा—"मैं रास्ते से वाकिफ हूँ।"

नील ने कुछ नई पुस्तकें खरीदी थीं। वह उन्हें पढ़ने में इतना लीन हो गया कि इस तरफ तनिक भी ध्यान न दे सका कि किस दिशा में उड़ रहे हैं। कुछ घण्टों बाद उसने नीचे देखा तो मुद्र लहरा रहा था।

उसने कहा—"अरे! हम कहाँ हैं?"

गिल्बर्ट बोली—"भूमध्य सागर पार कर रहे हैं।"

वह फिर पुस्तक पढ़ने लगा। एक घण्टा और बीत गया। ने सिर उठाकर कहा—"ठहर। हम इस भूमध्य को कभी र भी कर सकेंगे?"

गिल्बर्ट ने जवाब न दिया।

नील को शक हुआ कि कुछ गड़बड़ हुई है। नील ने कहा—नीचे एक स्टीमर दिखाई पड़ता है। चल, वायरलेस करें।" ने ऑपरेटस के पास जाकर वायरलेस किया—'कृपया ाइयेगा, हम कहाँ हैं?"

स्टीमर से जवाब मिला—"न्यूयॉर्क से एक दिन की दूरी पर।

नील ने गिल्बर्ट को उसकी भूल समझाई।

गिल्बर्ट ने कहा—"परवाह नहीं, पृथ्वी गोल है। हम सही सलामत अफ्रिका पहुँचेंगे।"

फिर भी नील न हाँकने का चक्का खुद थामने का आग्रह किया। गिल्बर्ट गुस्सा हो गई, लेकिन वह केवल बनावटी था। क्योंकि पहुँचने के बाद दूसरे दिन गिल्बर्ट जेफ्र से कह रही थी—नील को क्या खबर कि यह तो मैंने जानबूझकर किया था। क्या नील मूर्ख नहीं है? जब उसे मालूम हुआ, कि हम अमेरिका के पास हैं, तब उसका मुँह न देखने लायक था।"

पहले डेरिक को होश आया। उसे कमर के जख्म के कारण खूब तकलीफ सहनी पड़ी। डोनल्ड भी धीरे-धीरे चगा हुआ। एक पखवाड़े में तो दोनों इतने तन्दुरुस्त हो गये थे कि शाम को हल्के सूर्य प्रकाश में बाहर बैठ सकते थे।

बातचीत

डेरिक ने कहा—"कहानी का अन्त तो फूस के समान रहा। हम फिर दूसरे सिंह का शिकार करने न गये ?"

मैंने कहा—"नहीं।"

जेफ्र ने कहा—"मैं अब अधिक सिंह देखना नहीं चाहता। अब मैं मनुष्य भक्तियों को देखना चाहता हूँ।"

गिल्बर्ट बोली—"क्या, मनुष्यभक्षी ? वाह !" फिर उसने हेल्गा से पूछा—"अच्छा बता, मनुष्यभक्षी क्या होता है ?"

हेल्गा ने कहा—"मैं मनुष्यभक्षियों से मिलूँगी।" वह उत्साह में नाचने लगी।

प्रकरण—५

सिंह के शिकार के बाद साहसी यात्रियों ने सोचा—"अब क्या करेंगे ?"

जेफ्री ने कहा—"अब तक तो खूब और अजब मजा रहा।"

डेरिक ने कहा—"ठीक कहते हो, लेकिन जानते हो, इसका कारण क्या है ? अब तक हमारी जान मुट्ठी में थी, लेकिन अब इसमें मजा न रहा, क्योंकि—" गिल्बर्ट और हेल्गा को चिढ़ाते हुए वह आगे कहने लगा—"क्योंकि इसमें कोई खतरा ही नहीं। 'बुलेट प्रूफ' कार में बैठे बैठे तो सब बहादुर बन सकते हैं।"

गिल्बर्ट ने कहा—"लुटेरों के हाथों कौन क़ैद हुआ था ? तुम से अधिक जोखिम तो मैंने उठाये हैं।"

नील बोला—"अपने राम की तो कार के अन्दर रहना पसन्द है।"

पिंकैरेट की भी यही राय थी। लेकिन मण्डली के बाल सदस्यों की यह राय रही कि कोई ऐसा साहस का काम करना चाहिए कि जिसमें खतरों का सामना करना पड़े।

डोनल्ड ने कहा—"चलो सभा करें।"

और वही बाक़ायदा मीटिंग शुरू हुई।

डेरिक ने कहा—"मैं प्रस्ताव करता हूँ कि हम कार को कहीं रख दें और पैदल चलकर कांगो के मनुष्यभक्षी जंगलियों को देखने जाँय।"

नील ने कहा—"मंजूर। लेकिन पिकैफ्ट और मैं किसी सुरक्षित स्थान में कार के साथ रहेंगे और छः सात हफ्तों के बाद जंगलियों के राजा की झोंपड़ियों के आसपास बिखरी हुई हज़ारों खोपड़ियों में से तुम्हारी खोपड़ियों की खोज करने को आवेंगे।

पिकैफ्ट ने उत्साहपूर्वक कहा—"वाहवाह! वाहवाह!"

गिल्बर्ट ने खीझकर कहा—"देख लो, इन दो कायरों को।"

नील बोला—"शायद पिकैफ्ट कायर है। अगर ईश्वर ने मुझे ऐसा बनाया होता कि जंगली लोगों की तीन तीन टोलियों के उत्सव भोजन के लिए मैं अकेला काफी होता, तो शायद मैं भी जाते हुए डरता। लेकिन ऐसे नरकंकाल शरीर को लेकर कौन जाय? मैं जानता ही हूँ कि वे लोग मुझे कभी न खायँगे।"

डेरिक कुछ सोच में पड़ा था। उसने एकाएक कहा—"हूँ ठीक सूझी। मैं पादड़ी बनकर जाऊँगा। नील, याद है? जब मैं तुम्हारी शाला में आया था, तब तुमने मुझसे पूछा था कि पढ़कर क्या करोगे और मैंने जवाब दिया था कि पादरी बनकर अफ्रिका जाऊँगा।

नील ने कहा—"बहुत ठीक ! तब तो हम सब वहाँ चलेंगे। लेकिन निहत्थे होकर !"

सब ने गड़बड़ मचाकर इसका विरोध किया। साश्चर्य भाव से नील बोला—'लेकिन डेरिक, हम एक हाथ में इंजील और दूसरे में छः नली पिस्तौल लेकर जायँ, यह तो उचित नहीं।"

डेरिक सोचने लगा। वह बोला—"मैं हाथ में इंजील रक्खूँगा और तुम सब मेरे साथ बन्दूक और बम लेकर चलना।"

जेम्स ने उत्साह के साथ कहा—"डेरिक, अपनी पिस्तौल तो तू अपनी पिछली जेब में रख सकेगा।"

पिक्सैफ्ट ने जरा मजाक करते हुए कहा—"पादरी और योद्धा भी !"

डेरिक ने गम्भीर भाव से कहा—"कुछ विचार के बाद मैंने तय किया है कि मैं बिना हथियार के ही जाऊँगा। लिविंग्स्टन ने एक भी आदमी को न मारा था।"

नील ने कहा—"बहुत ठीक, तो चलो। नक़्शे में काँगो के उत्तर में यह पर्वत श्रेणी दिखाई पड़ती है। अपनी कारों को रखने के लिए वहाँ एकाध गुफा तलाशें। चलो, अन्दर आ जाओ।"

बातचीत

गिल्बर्ट ने मुँह बिगाड़कर कहा—"कहानी में आप ही सब हुक्म करते हैं। मुझे यह कहानी वाहियात मालूम पड़ती है, और

डेरिक ने कहा—"कार को इस प्रकार छोड़ जाना उचित नहीं मालूम होता। कोई भले जगली लोग आ निकले और कार को देखकर हाथ लगा बैठें, तो बेचारे बेमौत मर जायँ।"

हेलगा ने कहा—"हाँ, सच तो है। हम गुफा का मुँह बन्द कर दें।"

इसके बाद उन्होंने बडे-बड़े पत्थर इकट्ठा करके मुँह के पास जमाये और गुफा बन्द की, लेकिन पिक्रैफ्ट तो अन्दर ही रह गया था। अफ्रिका की गर्म-गर्म हवा ने उसे वहीं सुला दिया था। दुबारा गुफा को खोले बिना छुटकारा न था।

पिक्रैफ्ट को बाहर निकालकर और कारों को सुरक्षित रूप से अन्दर छिपाकर वे जान को हथेली मे लिये चल पडे।

कम्पास के होशियार जानकार के रूप में जेफ्र आगे आगे चला। वे काँगो के उष्ण कटिबन्धवाल प्रदेश की हरियाली में से होकर आगे जा रहे थे।

तोते और दूसरे रंग बिरंगे पखोवाले पक्षी इधर-उधर उड रहे थे।

बातचीत

गिल्बर्ट ने धिक्कार के साथ कहा—"तुझे भूगोल मे तो शून्य आती है। तुझे पक्षियो के पूरे नाम भी याद नही हैं।"

जेफ्र ने तिनककर कहा—"हाँ हाँ, गिल्बर्ट, तू मर गई है यह बहुत ही अच्छी बात है। तू बडी आफत है।"

गिल्बर्ट ने उसे मुँह चिढाया।

कहानी

सैकड़ों बन्दर पेड़ो पर किलकिला रहे थे। कभी कभी रास्ते में एकाध बड़ा अजगर भी जाते हुए मिल जाता। दिन होने के कारण एक भी शिकारी जानवर दिखाई न पड़ता था, लेकिन अँधेरा हुआ और सबके पैर काँपने लगे।

नील ने घबड़ाकर कहा—"हमें अलाव जलाना चाहिए, और हम में से किसी को सारी रात पहरा भी देना होगा। डेरिक मिशनरी के बदले अगर तेरी महत्वाकांक्षा ड्राइवर बनने की होती, तो बहुत अच्छा था। मेरी तो छाती धड़क रही है।"

डेरिक ने कहा—"हिम्मत रक्खो। पहले दो घण्टे मैं पहरा दूँगा।"

झटपट सूखी लकड़ी चुनी गई और थोड़ी देर में तो जंगल की घाटी में गरम अलाव सुलगने लगा। हिंस्र पशुओं की गर्जना सारी रात सुनाई दी और पहली रात तो किसी को नींद ही नहीं आ सकी। बाज वक्त दोहरी बत्तियों (सिंह या बाघ की दो आँखों) पर पहरेदार की नजर पड़ती। एक बार तो एक हाथी पेड़ तोड़ता-मरोड़ता नज़दीक आ पहुँचा, लेकिन आग देखकर मारे डर के चिंघाड़ता हुआ ऐसे भाग गया, मानो सारे जंगल को रौंद डालेगा। सचमुच रात बड़ी भयावनी थी और हर एक अपने मन में कह रहा था कि इसकी अपेक्षा तो फार्म में रहना ठीक था। पौ फटी और वे लोग सबेरे का नाश्ता तैयार करने लगे।

डेरिक ने कहा—"जेफ्रे चल, हम कुछ शिकार खेल आवें।"

जेफ़ उछल पड़ा और बोला—"अरेरे! हम तो अपने रिबनें और मोती वगैरह सब गाडी ही में छोड़ आये हैं।"

पिक्रैफ्ट ने लापरवाही के साथ कहा—"तुम तो भूल गये थे पर जब तुम मुझे गुफ़ा के अन्दर से बाहर निकाल रहे थे तब रबर का मोजा पहनकर यह पोटली मैंने कार में से ले ली थी। लो, यह रही।"

उन्होंने पोटली खोली और सुन्दर चमकीले, रंग बिरंगे गहनों को देखकर सासागग की आँखें वहीं ठिठक गईं।

"आदमखुर राजा अच्छा-अच्छा माल लानेवाला आदमी को खाता नईं। अम पहले जाता और खुर राजा से कहता। गोरे लोग, अच्छी रगीन चीजें। गोरे लोग दोस्त बिरादर।"

हेल्गा ने नील के कान में कहा—"क्या तुम समझते हो कि सचमुच ही यह भला आदमी है?"

नील ने जवाब दिया—"अवश्य ही यह मजे का आदमी है, और हमें यह कोई नुकसान तो पहुँचा ही नहीं सकता।"

सासागग ने लड़कों को गैजेल जाति के हरिणों का पीछा करना सिखाया, जगली जीवन के विषय में उन्हें बहुतेरी बातें बताईं, और साथ ही पागल हाथी के लक्षण और उसे पहचानने का तरीक़ा भी बताया।

सासागग ने कहा—"हाथी के कान यों-यों हिलें, तुम मरे।" उसने हाथ हिलाकर बताया।

उन्होंने दो दिन तक यात्रा चालू रक्खी। वे एक खुले मैदान

पहुँचे। यहाँ डोनल्ड ने सबको कोई चीज दिखाई।

डेरिक ने चिल्लाकर कहा—"आहा! यह तो चींटियों की बड़ी भारी सेना है।"

सासागग ने संक्षेप में कहा—"आदमखुर आदमी के झोंपड़े।"

गोरों ने सुना, डरे और ठिठके।

सासागग ने कहा—"डरो नहीं, डरो नहीं, आदमखुर दिन को मारता नहीं। रात को मार खाता। अम खुद राजा के पास जाता और कहता, गोरा लोग आया।"

सासागग ने कहा कि वह पहले खुद अकेला आगे जायगा और मुखिया को सबके आने की खबर देगा। उसने सबको जंगल की छाया में आराम करने और राह देखने को कहा। दो घण्टे में वह वापस आया। आकर कहा—"आदमखुर राजा कहता, अम धौल लोग चाहता।"

पिक्रैस्ट ने कहा—"हो सकता है! कैसे चाहता है, तले हुए या भुने हुए?"

सासागग बोला—"अम ने आदमखुर राजा से कहा, धौले लोग, खूब-खूब काँच काँच। धौले लोग, दवाई। राजा जवाब दिया, धौले लोग डरे नहीं। अच्छे अच्छे दिन काले लोग आदमी खाते।"

गोरे सशंक भाव से एक दूसरे को देखते रहे।

हेलना बोली—"मैं वापस कार में जाना चाहती हूँ।"

जेफ्री उछल पड़ा और बोला—"अरे! हम तो अपनी रिबनें और मोती वगैरह मन गाड़ी ही में छोड़ आये हैं।"

पिक्रैफ्ट ने लापरवाही के साथ कहा—"तुम तो भूल गये थे, पर जब तुम मुझे गुफा के अन्दर से बाहर निकाल रहे थे तब रबर का मोजा पहनकर वह पोटली मैंने कार में से ले ली थी। लो, यह रही।"

उन्होंने पोटली खोली और सुन्दर चमकीले, रंग-बिरंगे गहनों को देखकर सासागग की आँखें वहीं ठिठक गईं।

"आदमखुर राजा अच्छा-अच्छा माल लानेवाला आदमी को खाता नईं। अम पहले जाता और खुर राजा से कहता। गोरे लोग, अच्छी रंगीन चीजें। गोरे लोग दोस्त निरादर।"

हेल्गा ने नील के कान में कहा—"क्या तुम समझते हो कि सचमुच ही यह भला आदमी है?"

नील ने जवाब दिया—"अवश्य ही यह मजे का आदमी है, और हमें यह कोई नुकसान तो पहुँचा ही नहीं सकता।"

सासागग ने लड़कों को गैजेल जाति के हरिणों का पीछा करना सिखाया, जंगली जीवन के विषय में उन्हें बहुतेरी बातें बताईं, और साथ ही पागल हाथी के लक्षण और उसे पहचानने का तरीका भी बताया।

सासागग ने कहा—"हाथी के कान यों यों हिलें, तुम मरे।" उसने हाथ हिलाकर बताया।

उन्होंने दो दिन तक यात्रा चालू रक्खी। वे एक खुले मैदान

में पहुँचे। यहाँ डोनल्ड ने सबको कोई चीज दिखाई।

डेरिक ने चिल्लाकर कहा—"आहा! यह तो चीटियों की बड़ी भारी सेना है!"

सासागग ने संक्षेप में कहा—"आदमखुर्र आदमी के झोपड़े।"

गोरों ने सुना, डरे और ठिठके।

सासागग ने कहा—"डरो नइँ, डगे नइँ, आदमखुर्र दिन को मारता नइँ। रात को मार खाता। अम खुर्र राजा के पास जाता और कहता, गोरा लोग आया।"

सासागग ने कहा कि वह पहले खुद अकेला आगे जायगा और मुखिया को सबके आने की खबर देगा। उसने सबको जगल की छाया में आराम करने और राह देखने को कहा। दो घण्टे में वह वापस आया। आकर कहा—"आदमखुर्र राजा कहता, अम धौल लोग चाहता।"

पिक्रैफ्ट ने कहा—"हो सकता है! कैसे चाहता है, तले हुए या भुने हुए?"

सासागग बोला—"अम ने आदमखुर्र राजा से कहा, धौले लोग, खूब-खूब काँच काँच। धौले लोग, दवाई। राजा जवाब दिया, धौले लोग डरे नइँ। अच्छे अच्छे दिन काले लोग आदमी खाते।"

गोरे सशंक भाव से एक दूसरे को देखते रहे।

हेल्गा बोली—"मैं वापस कार मे जाना चाहती हूँ।"

डोनल्ड ने सिसकते हुए कहा—"मैं भी।"

नील डरते-डरते बोला—"उनका अच्छा दिन कब आता है?"

मासागग ने जवाब दिया—"आदमखुर कहा नहीं। वो देखो, भालावाला राजा आता।" यों कहकर उसने जंगली भालेवालों की टोली की ओर इशारा किया। वे नंगधड़ंग थे। उनके पास चौड़े फलवाले भाले थे और गाय के चमड़े की ढालें थीं। यह दृश्य देखकर गोरे यात्रियों के चेहरे पीले पड़ गये।

डेरिक ने कहा—"मैं डरता नहीं।" पर उसकी आवाज में कॅपकँपी थी—"इन मूर्तिपूजकों का मैं सच्चे धर्म का उपदेश करूँगा।"

जंगली और नजदीक आकर रुक गये। उनका मुखिया कुछ बोला, और सब ने अपनी जबान बाहर निकाली। डोनल्ड ने सोचा, ये कुचेष्टा कर रहे हैं, इसलिए जवाब में उसने भी जीभ निकाली और ऊपर से नाक पर अपनी अँगुली रक्खी। जंगली लोगों की सलाम का इससे जवाब मिल गया और जंगलियों ने सोचा कि यही इस मण्डली का मुखिया है। जंगलियों के मुखिया ने डोनल्ड के बूट पर थूका। डोनल्ड ने उसकी आँख में थूक दिया। मुखिया हा हा हा करके जोरों से हँसा और बोला—'पोकाहोना।"

मासागग ने बताया कि पोकाहोना का मतलब है, अच्छा थूका।

तब से डोनल्ड को सब जंगली अच्छा बूकनेनाल के नाम से पहचानने और बखानने लगे।

जंगलियों के सरदार ने गोरे मेहमानों के आदर-सत्कार का सुन्दर प्रबन्ध किया था। उन्हें हिफाजत के साथ लाने के लिए सिपाहियों की एक गारद अगवानी को भेजी थी। सिपाहियों की दो क़तारों के बीच यात्री चले जा रहे थे। गारद के जमादार के साथ मासागग गधे हाँकता आ रहा था।

वे गाँव के निकट आये।

उनके घर देखकर नील ने कहा—"जान पड़ता है, ये झोंपड़ियाँ गारे और पत्थर की बनाई हुई हैं।"

हेल्गा ने बाईनॉक्यूलर्स चढाये, झोंपड़ों को देखते ही वह भय भीत होकर ठिठक गई। उसने कहा—"अरे यह पत्थर नहीं हैं, ये तो खोपड़ियाँ हैं। ओ माँ रे!"

मासागग ने कहा—"छि! खोपड़ी खूब खूब। बड़ी-बड़ी लड़ाई, भतेरे बरस पैले बड़ी लड़ाई। मौत काले आदमी मरे। खूब-खूब, बहुत खूब, खाना पीना। हा हा हा।" कहकर वह खिलखिला पड़ा।

वे गाँव में घुसे और औरतें और बच्चे उन्हें देखने को आये। एक बड़े से झोंपड़े की ओर वे ले जाये गये। उसके चारों ओर खोपड़ियों का एक क़िला था।

जेफ़ ने कहा—"यह घर सरदार का होना चाहिए।"

जेफ़ ने आदमख़ोर लोगों के बारे में अनेक पुस्तकें पढ़ी थीं।

झोपडी के दरवाजे के पास आकर जुलूस रुक गया। ऊँचे आदमी झोपडी के अन्दर से निकले। पिक्रैफ्ट ने अप टाप ऊँचा करके उन्हें सलाम किया।

मासागग ने कान में कहा—' ये मुखिया नहीं। ये गानेवाला

वे नीचे बैठे और नक्कारे और ढाल बजाने लगे। आध घ तक वे बजाते रहे।

अधीर होकर डेरिक ने पूछा—"अब हम किसकी बाट जो रहे हैं ?"

सासागग ने कहा—"बडा मुखिया झट मिलता नहीं। पह गाना, गाना।"

आखिर ढोल-ताशे बन्द हुए। सिपाहियों के जमादार ने हुक् दिया और सिपाहियों ने जमीन पर लेटकर धरती से अपने सि छुलाये। दरवाजे के सामने से धीरे धीरे चटाई का पर्दा हटा औ सबके सामने सरदार दिखाई पडा। सचमुच, वह देखने में ब भयंकर था। वह छः फीट ऊँचा और पिक्रैफ्ट से तीन गु मोटा था।

वह लगातार गुनगुनाने और बोलने लगा। वह रह रहक रुकता जाता था और सासागग तरजुमा करता जाता था।

"वाली साकी इन्सीन टु आली इन्डी टुलोस्टो।" उस कहा—"इयारी कट्टुटशो टिल इनी टारी सोको टीम बोको अ पहोरो। टुगा सक थोके सीरोमा बोरको टौन्सॉक टु बिलस्टा। अफाला सीग साकी कट्टुटशो बालि सॉन्डोइन ट्रू,बो। "

दस मिनट तक वह बराबर बोलता रहा।

सासागग ने कहा—"यह सलाम हुई।"

फिर सरदार का भाषण पूरे पचहत्तर मिनट तक होता रहा।

सासागग ने उसका जो उत्था किया था, वह सक्षेप में इस कार था—

"सलाम, इससे पहले मैंने गोरे लोगों को देखा नहीं था। ापका स्वागत करता हूँ। कुछ उपहार लाये हैं? यह छोटी ोकरी मुझसे ब्याह करेगी?"

सासागग द्वारा उन्होने उत्तर दिया—"हम गाँव की सुन्दर नावट देखकर मुग्ध हुए हैं। हमारी यात्रा में जो-जो लोग हमें ले, उनमें सरदार सबसे खूबसूरत हैं। छोटी गोरी छोकरी को कहते हुए हार्दिक खेद होता है कि 'वह सरदार साहब से ाह नही कर सकेगी, क्योंकि वह 'बड़े थूक' को ब्याह चुकी है।"

डोनल्ड के साथ सासागग की खासी दोस्ती हो गई थी। वह ा कि कहीं सरदार डोनल्ड को खा न जाय और रैलगा का ापा भुगतना पडे। इसलिए उसने अपनी ओर से कुछ मिला- कहा—"बड़ा थूक बहुत भयंकर आदमी है। उसके थूक में भरा है। कोई उसे सतायेगा तो वह थूकेगा और उसके थूक ाक्षस पैदा होंगे। वे राक्षस सरदार के सिपाहियों, ढोरों और ेतों को मार डालेंगे।"

गोरों को इस रहस्य का क्या पता? परन्तु सबको डोनल्ड ओर भयभीत दृष्टि से ताकते हुए देखकर गोरों को आश्चर्य

सरदार इस बुरी तरह से डर गया था कि अगर डेरिक यह कहला देता कि कल से हम गाँव को खाना शुरू करेंगे, तो उसके लिए भी वह इजाजत दे देता।

सम्माननीय मेहमानों के नाते वे खास झोंपडी में ठहराये गये थे।

पिन्कैंस्ट बोला—"मेरी तो यह राय है कि हमें सारी रात बारी-बारी से पहरा देना चाहिये। रात को अगर आराम से सो गये तो एकाएक जागने पर हम अपने को गाँव के चौक में दबे हुए उस बड़े डेग में उबलते पायेंगे।"

यह तय हुआ कि हर एक आदमी बारी-बारी से आधा आधा घण्टा सारी रात पहरा दे।

लेकिन डेरिक ने कहा—"इसकी कोई जरूरत नहीं है। अगर हम दरवाजे के सामने बन्दूकें रखकर सो जायँ, तो किसी की मजाल नहीं कि अन्दर घुसने की हिम्मत करे।

आखिर सबने ऐसा ही किया। पर पहली रात तो नींद किसी के पास फटकी तक नहीं।

सवेरे सरदार ने अपने कामदार को भेजा और पुछवाया—"धर्मोपदेश का काम कब आरम्भ होगा?"

डेरिक ने दस बजे का समय दिया और दस बजे मैदान गाँववालों से भर गया। एक बड़ा-सा गोल घेरा बनाकर सब बैठे थे।

लकड़ियों का एक चौतरा बनाया गया था। एक हाथ में धार्म

नल लेकर डेरिक उसपर चढा। उसने गोरे लोगों से प्रभु की, स्वर्ग की, और नर्क की तमाम बातें कहीं। प्रार्थना समझकर उसने बाइबल का सौवाँ गीत गा डाला। जब यह सब समाप्त हुआ, तो एक आदमी चौतरे के नजदीक आया और सिर झुकाकर बोला—"गोरे लड़के, मैं तुमसे पूछता हूँ, तुम्हारे देश में लडाइयाँ होती हैं?"

डेरिक ने कहा—'हाँ।'

"आदमी चोरी करते हैं? आदमी एक दूसरे की हत्या करते हैं? धोखा देते हैं? परस्पर मार काट करते हैं? झूठ बोलते हैं?"

डेरिक का क़बूल करना पड़ा कि उसके देश में लोग चोरी करते हैं, झूठ बोलते हैं, और एक दूसरे की हत्या भी कर डालते हैं।

"ऊँह" बूढ़े आदमी ने कहा—"तब तो हमारे देव तुम्हारे देवों की तरह ही अच्छे हैं।" इतना कहकर बूढा चला गया।

इसके बाद सामागग ने डेरिक से कहा कि तुम्हारी बातों का लोगों पर बहुत अच्छा असर पडा है। डेरिक ने नम्रता प्रकट की।

सामागग ने कहा—"पर बूढा आदमी, वह जो बोला, बूढा पुजारी बड़ो हुकूमतवाला, बुड्ढा, गोरे छोकरों को मारना चाहता।"

रोज सुबह दस बजे सभायें होतीं। सभा में बूढ़ा पुजारी घोला भी उपस्थित होता और भोंडा सा मुँह बनाकर खड़ा रहता।

पिक्रैस्ट ने कहा—"उस बूढ़े जंगली का मुँह मुझे नहीं सुहाता। कल इनकी बड़ी धार्मिक दावत है। सासागग मुझसे कहता था। और मेरा ख्याल है कि वे भोजन में हमें उड़ानेवाले हैं।

नील बोला—"हममें से कोई अकेला न घूमे।"

डेरिक ने आपत्ति की—"लिविंगस्टन कभी डरता न था, तो मैं क्यों डरूँ? मैं बाइबल लेकर घूमूँगा, तो किसकी छाती है कि मुझपर हाथ डाले?"

जेफ्रे ने कहा—"तेरा सिर घूम गया है। सबेरे रोज औरतें तुझे निहारा करती हैं, सो फूल के कुप्पा हुआ जा रहा है। कुछ ही क्यों न हो, हम तो अकेले नहीं निकलेंगे।"

इस बात-चीत के दो घण्टे बाद वे खाने बैठे। डेरिक उस समय उपस्थित नहीं था।

हेल्गा बोली—"मैंने उसे हड्डियों के ढेर पर बाइबल पढ़ते देखा था।"

आध घण्टा बीत गया, और एक घण्टा बीता।

नील ने कहा—"कुछ दाल में काला मालूम पड़ता है। सासागग, जरा इधर आ। जाकर देख तो, डेरिक कहाँ है।"

पाँच मिनट में तो सासागग हाँफता-काँपता वापस आया।

"एक औरत। चीलाड्रेक बात। चीला खिल खिल हँसना, और ट्रेव खिल खिल। चीलाड्रेक चले जाते।"

पिक्रैस्ट ने मुस्तमर कहा—"आधी रात को दावत शुरू होने

पाली है। नौजवानों, बन्दूकें भर लो। शायद हम उसे बचा सकें। ढिलाई न करो। एक एक पल क़ीमती है। सासागग, तू जानता है, दावत के दिन ये लोग बलि कहाँ चढ़ाते हैं ?"

सासागग ने कहा—'जानता।"

पिन्कैट बोला—"बहुत ठीक। चल, उठा ये डेरिक के हथियार। हमें वहाँ तक ले चल।"

गाँव के रास्ते सासागग के पीछे-पीछे वे एक कतार में जंगल की ओर चले। भयंकर शान्ति थी।

एकाएक डॉनल्ड रुका। उसने कहा—"मेरे बूट पर कुछ मालूम पड़ता है, जैसे पतले गुड़ पर पैर रख रहा होऊँ।"

नील ने अपनी बत्ती जलाई और वह पीछे को हटा। डोनल्ड के बूट पर बड़ी-बड़ी काली चीटियों ने धावा बोल दिया था।

भयभीत होकर जेफ़े चिल्ला उठा—"मैं जानता हूँ। मैंने इस सम्बन्ध में पढ़ा है। यह जंगली लोग आदमी को जमीन में गाड़ देते हैं और उनके गले में शहद उँडेलते हैं। फिर चींटियों के बिल तक शहद की लम्बी धार बना देते हैं। अरे, बेचारा डेरिक! यह कैसी भयानकी मौत !"

वे आगे बढ़े। धार पहाड़ी पर जाती थी। फिर वे एक खुली घाटी के नजदीक पहुँचे। उस समय चन्द्रोदय हो रहा था। वे एकाएक वहीं थम गये। उस जगह उन्होंने एक भयंकर दृश्य देखा। वे भयभीत हो गये। पुजारी गोल चक्कर में खड़े थे और कुछ पढ़ रहे थे।

"वन के देवों ने हमारे शत्रु को हमें सौंपा है। इस नास्तिक को हम खावेंगे नहीं। यह नापाक है, नालायक है। पेट में इसका मास जाने से हमारे मास में इसके झूठे देव घुस जायेंगे। ये बड़ी चीटियाँ, ये मकोड़े, इसे सारा का सारा खा जायँ। ऐ चीटियो! धीमे धीमे और अच्छी तरह अपना काम करना।"

पिनैंफ्ट ने धीरे से कहा—"धड़ाका न करो। इनके झुण्ड में घुस चलो। निहत्थे आदमियों को मारना उचित नहीं।"

वे आगे बढ़े। बड़ा पुजारी चिल्लाया और हर एक पुजारी अपना अपना छुरा तानकर खड़ा हो गया।

बड़े पुजारी ने कहा—"ठहरो, पहले हम कुछ बातें कर लें।"

मामागग बोला—'बातचीत बातचीत दगा। डूके होइयाँ! पुजारी, लड़का लौटाता? नहीं तो मारता।"

पुजारी जोर हँसी हँसते हुए बोला—"किसकी हिम्मत है, जो पुजारी को मार सके? देव उसकी रक्षा करते हैं।"

जेफ़ ने कहा—"अच्छा, तो भून दो इनको।"

डोनल्ड चिल्लाया—"पहले हवा में खाली फ़ायर करो।"

धुडुम धुडुम् पाँच आवाज़ें हुईं।

... पैर उखड़ गये। बड़े पुजारी के पीछे पीछे वे ... ओर भागे। ज़मीन में गड़ी हुई लाश की ओर ... चींटियाँ लगभग उसके मुँह तक आ पहुँची थीं।

... फूटे शब्दों में कहा "व य य चा!" और उसी ... श हो गया।



'चींटियाँ लगभग उसके मुँह तक आ पहुँची थीं।

जल्दी से उन्होंने उसे बाहर निकाला, नील ने उसे आए
पिलाई और थोड़ी देर में उसे होश आया।

सारी रात वे जंगल जंगल भटके। मौका खतरनाक था,
उन्हें कोई मिला नहीं।

बातचीत

मैंने कहा—"आज इतना ही।"

गिरगट बोली—"बड़ी कहानी! मजा क्या आये?"

[illegible] बोली—"तू इसमें नहीं है, इसी से जलती है, क्यों?

गिरगट ने कहा—"ऊँह, ऐसी वाहियात कहानी में कौ

"वन के देवों ने हमारे शत्रु को हमे सौंपा है। इस नास्तिक को हम खावेंगे नहीं। यह नापाक है, नालायक है। पेट मे इसका मास जाने से हमारे मास में इसके झूठे देव घुस जायँगे। ये बड़ी चीटियाँ, ये मकोड़े, इसे मारा का सारा खा जायँ। ए चीटियो! धीमे धीमे और अच्छी तरह अपना काम करना।"

विक्रैफ्ट ने धीरे से कहा—"धडाका न करो। इनके झुण्ड म घुस चलो। निहत्थे आदमियों को मारना उचित नहीं।"

वे आगे बढे। बड़ा पुजारी चिल्लाया और हर एक पुजारी अपना अपना छुरा तानकर खडा हो गया।

बडे पुजारी ने कहा—"ठहरो, पहले हम कुछ बातें कर लें।"

सासागग बोला—'बातचीत बातचोत दगा। ठीक होइयाँ! पुजारी, लडका लौटाता? नहीं तो मारता।"

पुजारी कठोर हँसी हँसते हुए बोला—"किसकी हिम्मत है, जो पुजारी को मार सके? देव उसकी रक्षा करते हैं।"

जेफ्रे ने कहा—"अच्छा, तो भून दो इनको।"

डोनल्ड चिल्लाया—"पहले हवा में खाली फायर करो।"

धुड़ुम् धुड़ुम् पाँच आवाजें हुईं।

पुजारियो क पैर उखड गये। बडे पुजारी के पीछे पीछे वे जगल की ओर भागे। जमीन मे गड़ी हुई लाश की ओर वह दौड़ बढे। चीटियाँ लगभग उसके मुँह तक आ पहुँची थीं। टेरिक ने टूटे फूटे शब्दों मे कहा "ब ब ब चा!" और उसी दम वह बेहोश हो गया।



'चींटियाँ लगभग उसके मुँह तक आ पहुँची थीं।

गरदों से उन्होंने उसे बाहर निकाला, नीता ने उसे ब्राण्डी पिलाई और थोड़ी देर में उसे होश आया।

सारी रात वे जंगल जंगल भटके। मौका खतरनाक था, पर उन्हें कोई मिला नहीं।

बातचीत

मैंने कहा—"आज इतना ही।"

गिल्बर्ट बोली—"सड़ी कहानी! मजा क्या आवे?"

हेल्गा बोली—"तू इसमें नहीं है, इसी से जलती है, क्यों?"

गिल्बर्ट ने कहा—"ऊँह, ऐसी वाहियात कहानी में कौन रहे?"

मेरी ओर देखकर कहने लगी—"अच्छा हुआ, मैं मर गई। भूलना नही कि मैं मर चुकी हूँ। दुबारा मैं कहानी मे न आ सकूँगी। तैंने ही कहा है कि मैं मर गई हूँ। और अफ्रिका मे आदमखोर आदमी ही नही हैं। कागा बेलजियम के अधीन है और उसमें जगली लोग हैं नही। तू अपने डोनल्ड को झूठा भूगोल सिखाया कर।"

डेरिक बोला—"चुप भी रह! मैंने जिन लोगों को ईसाई बनाया था, वे मेरी मदद को क्यो नहीं आये?"

"तैंने उन्हे बदला ही नही था, मूर्ख! वे तो तेरे खूबसूरत चेहरे पर लट्टू हो गये थे।"

जेफ्री ने कहा—"मुझे तो कहानी मूर्खतापूर्ण मालूम होती है। किसी की मौत तो आती ही नहीं। उन पुजारियों को हम मारते तो जरा लुत्फ भी आता।"

डोनल्ड ने कहा—"मुझे वह थूकवाली बात बिलकुल पसन्द नहीं। तुम कहते थे कि मैं थूकूँ तो सब मर जायँ, पर मैंने तो किसी को मारा ही नही।"

हेल्गा बोली—"हाँ, और सब काम विक्रैस्ट ही करता है। मैं नही समझती कि वह इतना होशियार निशानेबाज है।"

गिल्बर्ट ने कहा—"ठीक कहती हो, और नील भी बहुत होशियार बनता है। कहानी मे खुद बार बार होशियारी बताता है लेकिन हम जानते हैं न कि वह कैसा महान् मूर्ख है? क्यों?"

प्रकरण—६

दस दिन तक तो वे जंगल में भटके। दसवें दिन साँझ को वे अलाव सुलगाकर उसके चारों ओर बैठे थे। विन्सेंट अपने बचपन की बातें कह रहा था और वे सुन रहे थे। विन्सेंट ने बचपन में ढोर भी चराये थे। बातों का रंग कुछ ऐसा जमा कि डेरिक, जो पहरा दे रहा था, अपनी जगह छोड़कर बातें सुनने चला आया। एकाएक विन्सेंट रुका और सामने की ओर देखने लगा। उसके चेहरे पर भय था। सुननेवालों ने मुड़कर देखा कि क्या है?

उनके सामने भयानक सूरत-शकल के योद्धा खड़े थे।

गोरों ने फुर्ती से अपनी राइफलें सम्हाल लीं।

जेफ ने सासागम से कहा—"इनसे कह, कि अगर एक भी भाला हम पर चलाया कि हम सब को साफ कर डालेंगे।"

सासागम ने यह बात कह दी।

उनका मुखिया भाले की नोक जमीन की ओर करके आगे बढ़ा। इसका मतलब यह था कि वह सुलह की बात चीत करना चाहता था।

उसने कहा—"तुम लोग महान् गोरी महारानी के मुल्क में हो। इस मुल्क का यह क़ानून है कि जो भी गोरे लोग इस जमीन पर पैर रक्खें, फौरन कत्ल कर डाले जायँ।"

ये मौत से खेलनेवाले अचम्भे में आकर एक दूसरे को

ताकने लगे।

पिन्कैस्ट ने कहा—"बेवकूफ, अभी तक तेरा यह खयाल है कि महारानी विक्टोरिया जिन्दा हैं ?"

टेल्गा ने पूछा—"यह तुम्हारी गोरी रानी है कौन ?"

उसने जवाब दिया—'शिलवरो। भली, सुन्दरी, सयानी शिलवरो।"

बातचीत

जेफ़े ने डसॉस की ओर बोला—"यह तो गिल्बर्ट है।"

गिल्बर्ट चिढ़ी। उसने आपत्ति की—"मैं तो मर चुकी हूँ। तुमने डेरिक की बात सुनी है न ! वह कहता था कि मैं मर गई हूँ। अब मुझे फिर से जिन्दा नहीं ला सकते।"

डेरिक ने कहा—'बेहूदी ! उसने क्या कहा, सो नहीं सुना ? गिलनेरा, सुन्दरी गिलनेरा, तू वहाँ आई कहाँ से ?"

कहानी

नील ने कहा—"हमें पता न था कि हम गैरकानूनी तौर से तुम्हारी भूमि में आ पहुँचे हैं। हम तुम्हारी इस रानी से मिलना भी नहीं चाहते। जरा मेहरबानी करके हमें सरहद् का रास्ता बता दो। हम तुम्हारी हद से निकल जायेंगे।"

जब सामागम ने इसका उल्था कह सुनाया तो उस बूढ़े आदमी ने सिर हिला दिया। उसने शान्ति से कहा—"मैं तो हुक्म का ताबेदार हूँ। मुझे फरमान मिला है कि हमारे मुल्क में जो-जो गोरे लोग आवें, उन्हें मैं कत्ल कर डाला करूँ।"

डेरिक ने कहा—"सासागग, इसे समझा दे कि हम यो मरना नहीं चाहते। और कह दे, कि मिनटों में हम सिपाहियों के इस जत्थे को जमींदोज कर सकते हैं।"

लेकिन उस बूढे ने असम्मति प्रकट की। वह बोला—"नामुमकिन है। तुम थोडे हो, और हम बहुत हैं।"

डेरिक बोला—"तो इस बूढ़े से कह, कि जरा मेरी ओर देखे।" इतना कहकर डेरिक ने पेड की 'कलगी' पर बैठे हुए एक नन्हे बन्दर को ताककर फायर कर दिया। बेचारा बन्दर जमीन पर आ गिरा।

वातचीत

गिल्बर्ट बोली—"देखा, कितनी झूठ! कहता था न कि सब अलाव ताप रहे थे! अँधेरे में बन्दर को कैसे ताका? ठीक से कहानी कहना आता भी है?"

कहानी

सौभाग्य से जब डेरिक बातें कर रहा था, तब सबेरा हो चुका था। जंगली सिपाही पिस्तौल के धडाके से भयभीत हो गये। वे समझ न सके कि बन्दर कैसे मर गया। ऐसा मालूम हुआ मानों वे इसी दम भाग खडे होंगे। उनका बूढा अगुआ थर थर काँप रहा था।

एकाएक एक कद्दावर जंगली झाडी से निकलकर सामने आया। वह कोई अफसर मालूम पडता था। उस बूढ़े अगुआ ने सिर झुकाकर उसे सलाम किया। बूढ़ा बडी देर तक उससे न

पहले खाने पीने से निबट लीजिये, फिर वह आपकी फाँसी का हुक्म जारी करने की मेहरबानी करेंगी।"

इस बीच नील ने सिपाहियों को गिनना शुरू कर दिया था। उसने पिकैंस्ट के कान में कहा—"पिकैंस्ट, अगर डोनल्ड और हल्ला हमें बन्दूकें भर-भरकर देते जायँ, तो हम इन सबको एक साँस में जमींदाज कर सकते हैं या नहीं? तुम्हारा क्या खयाल है?"

पिकैंस्ट ने जरा खिन्न होकर कहा—"असम्भव। अभी हमारे लिए शोरवा बनाने की तैयारी हो रही है और आधे घण्टे में शोरवा बन जायगा। भई, मैं तो मारे प्यास के मरा जा रहा हूँ।"

हर एक को जोरों की प्यास लगी थी। कुछ देर में वे एक झोंपड़े में ले जाये गये। वहाँ उन्हें फलों की ठण्डी शराब पिलाई गई, पीते ही सब ने ताजगी का अनुभव किया।

कुछ देर के लिए वे अपनी भयंकर स्थिति को भूल गये।

नील ने पिकैंस्ट से कहा—"मुझे जरा नींद सी आती है।"

लेकिन पिकैंस्ट तो जमीन पर पहले ही से खर्राटे ले रहा था। हैल्ला और डोनल्ड भी ऊँघ रहे थे।

डेरिक और जेक अपनी आँखें खुली रखने की भरसक कोशिश कर रहे थे।

नील ने कहा—"जरा पाँच मिनट मो सो लेने दो।"

कुछ देर में वह जागा और आँखें मलने लगा। लेकिन उसके हाथ बँध गये थे। उसने फुर्ती से अपने चारों ओर देखा। उसके

साथी भी जंजीर में जकड़े हुए थे। उसने मर्थ को पुकारकर



'उनमें से एक ने कहा—"अदालत में" और हेल्गा को धक्का मारकर आगे किया।'

लिया (नील) कार रास्ता वापस आता।"

सासांगग की बात सच निकली। बीस आदमियों के साथ व कार खोजने चले। रवाना होने से पहले रानी उनसे मिली।

रानी ने कहा—"जाने आने के लिए आपको तीन हफ्तों की मोहलत देती हूँ। इक्कीसवें दिन आप जहाँ होंगे, वहीं आपको मार डालने का हुक्म अपने आदमियों को मैं सुना चुकी हूँ।"

उनकी भयकर यात्रा शुरू हुई। जेक्स और डेरिक नक्शे के लिए लड पडे और छीनाझपटी में उसके टुकडे टुकडे हो गये।

नील ने कहा—"मुझे जरा भी औसान नहीं है कि कार कहाँ रक्खी है।"

उनमे से किसी और को भी कुछ पता न था।

पिक्रैफ्ट ने कहा—"तो हम अभी ह इनके भालों की नोक मे बिधकर क्यों न मर जायँ ? बीस दिन बाद मरना तो पडेगा ही। फिर मौत के डर मे जीने से तो अभी मर जाना बेहतर है।"

• उधर हेल्गा कागज के पुर्जे पर नक्शा बना रही थी।

उसने अपना ड्राइंग दिखाकर कहा—"मुझे याद है कि उस जगह ऐसे पहाड़ थे।"

डेरिक निराश होकर बोला—"इससे कुछ लाभ न होगा।"

हेल्गा ने कागज का पुर्जा फेंक दिया। सासांगग पास ही खडा था। उसने सोचा, शायद भूल से पुर्जा नीचे डाल दिया होगा। उसने पुर्जा उठा लिया।

चित्र देखकर वह बोला—"ओहहा! हम पहाड जानता।

महीने में वहाँ रहा।"

जेफ़ ने उत्साहपूर्वक मुट्ठी बाँधते हुए कहा—"तू हमें वहाँ ले चलेगा ?"

वह बोला—"अच्छा अम वाँ चलता। झट चलो, अम जाता।"

दस दिन में वे गुफ़ा के पास पहुँचे।

नील ने कहा—"किसी ने गुफ़ा खोली है।"

सचमुच ही दरवाज़े पर रक्खे गये पत्थर किसी ने हटाये थे। वे सोचने लगे कि अभी उन्हें बिजली के झटके से मरे हुए अभागे लुटेरे दिखाई पड़ेंगे। पर वहाँ कोई न था।

पिकैफ्ट बोला—"आश्चर्य है!"

जंगली कार देखकर निराश हुए।

नील ने कहा—"बदमाश, हमें खाना चाहते हैं। इनकी इच्छा तो यही थी कि हमें कार न मिले। ख़ैर। अब सवाल यह है कि यहाँ से भागा कैसे जाय ?"

जेफ़ ने कहा—"मैं बताऊँ ? जंगलियों के नेता से कहो कि कुछ आदमी कार को खींचकर बाहर निकालें। बस सब वहीं मर जायगे।"

पिकैफ्ट बोला—"यह तो हत्या की बात है। लेकिन किसी तरह इनसे पिण्ड तो छुड़ाना ही होगा।

इस बीच तो नेता ने अपने आदमियों को हुक्म दे दिया कि कार खींचकर बाहर ले आवें। जब आदमी कार की ओर

पढ रहे थे, लडके माँस रोककर खडे थे। लेकिन फिर भी कुछ न हुआ। वे कार को खीचकर बाहर ला रहे थे।

डेरिक बोला—"अरे बाप रे, करेण्ट बन्द हो गया है। नील, यह कैसे हुआ ?"

नील ने कहा—"जान पडता है सूरज की रोशनी के अभाव में बैटरी खत्म हो गई।"

डोनल्ड ने पूछा—"कार को चलाने जितना पावर कै दिनों मे आयेगा ?"

उसाँस लेते हुए नील ने कहा—"छ सात दिन मे।"

डेरिक बोला—"तब लौटने के लिए सिर्फ तीन ही दिन बचेंगे।"

जेफ्रे ने कहा—"सच तो यह है, कि लौटना बेवकूफी है। या तो हम इन्हे मार डालें या इनसे अपना पिण्ड छुड़ाकर निकल भागे, किस्सा खत्म !"

डोनल्ड ने कहा—"लेकिन हमारी बन्दूकें और पिस्तौलें तो वहाँ हैं।"

हेल्गा बोली—"मेरा खयाल है कि यह सभी गिल्बर्ट ही है।"

पिक्रैफ्ट ने कहा—"इन बीस आदमियों से बचना मुश्किल है। जोंक की तरह ये हमसे चिपटे हैं। हममें से एकाध 'स्क्वीकर' में सटक जाय और इन पर मशीनगन चला दे तो ?"

नील बाला—"हो नहीं सकता। हम सब इकट्ठा हैं न ? मशीनगन से अस्ले उन्हीं को कैसे मारा जायगा ?"

भूतपूर्व धर्माचार्य ने कहा—"और, हो सके तो इन दुष्टों को हम न मारें। हाँ, मैं क़बूल करता हूँ कि यह बदसूरत हैं। लेकिन इन भोंडी शकलों को हम मारें, तो यह जेफ़े कैसे बच सकता है?"

जेफ़े ने फटकारते हुए जवाब दिया—"तुझे तो जन्मते उसी दिन मार डालता।"

आश्चर्य यह था कि कार में पावर आने तक सावधानी बाट जोहने को तैयार थे। इक्कीस दिन पूरे होने तक इन्हें रोक रखने का इन्होंने निश्चय कर लिया था। मामागग कह चुका था कि उनकी आँखें हेलगा और डोनल्ड पर हैं और व यह चाहते थे कि रानी और उसके अमीरों के मुँह तक पहुँचने से पहले ही वे इन गोरों को चट कर सकें तो बेहतर हो।

नील ने दोनों कार के एंजिनों को घुमाकर देखा। छठें दिन सवेरे उन्होंने कुछ धुम् धुम् सी आवाज सुनी।

नील ने कहा—"पावर आ रहा है।"

सिर्फ़ नील को ही कार के अन्दर जाने की इजाज़त थी और जब-जब वह कार में जाता था, हाथ में भाला लिये एक जंगली कार के दरवाज़े के पास खड़ा रहता था। नील भागने या हथियार चलाने की कोशिश करे, तो उसका भाला नील के लिए तैयार था।

सातवें दिन दोपहर को नील ने घोषणा की कि एंजिन फुल पावर में आ गये हैं।

सिपाहियों से लौट चलने को तैयार होने के लिए कहा गया। नील और पिक्रैफ्ट शोफर की जगह बैठे। हर एक शोफर के पीछे नंगा भाला लिये एक-एक जंगली खड़ा था।

बालकों को तो पुलिस के पहरे में मोटर के पीछे-पीछे कूच करनी थी।

साँझ हुई और वे रुके।

'अब क्या किया जाय ?' वे आपस में इसकी चर्चा करने लगे।

जेफ ने कहा—"मेरी योजना सुनिये। जब हम आगे चलना शुरू करें, नील एकाएक मोटर का पानी खाली करके हवा में उड़े। या तो जंगली उसे पकड़ने के लिए दौड़ेंगे, अथवा हक्के-बक्के बनकर मुँह फाड़े उसे ताकते रहेंगे। इसी बीच पिक्रैफ्ट अपनी मोटर का दरवाजा खोल दें और हम सब उसकी कार में बैठ जायँ।"

नील ने ठण्डे दिल से कहा—"योजना तो सुन्दर है ! पर मेरे पीछे खड़ा हुआ जंगली क्या करेगा, सो जानते हो ? अगर वह अपना भाला मेरी गरदन पर चला दे, तो मैं बेमौत मरूँ। और ...र उड़ने से लाभ क्या ?"

...ट बोला—"और ठीक यही मेरा सन्तरी भी करेगा।"

... ने कहा—"नहीं, ऐसा नहीं होगा। बिलकुल आस... है। जब नील ऊपर उड़ेगा, जंगली एक दम घबरा ... उसे कुछ सूझ न पड़ेगा। बस, इसी समय नील ...

ढकेल दे, कि खतम !"

नील बोला—"अच्छा ! योजना सिर हथेली पर रखकर आजमाने जैसी तो है। लेकिन यही एक रास्ता हो तो कल सुबह आजमायें। देखो, पिक्रैफ्ट ! में जब बिगुल बजाऊँ, फौरन ही तुम, बन सके तो, अपने सन्तरी का ढकेल देना।"

दूसरे दिन सुबह सब रवाना हुए। मन में आशा थी, निराशा थी, भय था, चिन्ता थी। नील 'घर की तरफ' में आगे चला। पीछे से "चींची" में पिक्रैफ्ट निकला। फिर कुछ सिपाही, उनके पीछे बालक और उनके पीछे पांच सिपाही। एकाएक बिगुल बजा। उसी दम 'घर की तरफ' हवा में उड़ती दिखी। जब वह जमीन से दस फीट उठ चुकी थी, पहले उसमें से एक भाला गिरा और उसके बाद जंगली लुढ़कता आया। उधर जेफ्रे की योजना सौ फीसदी सफल हो रही थी। जंगली उड़नेवाली कार को देखकर भकचका गये और पागलों की तरह उसे देखते रहे। आगे आगे डेरिक और पीछे दूसरे बालक चींची की ओर दौड़े। यह मौका जरा मुश्किल का था। पिक्रैफ्ट के सन्तरी ने 'घर की तरफ' को उड़ते देखा नहीं था, इसलिए वह तो पिक्रैफ्ट की गरदन पर भाला ताने ही खड़ा था।

डरिक की पुकार सुनते ही सन्तरी ने बालकों की ओर भाला ताना।

पिक्रैफ्ट एक न एक खड़ा होगया और पीछे हटकर जंगली ... में सिर दे मारा। सन्तरी फौरन गठड़ी बनकर गिर पड़ा।

सिपाहियों से लौट चलने को तैयार होने के लिए कहा गया। नील और पिक्रैफ्ट शोफर की जगह बैठे। हर एक शोफर के पीछे नंगा भाला लिये एक-एक जगली खड़ा था।

बालकों को तो पुलिस के पहरे मे मोटर के पीछे-पीछे कूच करनी थी।

साँझ हुई और वे रुके।

'अब क्या किया जाय ?' वे आपस मे इसकी चर्चा करने लगे।

जेफ़ ने कहा—"मेरी योजना सुनिये। जब हम आगे चलना शुरू करे, नील एकाएक मोटर का पानी खाली करके हवा में उड़े। या तो जगली उसे पकड़ने के लिए दौड़ेंगे, अथवा हक्के-बक्के बनकर मुँह फाड़े उसे ताकते रहेंगे। इसी बीच पिक्रैफ्ट अपनी मोटर का दरवाजा खोल दे और हम सब उसकी कार में बैठ जायँ।"

नील ने ठण्डे दिल मे कहा—"योजना तो सुन्दर है। पर मेरे पीछे खड़ा हुआ जगली क्या करेगा, सो जानते हो ? अगर वह अपना भाला मेरी गरदन पर चला दे, तो मैं बेमौत मरूँ। और फिर ऊपर उड़ने स लाभ क्या ?"

पिक्रैफ्ट बोला—"और ठीक यही मेरा सन्तरी भी करेगा।"

डेरिक ने कहा—"नहीं, ऐसा नही होगा। बिलकुल आसान तरीका है। जब नील ऊपर उड़ेगा, जगली एक दम घबरा जायगा और उसे कुछ सूझ न पड़ेगा। बस, इसी समय नील उसे नीचे

ा दे, कि खतम !"

नील बोला—"अच्छा ! योजना सिर हथेली पर रखकर
माने जैसी तो है। लेकिन यही एक रास्ता हो तो कल सुबह
मावे। देखो, पिक्रैफ्ट ! मैं जब बिगुल बजाऊँ, फौरन ही तुम,
सके तो, अपने सन्तरी को ढकेल देना।"

दूसरे दिन सुबह सब रवाना हुए। मन मे आशा थी, निराशा
भय था, चिन्ता थी। नील 'घर की तरफ' में आगे चला।
से "चींची" में पिक्रैफ्ट निकला। फिर कुछ सिपाही, उनके
बालक और उनके पीछे पाँच सिपाही। एकाएक बिगुल
। उसी दम 'घर की तरफ' हवा मे उडती दिखी। जब वह
न मे दस फ़ीट उठ चुकी थी, पहले उसमें से एक भाला
और उसके बाद जगली लुढकता आया। उधर जेम्स की
ना सो फीसदी सफल हो रही थी। जगली उडनवाली कार
खकर भकचका गये और पागलो की तरह उसे देखते रहे।
आगे डेरिक और पीछे दूसरे बालक चीचीं की ओर दौडे।
मौका जरा मुश्किल का था। पिक्रैफ्ट के सन्तरी ने 'घर की
' को उडते देखा नही था, इसलिए वह तो पिक्रैफ्ट की गर
र भाला ताने ही खडा था।

डेरिक की पुकार सुनते ही सन्तरी ने बालको की ओर भाला
।

पिक्रैफ्ट एक-ब एक खडा होगया और पीछे हटकर जगली
ट में सिर दे मारा। सन्तरी फौरन गठड़ी बनकर गिर पड़ा।

छोकरे कार पर सवार हो गये। फ्रिकैस्ट ने जंगली को उठाकर उसके सरदार पर फेंका। सरदार उनकी ओर बढ़ा चला आ रहा था। वह बीच ही में धड़ाम् से गिर पड़ा। हेलगा ने जोर से दरवाज़ा बन्द कर लिया। कार आगे को कूदी और मिनटों में हवा में तैरने लगी।

एक घण्टे में तो मोटरें गोरी रानी के शहर पर ऊपर ऊपर उड़ने लगीं।

डेरिक ने नील को फोन किया—"हम महल के चौगान में उतरें।"

दो बड़े बड़े परिन्दों की तरह मोटरें मर्र्र्र् नीचे उतरीं। उन्हें उतरते देखकर लोग भागे। एक रानी और उसके सिपाही वहीं डटे रहे।

रानी ने हुक्म दिया—"इन्हें गिरफ़ार कर लो।" सिपाही दोनों मोटरों का घेरकर आगे बढ़े। बिजली के तार को उन्होंने छुआ और पत्थर के पुतलों की तरह नीचे ढुलक पड़े। दूसरे सिपाही भयभीत हो गये। भगदड़ मच गई। रानी उठकर आगे आई। उसने चिल्लाकर कहा—"सिपाहियो, कार को पकड़ो।"

एक भी सिपाही आगे नहीं बढ़ा।

फौज के सरदार ने कहा—"रानी जी! यहाँ तो मौत का सामना है।"

रानी ने कहा—"नामर्दो! देखो एक रानी खतरे का सामना कैसे करती है, सो मैं तुम्हें बताती हूँ।"

ह कार के पास गई और अपना हाथ बढाया । एकदम बन्द होगया । हेल्गा ने झटपट दरवाजा खोल दिया । रानी अन्दर आगई । सिपाहियों की ओर मुँह करके और नाक गुली रखकर उसने कहा—"देखो, तुमसे मैं ज्यादा होशि- ।"

बातचीत

ल्गा ने कहा—"हाँ, मैं तो जानती ही थी कि रानी गिल्बर्ट ।"

सी को दबाते-दबाते गिल्बर्ट बोली—"ऊँह् । मैं कहती हूँ कि मर चुकी हूँ । ठीक ठीक कहानी क्यों नहीं कहता ? मैं । जिन्दा होना नहीं चाहती थी ।"

तैफ़े ने कहा—"नील ! आगे सुनाओ, जल्दी कहो, यह जी उठी ?"

कहानी

गिल्बर्ट ने रोंगटे खडे करनेवाला अपना किस्सा शुरू किया— मरी हुई सी दिखती थी, परन्तु वास्तव में मैं तन्द्रावस्था मे बाद में क्य ा हुआ, मुझे याद नही । कुछ ऐसा खयाल होता ः में बीमार पडी । फिर क्या हुआ, पता नहीं । उसके बाद मैं ी और मैने देखा कि कई बदसूरत शक्लें मेरी ओर ताक हें । पहले मैंने सोचा, कि सपना है । लेकिन तुरन्त ही मुझे चला कि बात वैसी नहीं है । वे मुझे झोलो में डालकर न कहाँ दूर-दूर ले गये । वहाँ एक बडे बदशकल आदमी ने

छोकरे कार पर सवार हो गये। पिकैफट ने जंगली को उठाकर उसके सरदार पर फेंका। सरदार उनकी ओर बढ़ा चला आ रहा था। वह बीच ही में धड़ाम् स गिर पड़ा। हेलगा ने ज़ोर से दरवाज़ा बन्द कर लिया। कार आगे को कूदी और मिनटों में हवा में तैरने लगी।

एक घण्टे में तो मोटरें गोरी रानी के शहर पर ऊपर ऊपर उड़ने लगीं।

डेरिक ने नील को फोन किया—"हम महल के चौगान में उतरें।"

दो बड़े-बड़े परिन्दों की तरह मोटरें सर्र्र्र् नीचे उतरीं। उन्हें उतरते देखकर लोग भागे। एक रानी और उसके सिपाही वहीं डटे रहे।

रानी ने हुक्म दिया—"इन्हें गिरफ़्तार कर लो।" सिपाही दोनों मोटरों का घेरकर आगे बढ़े। बिजली के तार को उन्होंने छुआ और पत्थर के पुतलों की तरह नीचे ढुलक पड़े। दूसरे सिपाही भयभीत हो गये। भगदड़ मच गई। रानी उठकर आगे आई। उसने चिल्लाकर कहा—"सिपाहियो, कार को पकड़ो।"

एक भी सिपाही आगे नहीं बढ़ा।

फौज के सरदार ने कहा—"रानी जी! यहाँ तो मौत का सामना है।"

रानी ने कहा—"नामर्दो! देखो एक रानी खतरे का सामना कैसे करती है, सो मैं तुम्हें बताती हूँ।"

वह कार के पास गई और अपना हाथ बढाया । एकदम करेण्ट बन्द होगया । हेलगा ने झटपट दरवाज़ा खोल दिया । रानी कूदकर अन्दर आगई । सिपाहियों की ओर मुँह करके और नाक पर अँगुली रखकर उसने कहा—' देखो, तुमसे मैं ज्यादा होशियार हूँ ।"

बातचीत

हेलगा ने कहा—"हाँ, मैं तो जानती ही थी कि रानी गिल्बर्ट ही है ।"

हँसी को दबाते-दबाते गिल्बर्ट बोली—"ऊँहू । मैं कहती हूँ कि मैं तो मर चुकी हूँ । ठीक ठीक कहानी क्यों नहीं कहता ? मैं दुबारा जिन्दा होना नहीं चाहती थी ।"

जेफ़े ने कहा—"नील ! आगे सुनाओ, जल्दी कहो, यह जी कैसे उठी ?"

कहानी

गिल्बर्ट ने रोंगटे खड़े करनेवाला अपना क़िस्सा शुरू किया—"मैं मरी हुई सी दिखती थी, परन्तु वास्तव में मैं तन्द्रावस्था में थी । बाद में क्या हुआ, मुझे याद नहीं । कुछ ऐसा खयाल होता है कि मैं बीमार पड़ी । फिर क्या हुआ, पता नहीं । उसके बाद मैं जागी और मैंने देखा कि कई बदसूरत शक्लें मेरी ओर ताक रही हैं । पहले मैंने सोचा, कि सपना है । लेकिन तुरन्त ही मुझे पता चला कि बात वैसी नहीं है । वे मुझे झोली में डालकर न जाने कहाँ दूर दूर ले गये । वहाँ एक बड़े बदशकल आदमी ने

मुझे बडी देर तक न जाने क्या-क्या कहा। लेकिन मैं तो समझ ही न पाई कि वह क्या कहता था। वह जगली ठीक नील की तरह बदसूरत था। उसके बाद उन सब ने मुझे सलाम किया। मुझे तो कुछ समझ ही नही पडता था। धीरे धीरे मैं उनकी बोली कुछ-कुछ समझने लगी। मुझे एक औरत ने कहा कि मैं तो वहाँ की रानी हूँ। उस औरत ने कहा था क्या कहते हैं भई किसी घटना के बारे में कोई पहले ही से कह दे उसे, देखो क्या क्या कहते है ?"

नील ने कहा—"भविष्य वाणी।"

"हाँ, एक बार भविष्य हुआ था, नहीं, नहीं, भविष्य वाणी हुई थी कि आनेवाले वर्षों में इस देश पर महान् गोरी रानी राज्य करेगी। बस, उन्होंने मुझे गोरी रानी बना दिया। लेकिन वे लोग तो आदमखोर थे। मैं उनसे बेहद डरी। उन लोगों ने मुझसे कहा कि मुझे भी आदमी का मास खाना पडेगा। लेकिन, मेरा नौकर बहुत भला आदमी था, और महराजिन उसकी पहचान की थी। वह मुझे बालक के मास के स्थान पर बकडे का भोजन ला देता था। बडा भला आदमी था। फिर उसके मुखिया के आज्ञानुसार मुझे चलना पडा। उन्हें यह जानकर भय हुआ कि मेरे मित्र आकर मुझे ले जायँगे, इसलिए उन्होंने मुझसे यह कानून बनवा लिया कि कोई भी गोरा आदमी आवे तो क़त्ल कर डाला जाय। मैं तो इतनी डरती थी कि उन्होंने जैसा कहा, मैंने वैसा ही किया। जब उन्होंने मुझसे आकर कहा कि तुम्हारा सिरकार

किये गये हो, तब तो मुझे इतनी खुशी हुई कि पूछो मत।

डोनल्ड ने पूछा—"तो फिर तुमने हमें बेहोश करनेवाली शराब क्यों पिलवाई ?"

"हाँ, देखो मैं कितनी चतुर हूँ। मैं यह चाहती थी कि तुम कार ले आओ। अकेली राइफल से तुम लड नहीं सकते थे।"

नील ने अधीर होकर कहा—"पर इक्कीस दिन की मोहलत क्यों दी ?"

गिल्बर्ट ने कहा—"मोहलत का प्रस्ताव तो सरदार का था लेकिन अच्छा हुआ, कि मैं छूटी। कल तो मेरा ब्याह होनेवाल था।" गिल्बर्ट हँसी और कहने लगी—"हाँ, वह कहते थे ि मेरा ब्याह उस बूढे खूसट के साथ होगा। वह, जिसे तुमने सब पहले देखा था—वह ठठरी सी देहवाला बूढा खूसट—नील भी बूढा। अच्छा हुआ कि मैं भाग निकली।"

बातचीत

मैंने कहा—"इस तरह, यह गिल्बर्ट का प्रकरण पूरा हुअ

गिल्बर्ट ने जरा टेढा मुँह करके, मनोहर हँसी हँसते हुए, ओर देखा—"नील, तू सोचता होगा कि मुझे फिर से जिव तैंने बडी होशियारी की है। क्यों जेफ्रे, नहीं ? लेकिन यह बडी भारी होशियारी की बात नहीं। पुस्तकों-जैसी नहीं। मन राजा की खान के क़िस्से में ऐसी बेवकूफी की बातें नहीं क्यों डेरिक, सच है न ? सालोमन की खान के क़िस्से मे होता है। लेकिन इस क़िस्से मे तो " जरा रुककर

मुँह बनाकर—"ऐसा कुछ भी नहीं है, जो किताब में लिखा जाय। बोल, डेरिक, तेरा क्या खयाल है ?"

डेरिक ने कहा—"नील को भूगोल का जरा अच्छा ज्ञान होता, तो क़िस्सा किताब के लायक बन जाता।"

जेफ्रे ने कहा—"मेरा खयाल है कि इसने कुछ सच सच घटनाएँ सुनाई होतीं, तो बेहतर था। मैं नहीं मानता कि इसमें कुछ किस्सा है। हम हमेशा बच ही जाते हैं।"

मैंने कहा—"अच्छा बहुत अच्छा। आगे के किस्सा में जब हम आदमखोर लोगों के ऊपर हवा में उड़ते होंगे, जेफ्रे को कार से गिरा देंगे। मैं अबकी ख़ास तौर पर निगरानी रक्खूँगा कि वह बचने न पावे।"

डोनल्ड ने खीझकर कहा—"हाँ, नील, बस, यह बहुत अच्छा होगा। इसने मेरी हुप् (Hoop) लेली और आज सबेरे तोड़ डाली। क्या ही अच्छा हो जो जेफ्रे इस पाठशाला में न हो।"

गिरबर्ट बोली—"तब तो पाठशाला सुधर जाय। लेकिन यहाँ कुछ पढने को नहीं मिलता। यह किस्सा तो तमाशा है। डोनल्ड और हेल्गा को इसमें नुकसान ही होगा, क्योंकि वे इसे सच मानते हैं। क्यों, डोनल्ड, सच है न ? कहीं ऐसी कार भी होती होगी ? लेकिन डोनल्ड सच मानता है।"

डोनल्ड ने कहा—"परन्तु नील जब क़िस्सा कहता है, तब तो बिलकुल सच मालूम पड़ता है।"

डेरिक बोला—"हाँ, मुझे भी ऐसा ही लगता है। अरे नील,

तू बड़ा होशियार है। जेफ्रे, देख तो सही! यह कहते-कहते क़िस्सा बनाता जाता है। यह खुद नहीं जानता कि आगे क्या होगा।"

मैंने गम्भीर होकर कहा—"माफ करो। जो बात होती है, वही मैं कहता हूँ।"

प्रकरण—७

गिलबर्ट की मुक्ति के बाद सब ने अनुभव किया कि अब वे साहसिक कार्यों से खूब अघा गये हैं।

जेफ्रे ने कहा—"मैं प्रस्ताव करता हूँ कि अब हम इंगलैण्ड लौट चलें।"

नील के अलावा और सब की यही राय ठहरी।

नील ने कहा—"मैं तो चाहता हूँ कि खारतुम में गॉर्डन की क़ब्र देखूँ।"

डेरिक बोला—"अच्छा, तो हम उस रास्ते लौट चलें।"

परिणाम यह हुआ कि एक हफ्ते खारतुम के किसी होटल की छत पर यह मण्डली बैठी थी।

जेफ्रे ने पूछा—"गॉर्डन का किस्सा क्या है?"

बातचीत

गिलबर्ट ने सशक होकर कहा—"अगर तू किस्से के साथ इतिहास पढ़ाना चाहता हो, तो मैं तो कहूँगी कि हम ऐसी वाहि-

यात बातें नहीं सुनेंगे। क्यों जेफ्रे ? हम इस समय पाठशाला में नहीं हैं। यह अच्छा बहाना है।"

डेरिक ने ठठोली की—"नील इतिहास जाने ही क्या ?"

जेफ्रे बोला—"मुझे इतिहास नहीं सीखना। गॉर्डन के किस्से में क्या खाक है ?"

इलगा ने कहा—"मैं तो साहस के किस्से पसन्द करती हूँ।"

डोनल्ड बोला—"मुझे भी सिंद मगर और ऐसी ही बातोंवाले किस्से अच्छे लगते हैं। अब तक शार्क का क़िस्सा तो आया ही नहीं।"

मैंने दृढता से कहा—"गॉर्डन का क़िस्सा सुनना है या नहीं ?"

लडके जवाब मे गरज उठे—"नहीं, हम किस्सा चाहते हैं।"

मैंने कहा—"अच्छा।"

और क़िस्सा आगे चला।

कहानी

उसी क्षण एक भयकर पुकार सुनाई पडी कि बोट डूबती है। परन्तु बोट का कप्तान बोट पर नहीं था। वह किनारे पर आलू बो रहा था।

शोफर ने चिल्लाकर कहा—"शार्क।"

और सचमुच शार्क थी।

कप्तान ने हुक्म दिया—"मिजनबुलवर्क की ओर बढ़ो। Port the leeward top—gallant mast! Starboard the stern sheet!"

तत्काल एक लडका कप्तान की कैबिन के पास आया। उसने कहा—"पिता जी, मैं झूठ नहीं कहता। एपल (सेव) के पेड को मैंने ही काटा।"

बातचीत

जेफ्रे ने कहा—"अगर ऐसा वाहियात किस्सा कहना है, तो मैं यह चला।"

गिल्बर्ट बोली—"इसमें कुछ मनोरंजन तक नहीं।"

डोनल्ड ने आश्चर्य से पूछा—"शार्क क्या बला है ?"

मैंने कहा—"जो लकडी चुरा गई, वह शार्क। तुमने कहा कि क़िस्से में शार्क आवे, सो यह शार्क आई। अब इंग्लैंड लौटना है या गॉर्डन का किस्सा सुनना है ?"

गिल्बर्ट ने कहा—"गार्डन का क़िस्सा ही होने दो। मैं जानती जो हूँ, आजकल महाशय जी गार्डन की पुस्तक पढ़ रहे हैं, सो बताना चाहते हैं कि इतिहास के बड़े जानकार हैं।"

थककर डेरिक बोला—"भई, गॉर्डन का क़िस्सा ही सही।"

कहानी

जेफ्रे ने पूछा—"इस गार्डन के क़िस्से में है क्या ?"

बूढ़ा नौकर गिल्बर्ट के गिलास में रोगन उँडेल रहा था। वह रुक गया और बोला—"ओहो भैया! तुमने तो जनरल गार्डन को याद कर लिया।"

बूढ़े बैरा ने जेब से रूमाल निकाला और आँसू पोंछे।

सहानुभूतिपूर्वक हेल्गा ने पूछा—"क्यों बाबा, रोते क्यों हो ?"

"याद आ गई जनाब, वह तो याद आ गई।" वह कुछ ठहरा और बोला—"मैं उनका नौकर था।"

यात्रियों की सारी टोली अपने कमरे में बैठी बैठी पिछली रात को गार्डन का किस्सा सुन रही थी।

वह बूढ़ा बैरा कह रहा था—"भैया, मैं राज-काज की बात बहुत नहीं समझता। गार्डन को खारतुम क्यों भेजा गया था, सो भी मैं नहीं जानता। मैं इतना जानता हूँ कि महादी नाम का एक जंगली अरब था, उसने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की थी, सो अँग्रेजों को बचाने के लिए वह भेजा गया था। वहाँ दूसरे गोरे भी थे।"

पिक्रैफ्ट ने कहा—"मैंने इस सम्बन्ध में पढ़ा है। 'टाइम्स' का संवाददाता, फ्रांसीसी कौन्सल और दूसरे करीब बीस आदमी वहाँ थे न?"

नौकर ने सिर हिलाकर कहा—"हाँ, कोई बीस। शहर घेर लिया गया था और हर एक आदमी क़िलेबन्दी के काम में मशगूल था। क़िले के बाहर हजारों दुश्मन पड़े हुए थे। कई दिन बाद गार्डन गोरों को जहाज में बैठाकर सुरक्षित स्थान पर चले जाने को राजी कर सका। वे जहाज में रवाना हुए, हमने उन्हें खुशी खुशी बिदा किया, परन्तु वे सुरक्षित स्थान पर पहुँच नहीं सके। वे किनारे की ओर बह गये और महादी के आदमियों ने उन्हें काट डाला। गोरों से लिए हुए दस्तावेज वगैरा ... महादी ने जब गॉर्डन के पास भेजे, तो गार्डन कैसा फफक

कर रोया था, मुझे अब तक याद है। गार्डन को तभी पता चला कि उसके सब देशबन्धु स्वर्ग को सिधारे हैं।"

अरे, सरदार गार्डन सचमुच अद्भुत आदमी था। दो घण्टे से ज्यादा वह कभी सोता न था। बड़े सबेरे टावर पर चढ़कर चारों ओर देखता था। फिर वह बालकों के साथ हँसता-खेलता और बड़ों को उत्साह दिलाता फिरता था। वह सबके साथ रहता था। हम देवता की तरह उसे पूजते थे।

एक दिन एक अरब हमारे डेरे तक आ पहुँचा। सन्तरी ने उसे करीब अधमरा सा कर डाला। राइफल से उसकी जान निकलने से पहले वह चिल्लाया—"मैं अंग्रेज काफिर हूँ।"

लोग उस गार्डन के पास ले गये। उसने गार्डन का सलाम किया और उसके हाथ में चिट्ठियाँ दीं।

बाद में लार्ड किचनर के नाम से प्रसिद्ध हुआ, सो यही आदमी था। अरब के भेष में दुश्मनों की फौज के बीच में आने का भयंकर साहस उसने किया था। दूसरे दिन वह अपनी फौज की तरफ चला गया। किचनर के आने से जनरल गार्डन का उत्साह खूब बढ़ गया था। किचनर यह खबर लाया था कि मदद के लिए आनेवाली फौज दस दिन में आ पहुँचेगी।

परन्तु परिस्थिति दिन पर दिन खराब हो रही थी। दुश्मन दिनादिन आगे बढ़े चले आ रहे थे। रसद खतम हो चुकी थी और हम चूहे खा खाकर जी रहे थे। गार्डन को [illegible]
चिन्ता न थी। "मेरे आदमी" "मेरे [illegible]

गुनाता था। मैंने अपने कानों यह सुना है।

आखिर अन्त आ पहुँचा। भयकर आक्रमण हुआ। हमा सरक्षक सेना को पीछे हटना पडा। भूखों मरतो और निराश से बेदम हमारी दूसरी क़तार भी पीछे हटी।

गार्डन आगे बढा। मै अभी भी उस अपनी आँखों के साम खडा देख रहा हूँ। उसका सिर तना हुआ था, हाथ अदर से झु हुए थे। चेहरे पर डर का नाम न था। थी घोर निराशा औ अतिशय खिन्नता। एक कद्दावर सैनिक ने बगल से उस पर हमल किया और भाला शरीर मे उसके आर-पार भोंक दिया। मैं अपनी आँखें बन्द कर ली और पीछे भागा। एक खाई में मैं छि गया और उस भयकर मार-काट मे बच गया।"

डेरिक न पूछा—"लेकिन उस मदद पर आनेवाली फ़ौज क क्या हुआ?"

बूढ़े बैरा ने कहा—"मदद ४८ घण्टा देर से पहुँची। किस को बचाना बाकी ही न था। जब उन्होंने खारतुम पर दुश्मनों का झण्डा फहराते देखा तो जान गये कि गॉर्डन मारा गया है।'

महादी ने स्लेटीन पाशा नाम के एक आँस्ट्रेलियन अफ़सर को गिरफ़ार किया था। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि वह गार्डन का भतीजा था। उसके बेडियाँ डाली गई थीं। एक दिन वह तम्बू के बाहर बुलाया गया। एक सिपाही एक टोकनी लेकर आया था।

सिपाही बोला—"देखो" और सिपाही ने गार्डन का सिर

पकड़कर दिखाया।

हेलगा ने पूछा—"फिर उस आदमी का क्या हुआ ?"

नैरा बोला—"बारह बरस तक वह क़ैद रक्खा गया।"

नील ने कहा—"फिर उसने अपनी कारावास की कथा प्रकाशित की।"

बातचीत

जेफ़े बोला—"मैं और भी जानना चाहता हूँ, लेकिन इतिहास के पाठ की तरह, क़िस्से के रूप से नहीं।"

डेरिक ने कहा—"क़िस्सा दिलचस्प है, पर यह कहानी तो हमारे सम्बन्ध की है न, गिल्बर्ट ?"

गिल्बर्ट ने कहा—"रहने दे। नील क्या यह सच है ?"

मैंने कहा—"मुझसे बूढ़े नैरा ने जो कहा था, वही मैंने तुम्हें सुनाया है।"

डोनल्ड ने पूछा—"लेकिन यह बूढ़ा नैरा सचमुच था क्या ?"

मैंने पूछा—"क्या पिक्रैफ्ट वास्तव में जीता जागता पात्र है ?"

डेरिक ज़रा सोच में पड़ गया। वह बोला—"मेरा ख़याल है कि जब वह लोगों को बन्दूक से उड़ाता है, तब उसे ज़िन्दा समझ लेना चाहिए। लेकिन नील, मैं समझ गया, तू बहुत चालाक नहीं है। पहले पिक्रैफ्ट अमेरिकन तरीक़े से बोलता था, पर अब वह अंग्रेज़ की तरह बोलता है।"

गिल्बर्ट ने चिढ़ाकर कहा—"ले, कैसी भूल निकलती है ?"

मैंने कहा—"इस यात्रा में पिक्रैफ्ट को बहुत तालीम मिली।

आश्चर्य है कि धीरे धीरे उसने अमेरिकन उच्चारण और वैसे प्रयोगों का व्यवहार छोड दिया है। मेरा खयाल है कि गिल्बर्ट की शुद्ध अंग्रेजी के सहवास के कारण ऐसा हो सका है।"

चिढकर गिल्बर्ट ने तर्जनी हिलाते हुए कहा—"सुन लेना। दो साल तक भैया जर्मनी रह आये हैं, पर 'बिअर' और 'टबाक' के सिवा कुछ बोलना नहीं जानते। तू जर्मन बोलता है, उससे तो मैं अंग्रेजी अच्छी बोल लेती हूँ। क्यों डेरिक ? और मैं तो फ्रेंच और इटालियन भी बोलती हूँ। नील, तेरी पाठशाला वाहियात है। अबकी मैं यहाँ आऊँगी ही नहीं। अम्मा कहती थी कि मैं जो चाहूँ, कर सकती हूँ, और अब मैं तो दूसरी पाठशाला में पढने जाऊँगी। ब्रुसेल्स मे डिकोलो की शाला मे मै थी, तब बडा आनन्द आता था। बडी अच्छी शाला है। इससे तो कहीं अच्छी। वहाँ शिक्षक न तो सारा दिन बीडी फूँका करते थे, न बेवकूफी की बातें ही कहते थे।"

जेफ्रे ने कहा—"अगली बार तो तुम हमें सबमरीन का किस्सा सुनाओगे न ? एक ऐसी सबमरीन का आविष्कार कर डालो कि जो समुद्र में नीचे छ मील की गहराई तक जा सके।"

गिल्बर्ट ने चिल्लाकर मेरे गले में हाथ डाला और कहा—"हाँ तब तो बहुत अच्छा हो। बूढे नील, मुझे सबमरीन का किस्सा अच्छा लगता है, क्यों ?"

मैंने भौंहें सिकोडकर कहा—"तू तो कह चुकी न कि अब तू यहा पढने नहीं आवेगी ?"

गिल्बर्ट ने जबान निकालकर कन्धे हिलाये और खिन्न होकर ह बोली—"अम्मा मुझे कड़े शासनवाली पाठशाला में भेजना हती है, पर मैं वहाँ नहीं जाऊँगी। तू अपनी शाला में कुछ साता नहीं, पर एक स्वतन्त्रता तो है। क्यों, समझा ?"

मैं जरा हँसा तो गिल्बर्ट फिर बोली—'लेकिन डिकोली की ी अच्छी शाला है।" यह कहकर गिल्बर्ट ने मेरे सामने 'आ ए' ह फाड़ दिया।

कहानी

इसके बाद ये मौत के खिलाड़ी खारतुम से चले और सीधे गलैण्ड को उड़े। जेफ्र को ऑक्सफर्ड में छोड़ा, डेरिक और ीनल्ड को हैरोगेट में उतारा, हेल्गा एडिनबरा में अपनी चाची मिलन चली गई और गिल्बर्ट नील के साथ नील के घर गई।

बातचीत

ओर से गिल्बर्ट ने कहा—नहीं, मैं तेरे साथ नहीं आई थी। ई और पिक्रैफ्ट तो लन्दन गये थे। मैं, ओर तेरे साथ कभी तेरे र आऊँ ?"

कहानी

एक दिन स्कॉटलैंड रहकर गिल्बर्ट ने कहा—"मैं अपने घर ास्टैण्ड जाना चाहती हूँ।"

और 'घर की तरफ' में उड़कर वह अपने घर पहुँच गई।
